नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित करते सीएम हेमंत सोरेन एवं अन्य

• बोकारो, बुधवार 1 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 45 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

सर्जरी से निकाली गई विशाल तिल्ली

रांची(नबिटा ब्यूरो)। सरकारी अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का एक और उदाहरण सामने आया है। रांची सदर अस्पताल के सर्जरी विभाग ने एक जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। बुंडू प्रखंड के आनेडीह गांव की रहने वाली सुलोचना देवी की 1.45 किलोग्राम वजनी विशाल तिल्ली (स्प्लीन) को लैप्रोस्कोपिक तकनीक से सफलतापूर्वक निकाल दिया। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और अब मरीज स्वस्थ होकर घर लौट रही हैं। खास बात यह है कि यह पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क किया गया।

सड़क हादसे में स्कूटी सवार दंपति की मौत

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सदर प्रखंड क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा अंजन धाम में हुआ। पुलिस के मुताबिक दंपति अंजन पहाड़ी मंदिर से पूजा-अर्चना करके लौट रहे थे तभी अचानक एक मवेशी सामने आ जाने से उनकी स्कूटी अनियंत्रित हो गई। तेज ढलान पर स्कूटी सड़क से नीचे उतरकर पत्थर और पेड़ से टकरा गई जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही टोटो थाना प्रभारी कुंदन कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। मृतकों की पहचान लोहरदगा जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के कुंद गढ़ी निवासी के रूप में हुई है।

छठ तालाब में मिला छात्रा का शव

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के निचितपुर टाउनशिप स्थित छठ तालाब में मंगलवार सुबह एक 16 वर्षीय छात्रा का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान टाटा सिजुआ डीएवी स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा देवश्री पाल के रूप में हुई है। परिजनों ने इसे आत्महत्या का मामला बताया है। देवश्री स्थानीय निवासी अशोक पाल की पुत्री थी। उसके परिवार में माता-पिता और एक बड़ा भाई हैं। यह घटना बाघमारा के ईस्ट बसुरिया ओपी क्षेत्र अंतर्गत मोहलीडीह में हुई। परिजनों के अनुसार, रविवार रात घर में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद देर रात करीब 2 बजे देवश्री घर से निकल गई। काफी तलाश के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो ईस्ट बसुरिया ओपी में उसकी गुमशुदगी की लिखित सूचना दी गई थी।

हूल दिवस पर मुख्यमंत्री ने सिदो-कान्हू को अर्पित की श्रद्धांजलि

दमनकारी ताकतों के खिलाफ बुलंद होगी आवाज : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। स्वाभिमान, संघर्ष और बलिदान के अमर प्रतीक के रूप में मंगलवार को पूरे राज्य में हूल दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस मौके पर हर साल की तरह इस बार भी इन वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राजधानी रांची के सिदो-कान्हू पार्क में श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों का तांता सुबह से लगा रहा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन के साथ अन्य लोग भी यहां पहुंचे तथा वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर जेएमएम, कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर मुख्यमंत्री ने उन्हें नमन किया और उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन वह दिन है जब शोषण के खिलाफ लोगों ने

बिगुल फूंक दिया। उन्होंने कहा कि उस क्रांति के आंदोलनकारी शहीदों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव जैसे लोगों ने देश में चल रहे शोषण के खिलाफ बिगुल फूंका। उन्होंने कहा कि उस आग की चिंगारी जलती रही और आज उस चिंगारी का फलाफल है कि अलग-अलग कालखंड में देश के विभिन्न स्थानों पर क्रांति होती रही और क्रांति का परिणाम एक अलग भारत देश बना, उसके बाद हम लोगों में संविधान बनाने की क्षमता आई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी यह देखा जा रहा है कि क्रांति, संघर्ष जगह-जगह पर कमजोर वर्गों के माध्यम से ही शुरू होता है और आज हमें गर्व है कि इन वीर सपूतों की बदौलत झारखंड को हम वीर भूमि कहते हैं। हूल दिवस के अवसर पर राज्य में ऐसे महापुरुषों को हम याद करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा क्रांति की यह आग कभी बुझती नहीं है, इसे बुझाया भी नहीं जा सकता है। जब जब दमनकारी ताकतें आगे बढ़ेंगी तब तब यह क्रांति होती है। यह लड़ाई एक आदर्श और निष्पक्ष रूप से होती है। इसीलिए यह क्रांति का जो दीया है वो सदा जलता रहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने ऐसे कई उदाहरण देखें होंगे कि क्रांति का दीया, ऐसे वीर शहीदों के स्थलों में निरंतर जलते रहते हैं। कई बार कुछ तत्वों द्वारा बुझाने का प्रयास होता है लेकिन वह बुझता नहीं है। आज हम वीर शहीद सिदो कान्हू जी को नमन करते हैं।

मां-बेटे की निर्मम हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जिले के नावाडीह महापुर पंचायत अंतर्गत हेठ नावाडीह गांव में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक घर से मां और उसके 14 वर्षीय बेटे का शव बरामद हुआ। अज्ञात अपराधियों ने देर रात घर में घुसकर दोनों की कुल्हाड़ी से वार कर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार वारदात सोमवार देर रात करीब 1:30 बजे की है। मंगलवार सुबह घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के कई थानों की पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया। इस दोहरे हत्याकांड ने इसलिए भी लोगों को झकझोर दिया है क्योंकि करीब तीन वर्ष पहले इसी परिवार के मुखिया की भी धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। एक ही परिवार में दोबारा हुई इस जघन्य वारदात के बाद पुरानी रंजिश की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस पुराने हत्या मामले और ताजा घटना के बीच संभावित संबंधों की भी जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलने पर देवघर के पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और जांच कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को हर पहलू से मामले की गहन जांच करने तथा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस पारिवारिक विवाद, पुरानी रंजिश समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच को आगे बढ़ा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

बाइक सवारों को पिकअप चालक ने मारी टक्कर

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। नारायणपुर थाना क्षेत्र के गोबिंदपुर-साहेबगंज मुख्य मार्ग पर मंगलवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना कोरिडीह वन गांव के पास हुई। घटना के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। मृतकों की पहचान बुटबेरिया गांव निवासी इरशाद अंसारी (22) और मुर्शरफ अंसारी (24) के रूप में हुई है। दोनों युवक बाइक से जामताड़ा से अपने घर लौट रहे थे इसी दौरान पिकअप वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

छेड़खानी का विरोध करने पर युवक की हत्या, तीन पुलिसकर्मी निलंबित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। छेड़खानी का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। बिष्टूपुर थाना क्षेत्र स्थित एक बार के बाहर हुए विवाद में चाकू से गंभीर रूप से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद शहर में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों ने कई घंटों तक सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। मृतक की पहचान हिमांशु सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार शनिवार रात हिमांशु और उसके एक साथी ने बार के बाहर कथित छेड़खानी का विरोध किया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को अपनी गश्ती गाड़ी में बैठा लिया। आरोप है कि इसी दौरान हमलावरों ने दोनों को पुलिस वाहन से जबरन बाहर खींच लिया और उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हिमांशु सिंह ने सोमवार शाम इलाज के दौरान दम तोड़ दिया जबकि दूसरा युवक अब भी अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती है। पुलिस ने इस मामले में बार संचालक सहित 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। घटना की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की गई। जांच में गश्ती दल की लापरवाही सामने आने के बाद सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) रतन कुमार दास, राजेश कुमार रंजन और कांस्टेबल मनोज कुमार को निलंबित कर दिया गया।

श्रावणी मेला : देवघर और दुमका में रहेगी अभेद सुरक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। सावन के पवित्र महीने की शुरुआत के साथ ही राजकीय श्रावणी मेला का शुभारंभ हो जाता है। भगवान शिव की नगरी देवघर में सैकड़ों शिवभक्त जल अर्पण करने के लिए यहां पहुंचते हैं। ऐसे में देवघर और दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर की सुरक्षा के लिए झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। देवघर में होने वाले श्रावणी मेले की तैयारियां अंतिम चरण में है। 29 जुलाई से शुरू होने वाले मेले में बाबा बैद्यनाथ धाम में लाखों कांवरियों और श्रद्धालु शामिल होंगे। बढ़ती भीड़ और भक्तों के जन सैलाब को देखते हुए झारखंड पुलिस मुख्यालय की तरफ से सुरक्षा, ट्रैफिक और भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि भक्तों की

यात्रा सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित रहे। झारखंड पुलिस के आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता नरेंद्र सिंह ने बताया कि देवघर में कुल 21 अस्थाई पुलिस ऑब्जर्वेशन पॉइंट (ओपी) और 13 ट्रैफिक ओपी स्थापित किए जा रहे हैं। दुमका जिले में भी 7 अस्थाई ओपी और 6 ट्रैफिक ओपी लगाए जा रहे हैं ताकि प्रमुख मार्गों पर निगरानी सतत बनी रहे और कांवरियों एवं वाहन चालकों को आवश्यक मार्गदर्शन मिल सके। आईजी ऑपरेशन नरेंद्र सिंह ने बताया कि सभी अस्थाई ओपी की जिम्मेदारी डीएसपी रैंक के अधिकारियों को सौंपी जा रही है। हर ओपी पर अनुभवी सब-इंस्पेक्टर तथा स्थानीय थानों से समन्वय करके अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। साथ ही भीड़ प्रबंधन के लिए स्पेशल कंट्रोल रूम बनाए जा रहे हैं जो 24 घंटे सक्रिय रहेंगे और वे सभी इमरजेंसी और अन्य सूचनाएं मॉनिटर करेंगे। आईजी अभियान के मुताबिक देवघर और दुमका में ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी व्यापक योजना बनाई गई है, प्रमुख प्रवेश मार्गों पर ट्रैफिक ओपी बनाकर उनमें जवानों को तैनात किया जाएगा। मेले के दौरान भारी वाहनों के लिए शिफ्टेड टाइमिंग और वैकल्पिक रूट भी घोषित किए जा रहे हैं ताकि मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति न बने। संवेदनशील और भीड़ वालों जगहों पर रिफ्लेक्टर तथा साइनबोर्ड लगाकर भीड़ को नियंत्रित किया जाएगा।

तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी के दो नक्सली गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। चतरा पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी (तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी) के दो कुख्यात नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान 29 वर्षीय मसी तिग्गा और 45 वर्षीय किरण नगडवार के रूप में हुई है। पुलिस की इस कार्रवाई को नक्सलवाद और संगठित अपराध पर एक बड़ा प्रहार माना जा रहा है। दोनों नक्सली रंगदारी, आगजनी और यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) सहित दर्जनों संगीन मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे थे। इनकी गिरफ्तारी से इलाके में दहशत फैलाने वाले उग्रवादियों को बड़ा झटका लगा है। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर इलाके में लगातार सघन नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में टंडवा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने पिपरवार थाना कांड संख्या 23/25 (आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट) में वांछित इन दोनों हार्डकोर नक्सलियों को धर दबोचा। पुलिस को इनकी लंबे समय से तलाश थी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार दोनों नक्सलियों का एक लंबा और खौफनाक आपराधिक इतिहास रहा है। मसी तिग्गा और किरण नगडवार पर चतरा और रांची जिले के पिपरवार, टंडवा और खलारी थानों में रंगदारी मांगने, आगजनी करने, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, सीएलए और यूएपीए जैसी गंभीर धाराओं के तहत करीब दर्जनों मामले पहले से ही दर्ज हैं।

16 अवैध आवासों पर चला बुलडोजर

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। सोनारडीह ओपी क्षेत्र के टंडाबाड़ी में 31 मार्च को भू-धंसान में जमींदोज होने से तीन की हुई मौत की घटना के बाद चिह्नित खतरनाक क्षेत्र में मंगलवार को बीसीसीएल प्रबंधन ने कार्रवाई की है। गोविंदपुर क्षेत्रीय प्रबंधन ने सोनारडीह पुलिस एवं सीआईएसएफ की मौजूदगी में 16 अवैध आवासों को बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कराया जबकि शेष 5 आवासों को गृहस्वामी की उपस्थिति में एक-दो दिन बाद गिराया जाएगा। दोपहर में माइक से अनाउंसमेंट कर लोगों को सूचना देकर बुलडोजर से कार्रवाई की गई। जिनके घर तोड़े गए उनमें रामप्यारी देवी, चंदेश्वर भुइयां, राजेश्वर रविदास सहित 16 गैर रैयत शामिल हैं। एबीजी कोलियरी के कार्मिक प्रबंधक आलोक कुमार राय ने बताया कि कुल 21 आवास ध्वस्त करने का नोटिस था। इसमें 16 घरों का गिरा दिया गया। बाकी घरों के लिये अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सब रजिस्ट्रार की निर्मम हत्या

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। मांडू थाना क्षेत्र के हुवाग पंचायत अंतर्गत सिमरिया टांड़ में मंगलवार को जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। गिरिडीह में पदस्थापित रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल को कथित तौर पर 10-15 लोगों ने लाठी-डंडे, ईंट और पत्थरों से बेरहमी से पीटकर हत्या कर दी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें रांची रोड स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों के अनुसार बालेश्वर पटेल ने करीब एक महीने पहले महेश प्रसाद और रामाशीष साव से 11 डिसमिल जमीन खरीदी थी। मंगलवार सुबह वह बोरिंग में समरसेबल लगाने सिमरिया टांड़ पहुंचे थे। इसी दौरान उक्त जमीन पर अपना दावा करने वाले ज्ञानी साव और उसके समर्थकों ने काम का विरोध किया। देखते ही देखते विवाद हिंसक रूप ले लिया। आरोपियों ने बालेश्वर पटेल पर लाठी-डंडों, ईंट और पत्थरों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अकेले होने के कारण वह खुद का बचाव भी नहीं कर सके। गंभीर रूप से घायल बालेश्वर पटेल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

पलामू में 2 लाख 35 हजार 701 मतदाता अनमैप्ड

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। जिले में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष प्रक्रिया शुरू हो गई है। मंगलवार से एन्यूमरेशन (गणना चरण) का फ़ेज शुरू हो गया है। जिले में कुल 17,64,947 मतदाताओं में से 2,35,701 मतदाता अभी अनमैप्ड हैं। सबसे अधिक अनमैप्ड मतदाता उन विधानसभा क्षेत्रों में हैं जो सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित रहे हैं। डालटनगंज और छत्तरपुर विधानसभा क्षेत्रों में अनमैप्ड मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है। डालटनगंज विधानसभा के अंतर्गत गढ़वा जिले का भंडरिया इलाका आता है जहां बूढापहाड़ स्थित है। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में नक्सल प्रभावित इलाकों के मतदाता अनमैप्ड हैं। छत्तरपुर विधानसभा क्षेत्र बिहार सीमा से सटा हुआ है और अति नक्सल प्रभावित रहा है। इस क्षेत्र में पलामू जिले में सबसे अधिक पुलिस बल तैनात है। पलामू जिला प्रशासन अनमैप्ड मतदाताओं के एम्यूमरेशन (गणना चरण) फ़ेज को उत्सव के रूप में ले रहा है। अनमैप्ड मतदाताओं को विशेष टारगेट पर लिया जा रहा है।

श्रावणी मेला को लेकर डीएम व एसपी ने सुल्तानगंज का लिया जायजा

सुविधाओं व भीड़ प्रबंधन को लेकर दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने संयुक्त रुप से आज सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का दौरा कर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने सुल्तानगंज स्थित नमामि गंगे घाट, सीढ़ी घाट, बाबा अजगैबीनाथ मंदिर परिसर, कृष्णगढ़ नियंत्रण कक्ष तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया और संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को अपने अपने कार्यों को निर्धारित समय के पहले पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कृष्णगढ़ नियंत्रण कक्ष के समीप जर्मन हैंगर स्थापित करने का निर्देश देते हुए बाबा चौक फोरलेन के निकट पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी वाहन पार्किंग, बेहतर प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही सुल्तानगंज स्थित पथ निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन का भी निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत एवं अन्य कार्य समय पर पूर्ण करने का निर्देश संबंधित अभियंताओं को दिया। श्रीमति पांडेय ने मेला क्षेत्र में बिजली के तारों की मरम्मत एवं ऊपर उठाने का निर्देश विद्युत विभाग को दिया। वहीं सुल्तानगंज नगर परिषद को व्यापक साफ-सफाई, सभी नालों की उड़ाही तथा जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए कहा गया। संभावित जलजमाव वाले क्षेत्रों में मिट्टी भराई एवं आवश्यकतानुसार अस्थायी ड्रेनेज व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि इस वर्ष पर्यटन विभाग के सहयोग से लेजर शो, ड्रोन शो एवं अन्य आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संपूर्ण नगर क्षेत्र को भगवान शिव की थीम पर सजाया जाएगा तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की प्रस्तुति भी होगी, जिससे श्रावणी मेला और अधिक भव्य एवं आकर्षक बनेगा। उन्होंने कहा कि जिला एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा विधि-व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, जर्मन हैंगर की स्थापना तथा उद्घाटन समारोह सहित सभी व्यवस्थाओं की संयुक्त रूप से लगातार समीक्षा की जा रही है। कच्ची कांवरिया पथ को भी श्रावणी मेला आरंभ होने से पूर्व पूरी तरह तैयार कर लिया जाएगा। डाक बम एवं सामान्य कांवरियों के आवागमन एवं निकासी के लिए विस्तृत रूट एवं मूवमेंट प्लान तैयार किया जा रहा है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि मेला क्षेत्र और कांवरिया मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को इस बार अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। खासकर , नमामि गंगे घाट सहित भीड़-भाड़ वाले सभी संवेदनशील स्थलों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। इस वर्ष 9 से 12 अस्थायी थाना स्थापित करने की योजना है। आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त हॉटस्पॉट एवं ब्लैक स्पॉट भी चिन्हित कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्रावणी मेला क्षेत्र में घुड़सवार पुलिस मोटरसाइकिल पेट्रोलिंग एवं पैदल गश्ती की व्यापक व्यवस्था रहेगी।

मारपीट के 19 वर्ष पुराने मामले में पांच अभियुक्त दोषी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। जिला व्यवहार न्यायालय ने 19 वर्ष पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए पांच अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋषिकांत की अदालत ने सत्र वाद संख्या 186/2010 (6103/2013), मटिहानी थाना कांड संख्या 26/2007 में सुनवाई पूरी होने के बाद सभी अभियुक्तों को विभिन्न धाराओं में दोषसिद्ध पाते हुए कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई। मामले के सूचक अरुण कुमार, पिता स्व कुशेश्वर राय, निवासी रचियाही, थाना मटिहानी द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 3 मार्च 2007 को दोपहर करीब 1:30 बजे आरोपी राम शंकर राय उनके खेत में घास काट रहे थे। इसका विरोध सूचक के भाई राम सुदीत राय ने किया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद और गाली-गलौज हुई। प्राथमिकी के अनुसार, अगले दिन 4 मार्च 2007 की सुबह करीब 6 बजे राम शंकर राय, सोनेलाल राय, प्रदीप राय, अमरदीप राय एवं रोहित राय लाठी-डंडा और खंती से लैस होकर पहुंचे और सूचक पर हमला कर दिया। आरोप है कि इस दौरान सोनेलाल राय ने अरुण कुमार की कनपटी पर लाठी से वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक संतोष कुमार ने प्रभावी ढंग से पैरवी की। अभियोजन ने अपने पक्ष में कुल पांच गवाह प्रस्तुत किए, जिनमें मलखान राय, राजेश राय, सूचक अरुण कुमार, अनुसंधानकर्ता नागेश्वर प्रसाद तथा राम सुदीत राय शामिल थे।सभी साक्ष्यों, गवाहों के बयान एवं उपलब्ध प्रमाणों का परीक्षण करने के बाद न्यायालय ने राम शंकर राय, सोनेलाल राय, प्रदीप राय एवं अमरदीप राय को भारतीय दंड संहिता की धारा 147 एवं 323 के तहत दोषी करार दिया।

प्रखंड मध्य विद्यालय में समर कैंप का समापन

भगवानपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के मध्य विद्यालय मल्हीपुर व मेंहदौली सहित अन्य में 2 जून से आयोजित समर कैंप का मंगलवार को समापन समारोह के साथ समापन हो गया। कैंप के दौरान बच्चों ने मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान संबंधी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समापन समारोह में बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी का दिल जीत लिया। अभिभावकों ने बच्चों के प्रदर्शन की खूब सराहना की। प्रधानाध्यापक प्रकाश रंजन राय ने अभिभावकों के साथ समर कैंप के उद्देश्य, बच्चों के बेसलाइन और एंडलाइन मूल्यांकन के परिणाम तथा उनकी शैक्षणिक प्रगति पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को निखारना और उन्हें रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना था। कैंप में बच्चों ने आनंद के साथ सीखा। इस अवसर पर रंगोली और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने उत्साह के साथ सभी गतिविधियों में भाग लिया। संकुल के नोडल शिक्षक मुहम्मद युशुफ आजाद व प्रधानाध्यापक प्रकाश रंजन राय ने स्वयंसेवक सुप्रिया कुमारी, नंदनी कुमारी व खुशी कुमारी को विद्यालय की ओर से पुरस्कृत किया। मौके पर शिक्षक रेणु कुमारी, सुमन कुमारी, वरदा, अंकित कुमार, शशि कुमार, कन्हैया कुमार आदि उपस्थित थे।

डीएम ने कटाव स्थल पर तटबंध निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने आज जिले के नवगछिया प्रखंड अंतर्गत इस्माइलपुर बिंद टोली में गंगा तट पर अवस्थित स्पर संख्या 7 और 8 के बीच 142 मीटर लंबाई में चल रहे तटबंध निर्माण एवं ऊंचीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नवगछिया के बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता गौतम कुमार ने जिलाधिकारी को जानकारी दी कि वर्ष 2024 में आई बाढ़ के कारण उक्त स्थल पर गंभीर टूटान हुआ था। इस स्थल पर 33.5 करोड़ रुपये की लागत से तटबंध निर्माण एवं ऊंचीकरण कार्य कराया जा रहा है, जो विभागीय स्वीकृति व संविदा के आधार पर चल रहा है। अब तक मिट्टी भराई एवं तटबंध ऊंचीकरण, साथ ही बोल्डर गैप रन का कार्य पूरा कर लिया गया है। केवल स्लोप निर्माण कार्य शेष है, जो लगभग 2000 कैरेट में किया जाना है। यह कार्य 15 जुलाई तक पूरा कर लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद अभियंताओं को आगामी 15 जुलाई से पहले तक कार्य पूर्ण करने का स्पष्ट निर्देश दिया। ताकि बाढ़ आने से पहले सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मौके पर नवगछिया के अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) कुंदन कुमार सहित स्थानीय अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

आरा में इवीएम-वीवीपैट, वेयरहाउस का निरीक्षण, सुरक्षा मानकों के पालन का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। माधव कुमार सिंह,अपर सचिव -सह अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार, पटना द्वारा ब्लॉक रोड, आरा स्थित ईवीएम/वीवीपीएटी वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर सचिव -सह अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार, पटना द्वारा ईवीएम/वीवीपीएटी वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं सुरक्षा बलों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ईवीएम/वीवीपीएटी की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। निरीक्षण के क्रम में ईवीएम वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, रिकॉर्डिंग व्यवस्था एवं निगरानी प्रणाली की भी जांच की गई तथा इसे निरंतर सुचारु रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी ईवीएम/वीवीपीएटी मैनुअल के अनुरूप ईवीएम/वीवीपीएटी के भंडारण, रख-रखाव एवं सुरक्षा से संबंधित सभी निर्देशों का पूर्ण एवं कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु प्रभारी पदाधिकारी, ईवीएम/वीवीपीएटी वेयरहाउस एवं प्रभारी पुलिस पदाधिकारी को निर्देशित किया। विदित हो कि ईवीएम वेयर हाउस में ईसीआईएल द्वारा निर्मित कुल 3276 सी.यू., 3659 बी.यू. एवं 3417 वीवीपीएटी उपलब्ध है। उक्त निरीक्षण के अवसर पर श्री धीरज कुमार, नोडल पदाधिकारी ईवीएम, निर्वाचन विभाग, बिहार पटना,उप विकास आयुक्त, भोजपुर, सहायक समाहर्ता भोजपुर, पुलिस उपाधीक्षक भोजपुर,उप निर्वाचन पदाधिकारी भोजपुर, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल आरा, कार्यपालक अभियंता विद्युत, आरा, प्रभारी पदाधिकारी अग्निशमन, अवर निर्वाचन पदाधिकारी आरा सदर, प्रभारी पदाधिकारी ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिलाध्यक्ष/सचिवअप्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

जनसहयोग शिविर के पूर्व प्राप्त 92 में 88 आवेदनों का ऑनलाइन निष्पादन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। प्रखंड क्षेत्र के हसनपुर बागर पंचायत में मंगलवार को जन शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निवारण के उद्देश्य से जनसहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता डीटीओ सह नोडल पदाधिकारी राजीव कुमार ने की। शिविर में ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों की सुनवाई की गई तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए गए। शिविर में राशन कार्ड, जॉब कार्ड, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, रसीद निर्गत, जलजमाव, बिजली एवं वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। डीटीओ सह नोडल पदाधिकारी राजीव कुमार ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना तथा प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करना इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है।

उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों से पूर्व में ऑनलाइन प्राप्त 92 आवेदनों में से 88 आवेदनों का निष्पादन कर दिया गया है। वहीं मंगलवार को आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों से 150 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को सुनवाई एवं निष्पादन के लिए सौंप दिया गया है, जिनका निपटारा 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नल-जल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली विभाग तथा वृद्धावस्था पेंशन आदि से संबंधित सर्वाधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।मौके पर प्रभारी बीडीओ सह अंचलाधिकारी सूरज कुमार, बीसीओ अनिल कुमार चौधरी, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी मेघा वर्मा, एमओ मनोज कुमार, बीएओ रौशन कुमार, राजस्व अधिकारी लवली कुमारी, स्थानीय मुखिया विजय पासवान, उपमुखिया पिंटु कुमार, सरपंच अर्जुन पासवान, पंचायत सचिव चंदन कुमार, एलएस शालिनी कुमारी, अपर थाना अध्यक्ष विश्वजीत कुमार, कार्यपालक सहायक विपुल भारती, प्रखंड लेखापाल संतोष कुमार, सोनू कुमार, बिजली विभाग से प्रवीण कुमार, निरंजन कुमार, विकास मित्र अर्जुन रजक, स्वच्छता पर्यवेक्षक रेखा कुमारी, ग्रामीणों में रामू सिंह, मोहम्मद नाजिम, अभिषेक कुमार, मोहम्मद कासिम, मोहम्मद नसीम रब्बानी, सेविका तबस्सुम परवीन सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण और फरियादी उपस्थित थे।

संजात और दामोदरपुर पंचायत में सहयोग शिविर आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। संजात और दामोदरपुर पंचायत में मंगलवार को आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं रखीं। संजात पंचायत में आयोजित शिविर की अध्यक्षता मुखिया पुनम कुमारी ने की, वहीं दामोदरपुर पंचायत में मुखिया राजकुमारी देवी ने शिविर की कमान संभाली। दामोदरपुर पंचायत में लगे शिविर में राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, भूमि विवाद, दाखिल खारिज सहित कुल 51 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए 30 आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया। शेष आवेदनों को लेकर मुखिया उपेन्द्र साहनी ने कहा कि इनका भी जल्द से जल्द निष्पादन कर आवेदकों को राहत दी जाएगी। गौरतलब है कि दामोदरपुर पंचायत में कुल 20 वार्ड हैं, इसके बावजूद अपेक्षा से कम केवल 51 आवेदन आना चर्चा का विषय रहा। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी अमित अक्षय मिश्रा, सरपंच फरजाना खातून, सरपंच प्रतिनिधि मुहम्मद खालिद बसर आदि उपस्थित थे।

एक नजर

सांसद ने ग्रामीण कार्य मंत्री से की मुलाकात

किशनगंज (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। डा. मोहम्मद जावेद आजाद ने पटना स्थित विश्वेश्वरैया भवन में बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग मंत्री सुनील कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की बुनियादी ढांचे में सुधार, विशेषकर अमौर विधानसभा में पुलों और सड़कों के निर्माण से जुड़े जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। सांसद ने ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री के समक्ष प्रमुख बिंदुओं पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई का आग्रह किया, जिसमें अमौर विधानसभा क्षेत्र में खाड़ी और रसीली पुल के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द शुरू करने की मांग रखी। किशनगंज लोकसभा क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने के लिए अन्य आवश्यक पुलों और सड़कों के निर्माण की स्वीकृति का अनुरोध किया गया है ताकि स्थानीय लोगों के जीवन को बेहतर बनाया जा सके।

बहन की शादी में आये युवक की करंट से मौत

बिहारशरीफ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नूरसराय थाना क्षेत्र के गनपुरा गांव में बहन की शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब थरथरी थाना क्षेत्र के मेंहतरमा गांव निवासी 25 वर्षीय स्वागत कुमार की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। वह चेन्नई से अपनी बहन की शादी में शामिल होने गांव आया था। जानकारी के अनुसार घर में बारात पहुंच चुकी थी और शादी की रस्में चल रही थीं। इसी दौरान स्वागत कुमार किसी काम से पास के खेत की ओर गया। वहां पहले से 440 वोल्ट का बिजली का तार टूट कर जमीन पर गिरा हुआ था। अनजाने में वह जीवित तार की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे तत्काल नूरसराय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बैठक में बाढ़, भवन निर्माण समेत कई प्रस्तावों पर चर्चा

हिलसा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नगर परिषद हिलसा कार्यालय में चुनाव के बाद पहली बार सशक्त स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष धनंजय कुमार तथा कार्यपालक पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से की। बैठक में नगर विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति पर चर्चा की गई। वार्ड संख्या-7 में प्रस्तावित बाढ़ भवन के निर्माण को लेकर प्रशासनिक स्वीकृति पर विचार-विमर्श हुआ। इसके अलावा मानसून से पहले शहर के नालों की उड़ाही (सफाई) को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्रवाई करने पर सहमति बनी।सशक्त स्थायी समिति ने नगर परिषद की आय-व्यय एवं रोकड़ बही की समीक्षा की। साथ ही पिछले चार वर्षों के दौरान जीईएम पोर्टल के माध्यम से की गई खरीदारी की भी समीक्षा की गई। बैठक में बरसात से पूर्व आवश्यक विकास योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति देकर उनके क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय लिया गया।

बैठक में विकास योजनाओं पर बनी रणनीति

हरनौत (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नगर पंचायत कार्यालय में मंगलवार को मुख्य पार्षद बबीता देवी की अध्यक्षता में सशक्त स्थायी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगर क्षेत्र के विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई।कार्यपालक पदाधिकारी सौरभ सुमन ने बताया कि नगर क्षेत्र की स्ट्रीट लाइटों के बिजली बिल के नियमित भुगतान, लगभग 110 सफाईकर्मियों को ड्रेस, साबुन, सफाई उपकरण उपलब्ध कराने तथा उन्हें पीएफ और ईएसआईसी जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने पर विचार किया गया। आगामी मानसून को देखते हुए जलजमाव वाले क्षेत्रों में नियमानुसार ह्यूम पाइप लगाने, राबिश गिराने और विभिन्न वार्डों के नालों की पोपलेन मशीन से विशेष सफाई कराने की योजना पर भी सहमति बनी।बैठक में एक लाख रुपये तक की विकास योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन के लिए संवेदकों का पैनल तैयार करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उप मुख्य पार्षद गीता देवी, बिजली विभाग के जेई मनीष कुमार, नगर पंचायत की जेई मनीषा कुमारी, समिति सदस्य सुनील कुमार, अनिल कुमार और सूरज कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

पांच सूत्री मांगों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। देश व राज्य में गिरती कानून-व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी तथा अन्य पांच सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नावकोठी प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। इससे पहले मिडिल स्कूल चौक, हसनपुर बागर से कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला और सरकार के विरोध में नारेबाजी करते हुए प्रखंड मुख्यालय पहुंचे। वहां प्रदर्शन सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश पासवान ने की। प्रखंड प्रभारी सुमन जीत सुमन ने केंद्र एवं राज्य सरकार पर विभिन्न मोर्चों पर विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा पेपर लीक जैसी घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। साथ ही बेरोजगारी, महंगाई और बढ़ते अपराध पर भी चिंता जताते हुए सरकार की नीतियों की आलोचना की। पूर्व प्रमुख विद्यानंद महतो ने कहा कि सरकार केवल घोषणाएं कर जनता को भ्रमित कर रही है। उन्होंने कहा कि डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस, रासायनिक उर्वरक एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम लोगों, विशेषकर निम्न एवं मध्यम वर्ग के परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। पांच सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रखंड प्रशासन को सौंपा।

सभा को मो अहमद, डॉ सुरेंद्र कुमार, पी एन वर्मा, श्रीराम सिंह, निशा शर्मा एवं शिवशंकर सिंह सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। इस दौरान श्याम शर्मा, बलबीर शर्मा, कमलेश्वर तांती, कपिल देव साह, निरंजन सिंह, मंनटुन पासवान, मुकेश कुमार महतो, प्रीति कुमारी, रेणु देवी सहित बड़ी संख्या में कंग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सहकारिता से किसानों की आय बढ़ाने पर दिया गया जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। सहकारिता सप्ताह के तहत मंगलवार को ई-किसान भवन, नावकोठी में पैक्स अध्यक्षों, प्रबंधकों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के लिए प्रशिक्षण सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी (बीसीओ) अनिल कुमार चौधरी ने की। उन्होंने कहा कि सहकारिता किसानों के हितों की रक्षा करने वाली महत्वपूर्ण संस्था है। इसके माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सहकारी संस्थाओं को भी आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पैक्स को केवल धान एवं गेहूं अधिप्राप्ति तक सीमित न रखकर व्यवसायिक विविधता अपनाने की आवश्यकता है। प्रशिक्षण के दौरान सस्ते दर पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराने, जनवितरण प्रणाली की दुकान, जनऔषधि केंद्र, सीएससी एवं सीएसपी केंद्र के संचालन के माध्यम से आय बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी गई। हरित कृषि संयंत्र योजना के तहत निबंधन कर लाभ उठाने, सहकारी संस्थाओं के लोकतांत्रिक अधिकार, शेयरधारक बनने, लाभांश प्राप्त करने, नियमित बैठक आयोजित करने तथा लिए गए निर्णयों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कृषि एवं राजस्व विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर लक्ष्य निर्धारित करने पर बल दिया। शिविर में उपस्थित पैक्स प्रतिनिधियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और सहकारिता को मजबूत बनाने के लिए सुझाव दिए। मौके पर सीओ सूरज कुमार, बीएओ रौशन कुमार, पैक्स अध्यक्ष संजीव कुमार, सुनीत कुमार, दिलीप कुमार, देवेंद्र सिंह, मनोहर कुमार, अशोक कुमार, प्रबंधक अरविंद कुमार आदि थे।

कानूनों व निःशुल्क विधिक सहायता की दी गई जानकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), बेगूसराय की ओर से मंगलवार को रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड परिसर में विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रियों, कुलियों, वेंडरों, दुकानदारों तथा आम नागरिकों को महिलाओं एवं बच्चों के अधिकार, मानव तस्करी की रोकथाम, नशा मुक्ति, स्थायी लोक अदालत तथा निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरपीएफ थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि रेलवे परिसर में होने वाले अपराधों एवं मानव तस्करी की घटनाओं की रोकथाम के लिए आम लोगों की सतर्कता आवश्यक है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पैनल अधिवक्ता विवेक कुमार सिन्हा ने नालसा योजना-2025, पॉक्सो अधिनियम-2012, बाल विवाह निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम-2005 तथा स्थायी लोक अदालत के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत गठित स्थायी लोक अदालत में परिवहन, डाक, टेलीफोन, बिजली, पेयजल, बीमा एवं अस्पताल जैसी सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित विवादों का त्वरित एवं कम खर्च में समाधान किया जाता है। यहां किसी प्रकार की कोर्ट फीस नहीं लगती तथा लोक अदालत का निर्णय दोनों पक्षों पर बाध्यकारी होता है। डीएलएसए के अधिकार मित्र हरेराम दास एवं शैलेश कुमार ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से निःशुल्क कानूनी परामर्श, अधिवक्ता तथा न्यायालय में विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। अभियान में बड़ी संख्या में यात्रियों, दुकानदारों, कुलियों, वेंडरों एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को कानून के प्रति जागरूक रहने, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, मानव तस्करी एवं नशे के विरुद्ध समाज को सजग बनाने तथा किसी भी कानूनी समस्या की स्थिति में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

लगातार परिश्रम और दृढ़ संकल्प से मिलती है सफलता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। प्रेरणा फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित 'युवा संवाद 4.0' कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में राजस्थान के प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता प्रो. डॉ. गणपत राजपुरोहित ने युवाओं को सफलता के लिए मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास का मंत्र दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य वक्ता डॉ. गणपत राजपुरोहित, जिला परियोजना पदाधिकारी एवं जिला गंगा समिति भोजपुर के अमित कुमार सिंह, कार्यक्रम संयोजक भुवन कुमार पांडेय तथा प्रेरणा फाउंडेशन के अध्यक्ष बबलू सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। डॉ. गणपत राजपुरोहित ने कहा कि युवावस्था जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, लगातार परिश्रम, धैर्य और आत्मविश्वास के बल पर ही सफलता हासिल की जा सकती है। कार्यक्रम में युवाओं ने करियर, व्यक्तित्व विकास और जीवन से जुड़े सवाल पूछे, जिनका डॉ. राजपुरोहित ने विस्तार से जवाब देकर मार्गदर्शन किया। संयोजक भुवन कुमार पांडेय ने बताया कि यह शैक्षणिक कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाएगा, कार्यक्रम में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. कुमार जितेंद्र, पूर्व मेयर रूबी तिवारी, रेड क्रॉस की सचिव विभा श्रीवास्तव, ब्लड कोऑर्डिनेटर डॉ. दिनेश प्रसाद सिन्हा, जिनवाणी मैनेजमेंट के निदेशक सिद्ध जैन, युवा उद्योगपति अनुराग मिश्रा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। संचालन ऐशना राज ने किया। धन्यवाद ज्ञापन दीपू मिश्रा ने किया। मौके पर स्वयंसेवक में नीतीश कुमार, निशांत कुमार, रुपाली कुमारी, मुस्कान सिंह, खुशी सिंह आदि थे।

हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन सीनियर फुटबॉल लीग का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। हूल दिवस के शुभ अवसर पर हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीनियर फुटबॉल लीग 2026 का शुभारंभ बड़े उत्साह एवं खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन समारोह में हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच रेड आर्मी एवं पप्पू 11, खटकमसांडी के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समाचार लिखे जाने तक मैच जारी था और पप्पू 11, खटकमसांडी की टीम रेड आर्मी पर 1–0 की बढ़त बनाए हुए थी। उद्घाटन समारोह में हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर जॉन भेंगरा, कोरों

निवासी एवं राष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट, हजारीबाग के अच्छे खिलाड़ी, अच्छे कोच एवं रेफरी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच रेड आर्मी एवं पप्पू 11, खटकमसांडी के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समाचार लिखे जाने तक मैच जारी था और पप्पू 11, खटकमसांडी की टीम रेड आर्मी पर 2–0 की बढ़त बनाए हुए थी। समारोह में कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार, सचिव कोलेश्वर गोप, उपाध्यक्ष शशिकांत शर्मा, हजारीबाग सदर विधानसभा खेल प्रतिनिधि श्री दिलीप गोप, मंसूर आलम, चंद्रशेखर कुमार, प्रकाश कुमार गुप्ता, अबोध राम, प्रमोद कुमार दास, सूरज थापा, मुशर्रफ खान, प्रमाद राम, विकास किंडो, दादन कुमार रजक, जीतू यादव, विनय यादव, मनोज राम एवं अजय कुमार सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। मैच का सफल संचालन ललित उराँव, सुमित उराँव, भगवान मुर्मू, विकास राम, सूरज दास, विकास दास, रविंद्र कुमार, विवेक केरकेट्टा एवं पवन राम ने किया। हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस सीनियर फुटबॉल लीग का उद्देश्य जिले में फुटबॉल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन किए अर्पित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। 30 जून 'हूल दिवस' के अवसर पर उपायुक्त हेमन्त सती, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त रिया सिंह, नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता, अपर समाहर्ता महेंद्र छोटन उरांव एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय ने पीडब्ल्यूडी चौक पर अवस्थित ऐतिहासिक वीरता और बलिदान के प्रतीक सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन भी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने अपने संदेश में कहा कि सिदो-कान्हू ने 30 जून 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ "हूल विद्रोह" का नेतृत्व कर आदिवासी समाज में जागरूकता और स्वतंत्रता की अलख जगाई। यह आंदोलन अंग्रेजों के दमनकारी नीतियों के विरुद्ध तथा भारत स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम सामाजिक एकता, समरसता और स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखें और सिदो-कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। "हूल दिवस" को गरिमामय रूप से मनाते हुए जनमानस को देश की आजादी में आदिवासी समाज के योगदान से अवगत कराया गया।

एसपी ने किया ईचाक थाना का निरीक्षण, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने मंगलवार को ईचाक थाना का निरीक्षण कर थाना की विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा प्रशासनिक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय ज्ञान रंजन, दारू अंचल के पुलिस निरीक्षक विमल कुमार लकड़ा, थाना प्रभारी गौतम कुमार सहित ईचाक थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना के सभी पंजों का अवलोकन किया तथा लंबित कांडों, वारंट, कुर्की, चरित्र सत्यापन एवं पासपोर्ट सत्यापन मामलों की समीक्षा करते हुए इनके शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने थाना क्षेत्र के सभी फरार अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। एसपी ने अवैध मादक पदार्थ से जुड़े लंबित मामलों में अभियुक्तों की गिरफ्तारी में तेजी लाने तथा नशे के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने का निर्देश भी दिया। इसके अलावा क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आमजन और जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय एवं संवाद बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

दुमका में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे दुमका जिले के टोंगरा थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक युवती के साथ तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। युवती सखुआ पत्ता से बनी थालियां बेचकर घर लौट रही थी। पीड़िता ने तीनों में से दो आरोपियों की पहचान कर ली है, जो पश्चिम बंगाल के राजनगर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। एफआईआर के अनुसार, पीड़िता सोमवार को पश्चिम बंगाल के राजनगर थाना क्षेत्र में सखुआ पत्ता की थालियां बेचने गई थी। शाम को जब वह टोंगरा स्थित अपने घर लौट रही थी, तब झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा के पास पहले से घात लगाए बैठे तीन युवकों ने उसे घेर लिया। आरोपियों ने युवती को सुनसान इलाके में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। देर शाम रोते हुए घर पहुंची युवती ने अपनी मां को पूरी घटना बताई। मां अपनी बेटी को लेकर मंगलवार को टोंगरा थाना पहुंची और प्राथमिकी दर्ज कराई। पीड़िता ने दो आरोपियों की पहचान कर ली है। इन दोनों का नाम पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिला के राजनगर थाना अंतर्गत कुड़ुमटिया गांव के दीपक राणा और सर्वेश्वर सोरेन है। तीसरा आरोपी अभी अज्ञात है। पुलिस ने दो नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ टोंगरा थाना में एफआईआर दर्ज कर ली है।

चिरैयाताड़ में वर्षों से बदहाल पड़ी है नल-जल योजना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के मदनपुर प्रखंड के चिरैयाताड़ में करीब छह वर्षों से अधिक समय से नल-जल योजना बेकार पड़ा है। छह वर्ष पहले 10 लाख रुपये के तहत नल-जल योजना का कार्य किया गया था। नल-जल योजना के तहत पानी टंकी लगाया गया। पाइप बिछाई गई थी परंतु घरों में नल का टोटी नहीं लगाया गया है। बता दें कि राज्य सरकार ने वर्षों पहले गांवों में ग्रामीणों को स्वच्छ जल पहुंचाने को ले विभिन्न वार्डों में नल-जल योजना की शुरुआत की थी। सरकार का निर्णय था कि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मिले। गांवों में नल-जल योजना की शुरुआत तो हुई परंतु देखरेख के अभाव में स्थिति काफी बदहाल हो गई है। ग्रामीणों को नल-जल योजना से पानी नहीं मिल रहा है। गांव में कई जगहों पर पाइप क्षतिग्रस्त हो गए हैं। गांव में पानी की आपूर्ति बंद है। लगभग सभी घरों में कनेक्शन है। ग्रामीण विकास सिह, अजय सिह सहित बताते हैं कि जब नल-जल योजना रहते हमलोग शुद्ध जल से वंचित हैं। पीएचइडी विभाग के अधिकारी का ध्यान इस ओर नहीं जाता है। नल-जल योजना की मरम्मत कराकर चालू कराने की जरूरत है। बताया कि जब गांव में नल-जल योजना की शुरूआत हुई थी तो खुशी हुई थी परंतु अब नल-जल योजना फेल हो गया है। कुछ ग्रामीणों द्वारा योजना के तहत लगे मोटर से खेत का पटवन किया जाता है। विभाग को चाहिए कि इसे दुरुस्त करवाकर ठीक कराए ताकि शुद्ध पानी के लिए ग्रामीणों को भटकना न पड़े। कई बार जलमीनार को चालू करवाने की मांग की गई परंतु योजना को चालू नहीं कराया गया।

हल्की बारिश से भीषण गर्मी से मिली राहत, किसानों के चेहरे खिले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे औरंगाबाद जिले के लोगों को मंगलवार को मौसम ने बड़ी राहत दी। दोपहर बाद अचानक आसमान में घने काले बादल छा गए और हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम सुहावना होने से आमजन के साथ-साथ किसानों के चेहरों पर भी खुशी साफ दिखाई दी। लगातार पड़ रही तेज धूप और उमस के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा था। बारिश के बाद वातावरण में ठंडक घुल गई और मौसम खुशनुमा हो गया। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह बारिश होती रही तो धान सहित अन्य खरीफ फसलों के लिए यह काफी लाभदायक साबित होगी। किसान उदय सिंह और किशोरी सिंह ने बताया कि समय पर हुई बारिश खेतों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इससे फसलों को पर्याप्त नमी मिलेगी, सिंचाई की समस्या काफी हद तक दूर होगी और किसानों का अतिरिक्त खर्च भी बचेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि मानसून की नियमित बारिश से खेती-किसानी को नई गति मिलेगी। हालांकि बारिश के कारण शहर के कुछ निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति भी उत्पन्न हो गई, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने वाहन चालकों से जलभराव वाले मार्गों पर सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से सहायक मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा नीचे उल्लिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं: **ई-निविदा सूचना संख्या: टीआरडी-एडीए-ई-टेंडर-08-2026, दिनांक: 25.06.2026**। **कार्य का विवरण:** कम इम्प्लांट किया हुआ/झुके हुए ओएचई मास्ट की नए मास्ट द्वारा बदली। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 8,41,05,500.73। उपर्युक्त कार्य के लिए ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय है **17.07.2026 को अपराह्न 3.00 बजे** तथा निविदा **17.07.2026 को अपराह्न 3.00 बजे के बाद** खोली जाएगी। उपर्युक्त ई-निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। (PR-397)

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए फूड एवं कैटरिंग सेवा प्रदाताओं से प्रतिस्पर्धी, एकल चरण दो पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के तहत निम्नलिखित 'ए' कैटेगरी स्टेशनों पर 05 वर्ष की अवधि के लिए जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू) के तहत मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉल पर कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। **क्रम सं.1; जीएमयू यूनिट सं.:** एमडीपी-पीएफ-2-01; **निविदा सूचना सं.:** सीएटीजी_जीएमयू-एमडीपी-पीएफ-2-01; **स्थान:** प्रथम श्रेणी वेटिंग रूम (पुरुष) के पास, **क्रम सं.2; जीएमयू यूनिट सं.:** एमडीपी-पीएफ-3-4-01; **निविदा सूचना सं.:** सीएटीजी_जीएमयू-एमडीपी-पीएफ-3-4-01; **स्थान:** फुट ओवरब्रिज के पास ओएचई मास्ट सं. 293/16 के निकट, **क्रम सं.3; जीएमयू यूनिट सं.:** एमडीपी-पीएफ-3-4-02; **निविदा सूचना सं.:** सीएटीजी_जीएमयू-एमडीपी-पीएफ-3-4-02; **स्थान:** ओएचई मास्ट सं. 293/14 के निकट हावड़ा छोर पर; **स्टेशन/कैटेगरी:** मधुपुर, कैटेगरी-ए (क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। **प्रति वर्ष आरक्षित मूल्य:** रु.5,79,728/- (क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। **बयाना राशि:** रु.60,300/-(क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। **निविदा प्रपत्र की लागत:** रु. 3,360/- (क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। **बोली कागजात:** निविदा कागजात आईआरईपीएस पोर्टल **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है और बोली जमा करने के लिए इसे डाउनलोड किया/देखा जा सकता है। एनआईटी में दर्शाए गए निविदा कागजात की लागत बोलीदाता को आईआरईपीएस पोर्टल **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन जमा करनी होगी, अन्यथा प्रस्ताव को तत्काल कर दिया जाएगा। **बयाना राशि:** बोली के साथ एनआईटी में उल्लिखित बयाना राशि संलग्न होनी चाहिए। एनआईटी में दर्शाई गई बयाना राशि बोलीदाता को आईआरईपीएस पोर्टल **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन जमा करनी होगी। **बोलियों को जमा किया जाना:** बोलीदाता को अपनी बोली आईआरईपीएस पोर्टल **www.ireps.gov.in** पर एनआईटी में उल्लिखित तिथि को 15.00 बजे तक ऑनलाइन जमा करनी होगी। बोलियाँ उसी दिन आईआरईपीएस पोर्टल **www.ireps.gov.in** पर 15.30 बजे खोली जाएंगी। रेलवे के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। पात्रता मानदंड को पूरा करने वाली बोलियों का मूल्यांकन इस स्टैंडर्ड बिड डॉक्यूमेंट (एसबीडी) में दिए गए मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर किया जाएगा। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। **पत्राचार के लिए पता:** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, पूर्व रेलवे, आसनसोल-713301, जिला:-पश्चिम बर्द्धमान (पश्चिम बंगाल), ई-मेल: sdcmerasn@gmail.com

ASN-157/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा**। **क्रम सं.1, ई-निविदा सं.: 152_2026-27, कार्य का विवरण** : वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा के अधीन बैण्डेल-कटवा बीबी लूप (किमी-2/00-46/00) के बीच एईएन/ नबद्वीपधाम के तहत एसएसई/पी.वे/त्रिबेणी के अधीन पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,96,99,859.02, **बयाना राशि :** रु.3,94,000/-, **क्रम सं.2, ई-निविदा सं. : 153_2026-27, कार्य का विवरण:** एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन एसएसई(पी.वे)/नबद्वीपधाम के खंड किमी. 46/00 से 89/455 पर पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु. 2,00,26,322.90, **बयाना राशि :** रु.4,00,500/-, **क्रम सं.3, ई-निविदा सं.: 154_2026-27, कार्य का विवरण** : एईएन/कटवा के अधीन एसएसई(पी.वे)/कटवा (एमएल) के खंड किमी. 89/455 से 131/00 पर पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,70,56,590.78, **बयाना राशि :** रु.3,41,100/-, **क्रम सं.4, ई-निविदा सं. : 155_2026-27, कार्य का विवरण** : एईएन/कटवा के अधीन एसएसई/पी.वे/कटवा (बीएल) के अंतर्गत बलगोना-कटवा (किमी:26/0-52/0) के खंड में पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु. 1,07,12,059.19, **बयाना राशि:** रु.2,14,300/-, **क्रम सं.5, ई-निविदा सं.: 156_2026-27, कार्य का विवरण:** एईएन/कटवा के अधीन एसएसई/पी.वे/कटवा (बीएल) के अंतर्गत अहमदपुर-कटवा (किमी:0/0-49/670) के खंड में पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु. 1,00,35,477.01, **बयाना राशि:** रु.2,00,700/-, **क्रम सं.6, ई-निविदा सं.: 157_2026-27, कार्य का विवरण:** एईएन/आजिमगंज के अधीन एसएसई/पी.वे/बाजारसौ के खंड में किमी. 131/000 से 175/000 पर पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,85,63,010.21, **बयाना राशि:** रु.3,71,300/-, **क्रम सं.7, ई-निविदा सं.: 158_2026-27, कार्य का विवरण:** एईएन/आजिमगंज के अधीन एसएसई (पी.वे)/आजिमगंज के खंड में किमी.175/000 से 181/000 (कटवा-आजिमगंज-न्यू फरक्का), 02/230 से 43/740 (आजिमगंज-नलहाटी) में पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु. 1,58,59,782.63, **बयाना राशि:** रु.3,17,200/-, **समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह (क्रम सं. 1 से 7 प्रत्येक के लिए)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 17.07.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान ई-निविदा प्रणाली के मामले में, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-178/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

टूटे नाले के ढक्कन बने हादसों का कारण, नागरिकों ने की मरम्मत की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। शहर के विभिन्न मोहल्लों में टूटे और खुले नाले आम लोगों के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। ओवरब्रिज के समीप महाराजगंज रोड से मनोकामना मंदिर होते हुए नागा बिगहा जाने वाले मार्ग पर कई स्थानों पर नालों के ढक्कन टूट चुके हैं या पूरी तरह गायब हैं। इससे राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को रोजाना जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन के समय तो लोग किसी तरह सावधानी बरतकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। बारिश के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। नालों का गंदा पानी सड़क पर फैल जाने से यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां है और नाला कहां, जिससे हादसों का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय निवासी सचिन कुमार ने बताया कि नालों की यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अब तक मरम्मत नहीं कराई गई है। उन्होंने बताया कि कई लोग फिसलकर घायल हो चुके हैं, जबकि वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने के कारण पीछे से टक्कर होने का भी खतरा बना रहता है। नागरिकों का कहना है कि खुले नाले केवल दुर्घटनाओं को ही आमंत्रित नहीं दे रहे, बल्कि उनमें जमा गंदगी और दुर्गंध से आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से संक्रामक बीमारियों की आशंका भी बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद एवं संबंधित विभाग से अविलंब टूटे नालों की मरम्मत कर नए ढक्कन लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि तत्काल मरम्मत संभव नहीं हो तो दुर्घटनाओं से बचाव के लिए बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेत अवश्य लगाए जाएं।

श्री लक्ष्मी नारायण एवं शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा को ले जलभरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। ओबरा मुख्यालय के दुर्गा चौक बाजार के समीप स्व. मोतीलाल जायसवाल की ठाकुरबाड़ी के जीणोद्धार के मौके पर श्री लक्ष्मी नारायण एवं शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन की जा रही है जिसे लेकर भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी जी की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जलभरी यात्रा निकाली गई। गाजे बाजे घोड़े हाथी के साथ मंदिर परिसर से श्रद्धालुओं ने कलश लेकर दुमुहान स्थल से जलभरी कर अपने गंतव्य स्थानों को रवाना हुआ। प्राण प्रतिष्ठा को ले श्रद्धालुओं मे काफी उत्साह दिखा। महिला पुरुषों ने गेरुवा वस्त्र पहने माथे पर कलश लिए प्राण प्रतिष्ठा स्थल पर पहुंचकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। माहौल भक्तिमय हो गया। देवी मंदिर तक शोभा यात्रा निकाली गई और पूजा अर्चना किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करेंगे।

महिलाओं भी जलभरी यात्रा मे भगवान शंकर पार्वती विष्णु भगवान की गीत संगीत भक्तिमय माहौल बना दिया। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक अनिल जायसवाल, सुनील जायसवाल, पप्पू जायसवाल, मुकेश जायसवाल, पिंटू जायसवाल, चंद्र जायसवाल, श्रवण दुबे, पूर्व भाजपा के मंडल अध्यक्ष पप्पू अग्रवाल, सुबोध अग्रवाल, पूर्व मुखिया शंभू प्रसाद, विनय जायसवाल, कृष्णा भगत, अरुण अग्रवाल, नंदू स्वर्णकार, रामस्वरूप जायसवाल, अतुल जायसवाल, जितेंद्र जायसवाल, विजय जायसवाल, अशोक प्रसाद अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं. : सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/22, दिनांक 26.06.2026 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल के तहत रिटायरिंग रूम और डॉर्मिटरी तथा रिटेल स्टोर के लिए अनुबंध प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है।

कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-22

क्रम सं.: एए/1, लॉट सं.: पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-डब्ल्यूआरएल-79-26-1 (पे एंड यूज-लाउंज/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लोक रूम्स), **विवरण:** पांच (05) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत ''बजट होटल और डॉर्मिटरी'' के रूप में हावड़ा और बेलुड़ स्टेशनों के रिटायरिंग रूम एवं डॉर्मिटरी के नवीनीकरण, संचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं.:एए/2, लॉट सं.: पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-डब्ल्यूआरएल-81-26-1** (पे एंड यूज-लाउंज/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लोक रूम्स), **विवरण:** पांच (05) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत ''बजट होटल और डॉर्मिटरी'' के रूप में बर्द्धमान, बोलपुर और रामपुरहाट स्टेशनों के रिटायरिंग रूम एवं डॉर्मिटरी के नवीनीकरण, संचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं.: बीए/1, लॉट सं.: एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-एसटीजीईएन-81-26-1** (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), **विवरण:** दस (10) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत हावड़ा स्टेशन (न्यू कॉम्प्लेक्स/साउथ कॉनकोर्स) में रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय :** दिनांक 13.07.2026 को 14.00 बजे।

HWH-179/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

एडमिन यूनिट/जोन: सियालदह मंडल-वाणिज्यिक, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700 014, **ऑक्शन कैटलॉग सं.:** एमपीएस-जुलाई-02, **नीलामी करने वाले अधिकारी:** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सियालदह। **बोली प्रणाली:** सामान्य नीलामी (एकल चरण)। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 13.07.2026 को 13.00 बजे। **नीलामी की अंतिम तिथि/समय:** 13.07.2026 को 15.50 बजे। **ऑटो एक्सटेंशन जोन:** 120 सेकंड। **ऑटो एक्सटेंशन अवधि:** 120 सेकंड। **प्रारंभिक कूलिंग ऑफ अवधि:** 30 मिनट। **लगातार लॉट का समापन अंतराल:** 10 मिनट। **अधिकतम ऑटो एक्सटेंशन :** 10 बार। **कैटलॉग प्रकाशित किया गया:** 26.06.2026 को 13.58 बजे। **निर्णय का माध्यम :** ऑटो, **आरपी की प्रदर्शनी की गई**-नहीं। **आरपी से कम परमिट बिड** -हाँ। **क्या राइट ऑफ फर्स्ट रिफ्यूजल (आरओएफआर) लागू है ?**:नहीं। **कैटेगरी:** एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल (क्रम सं. एए/1 से एए/15 के लिए)। **क्रम सं., लॉट सं., विवरण, लॉट की अंतिम तिथि/समय** निम्नानुसार हैं: **एए/1,** एमपीएस-एसडीएएच-जीबीजी-एमपीएस-37-26-1, गोबरडांगा रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 13.30 बजे। **एए/2,** एमपीएस-एसडीएएच-बीएसएचटी-एमपीएस-36-26-1, बसीरहाट रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 13.40 बजे। **एए/3,** एमपीएस-एसडीएएच-बीआईआरए-एमपीएस-43-26-1, बीरा रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 02 पर प्लेटफॉर्म शेड के नीचे (सियालदह छोर पर) 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 13.50 बजे। **एए/4,** एमपीएस-एसडीएएच-डीएचयू-एमपीएस-48-26-1, धुबुलिया स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 02 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट x 06 फीट x 09 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 14.00 बजे। **एए/5,** एमपीएस-एसडीएएच-एमजीटी-एमपीएस-41-26-1, मगरा हाट रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर बुकिंग कार्यालय के पास 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 14.10 बजे। **एए/6,** एमपीएस-एसडीएएच-डीडीसी-एमपीएस-40-26-1, दमदम कैंटोनमेंट रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर ओएसओपी के पास 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 14.20 बजे। **एए/7,** एमपीएस-एसडीएएच-बीआरपीके-एमपीएस-42-26-1, बिशरपाड़ा -कोदालिया रेलवे स्टेशन में सियालदह छोर के प्लेटफॉर्म शेड के पास स्थित प्लेटफॉर्म नं. 02 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन, 13.07.2026 को 14.30 बजे। **एए/8,** एमपीएस-एसडीएएच-एनएसीसी-एमपीएस-45-26-1, न्यू अलीपुर (कलकत्ता) रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 14.40 बजे। **एए/9,** एमपीएस-एसडीएएच-डीएचयू-एमपीएस-46-26-1, धुबुलिया स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट x 06 फीट x 09 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 14.50 बजे। **एए/10,** एमपीएस-एसडीएएच-पीएलवाई-एमपीएस-49-26-1, पलासी रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट x 06 फीट x 09 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 15.00 बजे। **एए/11,** एमपीएस-एसडीएएच-बीटी-एमपीएस-34-26-1, बारासात रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर (फुट ओवरब्रिज एस्केलेटर) के नीचे सीआईटी/टीआई (एम) कार्यालय के सामने 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 15.10 बजे। **एए/12,** एमपीएस-एसडीएएच-जीयूएमए-एमपीएस-44-26-1, गुमा रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर बुकिंग कार्यालय और प्लेटफॉर्म शेड के बीच 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 15.20 बजे। **एए/13,** एमपीएस-एसडीएएच-केएनजे-एमपीएस-39-26-1, कृष्णनगर सिटी जंक्शन रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 15.30 बजे। **एए/14,** एमपीएस-एसडीएएच-एचएलआर-एमपीएस-38-26-1, हालिशहर रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 02 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 15.40 बजे। **एए/15,** एमपीएस-एसडीएएच-बीटी-एमपीएस-35-26-1, बारासात रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 04 एवं 05 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 13.07.2026 को 15.50 बजे। **रेट यूनिट:** वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (प्रत्येक हेतु)। **ट्रिप/दिन:** 1826 (प्रत्येक हेतु)। **न्यूनतम वृद्धि (%):** 0.2 (प्रत्येक हेतु)। **लॉट की स्थिति** : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (प्रत्येक हेतु)।

SDAH-103/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मध्याह्न भोजन खाने से 25 बच्चे बीमार

गुस्साये अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर काटा बवाल ☐ प्रशासन ने संभाली कमान, सभी बच्चे खतरे से बाहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खगड़िया। पकरैल पंचायत के प्राथमिक विद्यालय सुखदेव सुमन साह लेबा में मंगलवार को मध्याह्न भोजन खाते ही 25 छात्र-छात्राएं बीमार पड़ गए। सड़ा चावल और कीड़े युक्त सोयाबीन परोसने का आरोप लगते ही स्कूल में हंगामा खड़ा हो गया। गुस्साए अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर जमकर बवाल काटा और बीमार बच्चों को आनन-फानन में अनुमंडलीय अस्पताल गोगरी पहुंचाया।

'कीड़े' वाला खाना खाने से 25 बच्चे बीमार, स्कूल में कटा बवालल्य में कुल 140 बच्चे नामांकित हैं, जबकि मंगलवार को करीब 75 बच्चे उपस्थित थे। दोपहर में एमडीएम परोसा गया तो थाली में घटिया चावल और पुराना, पिल्लू लगा सोयाबीन देखकर बच्चे सहम गए। कुछ बच्चे खाने से परहेज कर रहे थे, फिर भी कुछ बच्चों ने खाना शुरू किया तो कुछ ही मिनटों में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। बच्चों को चक्कर आने लगे, उल्टी होने लगी और कई बच्चे बेहोश होने लगे। यह देख स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। सूचना आग की तरह फैली तो सैकड़ों की संख्या में अभिभावक स्कूल पहुंच गए। लोगों ने स्कूल में हंगामा शुरू कर दिया। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल में न तो पढ़ाई ठीक से होती है और न ही एमडीएम की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाता है। शिकायत करने पर उल्टा डांटकर भगा दिया जाता है। आज उसी लापरवाही का नतीजा है कि 25 बच्चे अस्पताल में हैं।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। गोगरी एसडीओ संजय कुमार, बीडीओ रघुनंदन आनंद आनंद अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्र प्रकाश, साइबर

डीएसपी निशांत गौरव, गोगरी के प्रभारी डीएसपी, महेशखूंट थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार, गोगरी एमडीएम प्रभारी कुंदन कुमार, जिला एमडीएम प्रभारी व शिक्षा विभाग के कई अधिकारी मौके पर पहुंचे।

जांच के दौरान सबसे चौंकाने वाली बात सामने आई। आरोप है कि घटना के तुरंत बाद प्रधानाध्यापिका रिजवाना यासमीन ने आनन-फानन में बचा हुआ भोजन दूर फिंकवा दिया। सभी थालियों को धुलवाकर जूठन तक साफ करा दिया, ताकि कोई सबूत न बचे। अधिकारियों ने इस पर प्रधानाध्यापिका को कड़ी फटकार लगाई। एसडीओ ने सवाल उठाया कि आखिर आपने सबूत क्यों मिटाए?

अनुमंडलीय अस्पताल गोगरी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्र प्रकाश ने बताया कि सूचना मिलते ही मेडिकल टीम के साथ लेबा गए थे। कुल 25 बच्चे बीमार मिले जिन्हें अस्पताल लाया गया। सभी बच्चों का इलाज चल रहा है और फिलहाल सभी खतरे से बाहर हैं। मंगलवार को अधिकतम तापमान भी 30 डिग्री से कम था, ऐसे में भोजन जल्दी खराब होने का सवाल ही नहीं उठता।

पदाधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों को किसी तरह समझा-बुझाकर शांत कराया। अधिकारियों की टीम ने स्कूल के रसोई घर, भंडारण और उपस्थिति पंजी की जांच की। जांच के बाद नाराज होकर पदाधिकारी लौट गए।

अब ग्रामीणों को इंतजार है कि बच्चों की जान से खिलवाड़ करने वाले प्रधानाध्यापक और दोषी शिक्षकों पर क्या कार्रवाई होती है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन को बाध्य होंगे।

29 को मिला नियुक्ति पत्र 30 को हुए सेवानिवृत

गुरूजी का सपना रह गया अधूरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा जिले के करमाटांड़ प्रखंड अंतर्गत तेतुलबांधा गांव निवासी सहायक शिक्षक नंदलाल रवानी के साथ एक ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है, जिसने नियुक्ति प्रक्रिया की समयबद्धता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उन्हें 29 जून को मुख्यमंत्री के हाथों सहायक शिक्षक का नियुक्ति पत्र मिला, लेकिन इसके अगले ही दिन 30 जून को वह सेवानिवृत्त (रिटायर) भी हो गए। ऐसे में उनकी नई नियुक्ति महज एक औपचारिकता बनकर रह गई।

नियुक्ति पत्र मिलने के बाद भावुक नंदलाल रवानी ने कहा कि वर्षों की मेहनत और संघर्ष के बाद उन्हें शिक्षक बनने का अवसर तो मिला, लेकिन उसका लाभ उठाने का मौका नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि अब यह नियुक्ति पत्र केवल उनकी फाइलों में सिमटकर रह जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सेवा देने का अवसर ही नहीं मिला तो इस नियुक्ति का क्या औचित्य है।

नंदलाल रवानी ने बताया कि 26 जून 2006 को वे उत्क्रमित मध्य विद्यालय तेतुलबंधा में पारा शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए थे। शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की इच्छा के साथ उन्होंने लगातार प्रयास जारी रखा और वर्ष 2013 व 2016 में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) उत्तीर्ण की।

इसके बाद वर्ष 2023 में सहायक शिक्षक नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकला। उन्होंने आवेदन किया और 23 जून 2025 को उनकी काउंसलिंग भी पूरी हो गई।

इसके बावजूद नियुक्ति पत्र मिलने में लगभग एक वर्ष का समय लग गया। आखिरकार 29 जून 2026 को उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा गया, लेकिन 30 जून को उनकी सेवानिवृत्ति हो गई।

उन्होंने कहा कि यदि नियुक्ति प्रक्रिया समय पर पूरी कर ली जाती तो उन्हें नए पद पर कुछ वर्षों तक सेवा देने का अवसर मिलता। वे बच्चों को बेहतर शिक्षा देने और अपने अनुभव का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने का सपना देखते थे, लेकिन वह सपना अधूरा रह गया।

नंदलाल रवानी ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि चूंकि नियुक्ति में हुई देरी के कारण उन्हें सेवा का अवसर नहीं मिला, इसलिए नियमानुसार उन्हें आर्थिक सहायता अथवा अन्य उपयुक्त लाभ दिया जाए, ताकि भविष्य में उनके जीवन-यापन में सहूलियत मिल सके।

शादी समारोह बना रणक्षेत्र

चले लाठी-डंडे, भागी महिलाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सकरा। बरियारपुर थाना क्षेत्र की बाजी बुजुर्ग पंचायत में रविवार की रात आई बरात में डीजे पर गाना बजाने के विवाद में शादी समारोह स्थल रणक्षेत्र बन गया।

बराती पक्ष और स्थानीय युवकों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इस दौरान की गई तोड़फोड़ में तीन बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि झड़प में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

बताया जाता है कि रविवार की रात बाजी बुजुर्ग पंचायत निवासी पवन मुखिया की पुत्री की शादी थी। इसमें बेगुसराय से बरात आई थी। देर रात डीजे पर गाना बजाने के सवाल पर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

बराती पक्ष और स्थानीय युवकों के गुट ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। मंच पर उस समय जयमाला का कार्यक्रम हो रहा था। अचानक लाठी-डंडे से हमले के कारण अफरातफरी मच गई। महिलाएं घर की ओर भागने लगीं। हमले के दौरान तीन बाइकों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान बहुत देर तक शादी की रस्में बंद हो गईं।

स्थानीय प्रबुद्ध लोगों के प्रयास के बाद दूल्हा पक्ष को मनाया गया, इसके उपरांत पाणिग्रहण संस्कार पूर्ण कराया गया।

मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बरियारपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि शादी समारोह में डीजे पर गाना बजाने के विवाद में मारपीट की सूचना मिली थी।

पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर दिया। अब तक किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत नहीं दी गई है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक का अपहरण, मुक्त

पटना। चार साल पहले सूद पर लिए गए 13 लाख रुपये के विवाद ने चार अपराधियों ने एक शिक्षक का अपहरण कर लिया और रिहाई के एवज में सूद समेत 20 लाख रुपये की मांग करने का मामला सामने आया है। हालांकि, शास्त्रीनगर थाने की पुलिस और डीआइयू की टीम ने महज चार घंटे के भीतर अपहृत शिक्षक को कैमूर के कुदरा से सकुशल बरामद कर लिया है।

मौके से चारों अपहरणकर्ताओं को भी दबोच लिया गया है। सचिवालय एसडीपीओ-2 साकेत कुमार ने मामले का पदाफाश करते हुए बताया कि मुख्य आरोपित सोनू कुमार ने करीब चार साल पहले शिक्षक उपेंद्र कुमार सिंह को 13 लाख रुपये सूद (ब्याज) पर दिए थे। काफी समय से सोनू पैसे वापस मांग रहा था, लेकिन उपेंद्र रकम नहीं लौटा रहे थे।

इसी विवाद के चलते सोनू ने अपने साथियों के साथ मिलकर उपेंद्र के अपहरण की साजिश रची। 28 जून की रात अपराधियों ने आरा से उपेंद्र का अपहरण किया और कार से उन्हें कैमूर के कुदरा ले गए।

पटना से घर लौट रहे युवक को बदमाशों ने की मारपीट, लूटपाट, दो धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा(नालंदा)। नगरनौसा पीएचसी के पास बदमाशों ने पटना से घर लौट रहे दो युवक को मारपीट कर लूटपाट के घटना को अंजाम दिया इस मामले में पीड़ित ने नगरनौसा थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना के अंदर घटना का उद्भेदन करते हुए लूटे गए मोबाइल एवं रुपया के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुअनि शशिरंजन कुमार मिश्रा ने बताया कि नगरनौसा पंजाब नेशनल बैंक के पास अपराधकर्मियों के द्वारा सदु बिगहा गांव निवासी विकास कुमार अपने मित्र के साथ पटना से घर लौट रहे थे। इसी क्रम में अपराधकर्मियों ने दोनों को मारपीट कर मोबाइल एवं नगद की लूट लिया। उक्त घटित घटना के संदर्भ में पीड़ित विकास कुमार पिता सुभाष पासवान के आवेदन के आधार पर नगरनौसा थाना कांड सं० - 153 / 26 प्राथमिकी दर्ज कर उक्त घटना एवं कांड के सफल उद्भेदन हेतु पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार थानाध्यक्ष, नगरनौसा के नेतृत्व में टीम का गठन कर कांड का अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनुसंधान के क्रम में तकनिकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर इस घटना में संलिप्त अपराधकर्मी नगरनौसा गांव निवासी रघुनाथ प्रसाद उर्फ सुखाड़ी यादव के 21 वर्षीय पुत्र रवि कुमार एवं नगरनौसा के पेठियापर मोहल्ला निवासी राकेश

पांडेय के 29 वर्षीय पुत्र सूरज उर्फ बाबा को पुलिस द्वारा अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया गया। पूछताछ के क्रम में दोनों अपराधकर्मी द्वारा अपने अपराध स्वीकारोक्ति में अपने अपराधी साथी नगरनौसा के ढ़िबरापर मुशहरी निवासी रंजीत यादव के पुत्र बॉबी यादव के साथ इस घटना को कारित करने की बात स्वीकार किया गया। पुलिस ने लूटे गये दोनों मोबाइल एवं लूटे गये नगद में से 1700 रुपया की बरामदगी की है।

गिरफ्तार अपराधकर्मी से की गयी है हवि कुमार के खिलाफ नगरनौसा में दो और अपराधी मामल दर्ज है टीम में चंडी सर्किल इंसपेक्टर चंदन कुमार, थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार मिश्रा, पुअनि राजेश यादव, सअनि रमेश कुमार, सअनि शंकर राम, सिपाही अनिकेत कुमार, नीरज पासवान शामिल थे।

राजमिस्त्री को बंधक बनाकर दी यातनाएं

उखाड़े नाखून, गर्म लोहे से शरीर को दागा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। नया भोजपुर थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ हुई बर्बरता की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। स्थानीय निवासी व पेशे से राजमिस्त्री नौशाद कुरैशी ने आरोप लगाया है कि मजदूरी कर घर लौटने के दौरान कुछ लोगों ने पांच हजार रुपये लूटने की नीयत से उसे पकड़ लिया। इसके बाद उसे बंधक बनाकर अमानवीय तरीके से प्रताड़ित किया गया। उसके दाहिने पैर का एक नाखून उखाड़ दिया और खुरपी गर्म कर दागा गया।

पीड़ित के अनुसार रविवार की शाम उसे मेहनताना के रूप में पांच हजार रुपये मिले थे। रास्ते में गांव के ही दो नामजद युवकों समेत तीन-चार अज्ञात ने उसे जबरन एक स्थान पर ले जाकर बेरहमी से मारपीट की।

आरोप है कि हमलावरों ने उसके नाखून उखाड़ दिए और खुरपी को गर्म कर शरीर के कई हिस्सों पर दाग दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। किसी तरह घर पहुंचने के बाद नौशाद डर और सदमे के कारण पूरी रात चुप रहा।

सोमवार को असहनीय दर्द होने पर उसने स्वजन को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित के आवेदन पर नया भोजपुर थाने में दो नामजद तथा कुछ अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया है।

इधर, इलाके में चर्चा है कि पीड़ित अपने आवेदन में कुछ महत्वपूर्ण बात छिपा रहा है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की बारीकी से जांच-पड़ताल कर रही है। सभी बिंदुओं पर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चीनी मिल की आड़ में माफिया ने बेच दी गैर मजरूआ जमीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। मोतिहारी स्थित हनुमान सुगर मिल की जमीन को सिलिंग से मुक्त करते हुए उसकी खरीद-बिक्री के लिए रोक सूची से हटाने के दौरान जिला स्तर के हाकिमों ने शहर से सटे इलाके में स्थित सदर अंचल के बैरिया मौजा स्थित खाता-109 (गैर-मजरुआ) जमीन को भी बेचने की इजाजत दे दी। यानी उसे भी रोक सूची से हटा दिया गया।

इस सिलसिले में अपर समाहर्ता की अध्यक्षता वाली कमेटी ने रोक सूची से कई खाता को मुक्त करने के लिए प्राप्त प्रस्ताव व न्यायिक आदेश पर फैसला लिया। इसी सूची में खाता 109 के चार खेसरा क्रमशः 523, 38, 47 व 40 को रोक सूची से मुक्त करते हुए जिला निबंधन कार्यालय को पत्र भेज दिया गया।

पत्र 12 दिसंबर 2025 को भेजा गया तब से जमीन की खरीद बिक्री हो रही थी। परिमार्जन भी हुआ। दावा यह भी है कि रोक सूची से जमीन को हटाने के लिए अंचल कार्यालय से रिपोर्ट भी नहीं ली गई थी। इस बीच पूर्वी चंपारण के नए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव को जब मामले की जानकारी लगी तो उन्होंने परिमार्जन करने वाले सदर अंचल के कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इन सबके बीच सवाल यह खड़ा हो गया है कि जब एडीएम की अध्यक्षता वाली कमेटी ने सबकुछ साफ कर दिया तो फिर कर्मचारी की क्या बिसात की वो हाकिमों के फैसलों पर कोई बात करे।

इस तरह से देखते-देखते करीब सौ कट्ठे से अधिक गैर-मजरुआ जमीन बिक गई। हालांकि, अभी इसपर जांच होनी है। बताते हैं कि कर्मचारी के स्तर पर कुछ मामलों में अड़चन यह कहकर पैदा किया गया कि 109 खाता की जमीन गैर-मजरुआ है। इन सबके बीच वरीय अधिकारियों के फैसले वाली चिट्ठी दौड़ती रही और माफिया अपना काम करते चले गए।

सूत्र बताते हैं, दरअसल उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में हनुमान सुगर मिल की जमीन को सिलिंग से हटाने का आदेश 16 मई 2025 को जारी किया गया। आदेश सीडब्ल्यू जेसी नंबर 13711/2024 हर्षवर्धन बहेती बनाम बिहार राज्य में जारी किया गया था।

इसी आदेश के आलोक में कमेटी जब रोक सूची पर पुनर्विचार करने बैठी तो खाता 109 भी चीनी मिल की जमीन के संबंधित खातों के बीच में घुसाकर मुक्त कर दिया गया। फिर देखते-देखते गैर-मजरुआ जमीन भी बिक गई। अब नए जिलाधिकारी ने पहली कार्रवाई की है। इसके बाद इस खेल में शामिल सभी लोगों के बीच हड़कंप मचा है।

अन्न-वस्त्र, छात्रवृत्ति वितरण एवं वृक्षारोपण कर मनायी गयी श्रद्धांजलि सभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। वरिष्ठ रंगकर्मी, अधिवक्ता एवं समाजसेवी तथा कोटवां ग्राम निवासी स्वर्गीय विपिन बिहारी श्रीवास्तव की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा, सेवा और सामाजिक सरोकार के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए समाज के प्रति उनके योगदान को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान स्व. श्रीवास्तव की स्मृति में राजकीय मध्य विद्यालय, कोटवां के पाँच मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को 25,000 की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। परिजनों ने कहा कि शिक्षा का प्रसार स्व. विपिन बिहारी श्रीवास्तव की प्राथमिकताओं में शामिल था और उनकी स्मृति में यह पहल आगे भी जारी रहेगी। इसके साथ ही जरूरतमंद लोगों के बीच अन्न एवं वस्त्र का वितरण किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कार्यक्रम में वृक्षारोपण भी किया गया। परिजनों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्व. विपिन बिहारी श्रीवास्तव को एक संवेदनशील समाजसेवी, प्रतिबद्ध अधिवक्ता और समर्पित रंगकर्मी के रूप में याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज सेवा, शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित यह सेवा-समर्पण का कार्यक्रम उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने की एक सार्थक पहल के रूप में सराहा गया।

कार्यक्रम में उनके अनुज सेवानिवृत्त अपर सचिव आनन्द बिहारी प्रसाद, भावज अभिलाषा ज्योति फाउंडेशन की अध्यक्ष ज्योति श्रीवास्तव, रंगकर्मी पुत्र पुत्रवधु डॉ0 अमित रंजन एवं कंचन बाला, अंचल अप्रतिम एवं विभावरी, प्रशांत चेतन एवं प्रेम लता, क्षितिज समीर एवं सुमन श्रीवास्तव, श्वेता कुमारी, पौत्र कौस्तुभ निहाल, स्नेह आशीष, अंशुमन समीर, पौत्री रिया, आस्था, आराध्या, वीरेन्द्र प्रसाद, किशोर प्रसाद, अनिल श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, नरेन्द्र प्रसाद, भतीजा अंकित, समीर श्रीवास्तव, दीपू श्रीवास्तव, अमित कुमार सिंह, भगीनी कवयित्री डॉ0 नीलम श्रीवास्तव, गोल्डी श्रीवास्तव, कोटवां मध्य विद्यालय के छात्र छात्रा, शिक्षक, ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

गौरतलब हो कि इनके जन्मदिन 9 जून को छपरा के भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह में न सिर्फ विपिन बिहारी श्रीवास्तव बल्कि सारण प्रमंडल के 79 रंग पुरोधाओं को रंग श्रद्धांजलि दी गई बल्कि दो नाटकों रश्मिरथी और भीष्म एक योद्धा और नृत्य की प्रस्तुतियां दी गईं।

श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी उजागर कराओ संघर्ष समिति ने चलाया अभियान

चोरी में शामिल लोगों को किया जायेगा बेनकाब : विजय कुमार मिट्ठू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। सनातनियों के आस्था, विश्वास का केंद्र अयोध्या के श्रीराम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के जिम्मेदार मंदिर के प्राण- प्रतिष्ठा करने वाले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय एवं ट्रस्टी अनिल मिश्रा का पुतला दहन स्थानीय चांदचौरा- विष्णुपद तीन मुहानी के पास कांग्रेस पार्टी एवं श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी उजागर कराओ संघर्ष समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी उजागर कराओ संघर्ष समिति के संयोजक प्रो विजय कुमार मिट्ठू ने कहा कि कार्यक्रम की अध्यक्षता गया जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रजनीश कुमार झुन्ना ने किया। कार्यक्रम में शामिल विजय कुमार मिट्ठू, स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि शशि किशोर शिशु, पूर्व जिला पार्षद सुमंत्र कुमार, जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, युगल किशोर सिंह, दामोदर गोस्वामी, विद्या शर्मा, प्रदीप शर्मा, विपिन बिहारी सिन्हा, शिव कुमार चौरसिया, राज कपूर गुप्ता, कौशल चंद्रवंशी ,ओंकार शक्ति, अशोक कुमार

भारती, टिंकू गिरी, अर्जुन प्रसाद, शिव नाथ प्रसाद, चंदन कुशवाहा,सुनील कुमार सिन्हा, राजू चंद्रवंशी, परशुराम सिंह, पुरुषोत्तम पांडा, शामुलाल बिठल आदि ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के लिए एक ट्रस्ट का गठन किया जिसमें प्रधानमंत्री ने अपने पसंदीदा लोगों को शामिल किया। इसके निर्माण शुरू होते ही भ्रष्टाचार की बातें सामने आने लगी थी। सबसे पहले भूमि खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, सरकार ने जांच कराने की बात कही, लेकिन उस जांच का नतीजा आजतक सामने नहीं आया, फिर मंदिर निर्माण में भ्रष्टाचार की बातें सामने आई और अब चढ़ावे की चोरी की बातें सामने आयी है।

नेताओं ने कहा कि श्रीराम मंदिर चढ़ावे चोरी की बातें सामने आने पर नई-नई परतें खुलती गई, ट्रस्ट के ही एक वरिष्ठ सदस्य ने इसे भ्रष्टाचार नहीं डाका बताया जो हजारों करोड़ नगद सहित सोने, चांदी, हीरे, जवाहरात का है। नेताओं ने कहा कि श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए करोड़ों भारतीयों ने श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिये थे, ट्रस्ट के लोगों ने इनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया और जम कर लूटपाट की।

नेताओं ने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय जांच पड़ताल के लिए ऐजेंसियों को नियुक्त किया गया था,जो कई सुझाव दिए, लेकिन ट्रस्ट के लोगों ने उन सुझावों को नजरअंदाज कर दिया। जांच में सिर्फ छोटे कर्मचारियों का ही नाम शामिल हैं।

नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एवं श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी उजागर कराओ संघर्ष समिति इस मुद्दे को घर -घर, जन- जन में पहुंचा कर लोगों को अयोध्या में जुटाने का काम करेंगी और घटना में शामिल लोगों को बेनकाब करेंगी।

मेहरबान हुए इंद्रदेव

भभुआ। कैमूर जिले पर अब तक रूठे इंद्रदेव मंगलवार को मेहरबान हुए। दोपहर बाद लगभग तीन बजे आसमान में छाए काले बादलों को देख वर्षा होने का अनुमान हुआ। लगभग दस मिनट के अंदर तेज गरज व चमक के साथ मूसलाधार वर्षा शुरू हो गई। जो लगभग 45 मिनट तक जमकर हुई। लगातार हुई वर्षा व तेज गरज व चमक से लोग जहां-तहां छिप गए। वर्षा के चलते लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। लेकिन वर्षा खत्म होने के बाद लोगों को भभुआ नगर में जलजमाव से परेशानी हुई। भभुआ नगर में लगभग सभी मुख्य सड़कों पर जलजमाव से लोगों को आने-जाने में परेशानी हुई। कई जगहों पर फुटपाथ भी जलमग्न दिखे। इसके चलते फुटपाथ पर लगी दुकानें तक पहुंचने के लिए लोगों को जलजमाव पार करना पड़ा। भभुआ नगर के सब्जी मंडी रोड, सदर अस्पताल परिसर, एकता चौक के पास सहित कई अन्य जगहों पर भी जलजमाव देखने को मिला। मूसलाधार वर्षा ने नगर परिषद द्वारा की गई जलनिकासी व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न खड़ा कर दिया। हर साल नाला की सफाई व नए नाला का निर्माण व पुराने नाला व नालियों की मरम्मत के बाद भी जलजमाव की समस्या से छुटकारा नहीं मिल रहा है।

झारखण्ड की युवती का आहर से शव बरामद

एफएसएल ने जुटाए साक्ष्य, मोबाइल की हो रही जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव स्थित खेत के आहर से बरामद अज्ञात युवती के शव की पहचान झारखंड के गोड्डा जिले की 19 वर्षीय अंजू कुमारी के रूप में हुई है। पहचान होने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया।

मृतका के पिता ने प्रेम-प्रसंग में आरा बुलाकर गला काटकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए आरा निवासी सीटू यादव के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस आरोपित की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार सोमवार को पड़रिया गांव के खेत में स्थित आहर से युवती का सड़ा-गला शव बरामद हुआ था। शव की स्थिति खराब होने के कारण उसे पोस्टमार्टम के लिए पटना भेजा गया।

मृतका के पिता गुलाबी मंडल ने बताया कि अंजू 26 जून की सुबह घर से निकली थी और वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद हनवारा थाने में गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

परिजनों के अनुसार करीब दो महीने पहले इंस्टाग्राम के जरिए अंजू की पहचान आरा निवासी सीटू यादव से हुई थी। दोनों के बीच लगातार बातचीत होने लगी थी।

आरोप है कि युवक के बुलावे पर अंजू आरा पहुंची, जहां उसकी गला काटकर हत्या कर दी गई। मृतका के पिता ने चरपोखरी थाना में दर्ज प्राथमिकी में युवक को नामजद आरोपित बनाया है।

पुलिस ने घटनास्थल से मृतका का टूटा हुआ मोबाइल बरामद किया है। मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल टीम ने घटनास्थल से कई साक्ष्य एकत्र किए हैं।

पुलिस मोबाइल की तकनीकी जांच और अन्य सबूतों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

बिहार संग्रहालय की विश्व पटल पर अलग पहचान : मंत्री

कला एवं संस्कृति मंत्री ने 9 सहायक संग्रहालयाध्यक्षों को सौंपे नियुक्ति पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा है कि बिहार के संग्रहालय की पहचान पूरी दुनिया में बेहद खास है। यहां मौजूद अलग-अलग संग्रहालय अपनी विभिन्न खासियतों के लिए जाने जाते हैं। मंत्री अपने कार्यालय कक्ष में नवनियुक्त 9 सहायक संग्रहालयाध्यक्षों को नियुक्ति पत्र सौंप रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस पहल से राज्य के संग्रहालय बेहद मजबूत होंगे और उनका संरक्षण सही तरीके से हो सकेगा। मंत्री ने इसे खास पहल बताते हुए कहा कि राज्य में कुल 26 संग्रहालय हैं जिनमें पिछले कई वर्षों से बड़ी संख्या में पद रिक्त पड़े थे। इस मामले में संज्ञान लेते हुए विभागीय

अधिकारियों ने नियुक्ति की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर लिया। मंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि नवनियुक्त पदाधिकारी सच्ची लगन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। बिहार का संग्रहालय विश्वभर में अपनी अलग पहचान रखता है। विभाग की तरफ से जारी अधिसूचना के अनुसार नियुक्ति पत्र पाने वाले अधिकारियों को राज्य के विभिन्न संग्रहालयों एवं सांस्कृतिक संस्थानों में पदस्थापित किया गया है। शानु आनंद को वैशाली स्थित बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय सह स्मृति स्तूप, सुजीत तिवारी को रामचंद्र शाही संग्रहालय मुजफ्फरपुर, अमित रंजन को गया संग्रहालय, सुधा सिंह को बक्सर के सीताराम उपाध्याय संग्रहालय और जगदीशपुर के बाबू वीर कुंवर सिंह स्मृति संग्रहालय, डॉ. सुमन कुमारी को नवादा के नारद संग्रहालय, दीपा चौहान को छपरा संग्रहालय, रविकान्त कुमार को दरभंगा के चंद्रधारी संग्रहालय, दिलीप कुमार को लखीसराय संग्रहालय और रीता कुमारी को बेगूसराय संग्रहालय की जिम्मेवारी सौंपी गई है। इस मौके पर विभाग के सचिव प्रणव कुमार, सांस्कृतिक निदेशालय की निदेशिका रूबी, संग्रहालय निदेशक कृष्ण कुमार, उप सचिव महमूद आलम समेत अन्य मौजूद रहे।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो को रौंदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज (रोहतास)। विक्रमगंज-घुसियां कला पथ पर गुलजार बाग के पास हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार की अधेड़ महिला और ढाई साल की मासूम बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतकों की पहचान सबीना खातून (56), पति मंजूर खान, और अरीबा खातून (ढाई वर्ष), पुत्री तस्लीम खान के रूप में हुई है। दोनों पैदल अपने घर जा रही थीं, तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला और बच्ची को परिजन तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल विक्रमगंज ले गए जहां मंगलवार सुबह बच्ची अरीबा ने दम तोड़ दिया। सबीना खातून की हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें रेफर कर दिया जिसके बाद परिजन उन्हें शहर के एक निजी क्लिनिक ले गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

जीएसटी ने भारत को एकल बाजार और पारदर्शी कर व्यवस्था दी : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दिवस के अवसर पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि जीएसटी के रूप में देश को एक ऐसी एकीकृत अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था प्राप्त हुई है जिसने पूरे भारत को एकल बाजार के रूप में स्थापित करने के साथ-साथ कर प्रणाली में समानता भी सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि यह दिवस भारत में जीएसटी के कार्यान्वयन की ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है। यह उस महत्वपूर्ण कर सुधार की याद दिलाता है जिसके माध्यम से केंद्र और राज्यों के बहु-स्तरीय अप्रत्यक्ष कर व्यवस्थाओं को एकीकृत कर एकल कर प्रणाली लागू की गई। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद वैट, सेवा कर और उत्पाद शुल्क जैसे अनेक अप्रत्यक्ष करों का स्थान एकीकृत कर व्यवस्था ने ले लिया। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक और युगांतकारी परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने बहु-स्तरीय और जटिल अप्रत्यक्ष कर संरचना को समाप्त कर सरल, पारदर्शी तथा प्रौद्योगिकी आधारित कर व्यवस्था को स्थापित किया है। इससे कर संग्रह प्रणाली अधिक प्रभावी बनी है, व्यापार करने में सुगमता बढ़ी है और देश की आर्थिक प्रगति को नई गति मिली है।

एचडीएफसी बैंक ने किया पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार को पार्ट टाइम चेयरमैन नियुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एचडीएफसी बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बैठक में पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार को 30 जून, 2026 से चार साल की अवधि के लिए बैंक का अतिरिक्त निदेशक (स्वतंत्र निदेशक) नियुक्त करने की मंजूरी दी। यह फैसला गवर्नेंस, नॉमिनेशन और रेम्यूनरेशन कमिटी की सिफारिश पर लिया गया था। इंडिपेंडेंट डायरेक्टर के तौर पर यह नियुक्ति बैंक के शेयरहोल्डर्स की मंजूरी पर निर्भर है। वे अंतरिम पार्ट-टाइम चेयरमैन केकी मिस्त्री की जगह लेंगे जिन्हें पूर्व पार्ट-टाइम चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के नैतिक कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा देने के बाद यह जिम्मेदारी संभालनी पड़ी थी। बैंक ने कहा कि इस बात की पुष्टि की जा रही है कि सेबी या किसी अन्य ऐसी अथॉरिटी के

किसी आदेश के तहत राजीव कुमार को डायरेक्टर का पद संभालने से नहीं रोका गया है। 66 वर्षीय श्री कुमार 1984 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं। वे फरवरी 2020 में भारत के वित्त सचिव के पद से रिटायर हुए। रिटायरमेंट के बाद श्री कुमार ने कुछ समय के लिए पब्लिक एंटरप्राइजेज सिलेक्शन बोर्ड के चेयरमैन के तौर पर भी काम किया।

राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस पर चिकित्सकों को डॉ. प्रेम कुमार ने दी शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस के अवसर पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने समर्पण, सेवा और प्रतिबद्धता के प्रतीक सभी चिकित्सकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान चिकित्सकों ने अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करते हुए लोगों का जीवन बचाने के लिए अथक प्रयास किए। उनके समर्पण और सेवा भावना ने इस दिवस के महत्व को और अधिक बढ़ा दिया है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस प्रसिद्ध भारतीय चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में मनाया जाता है। उन्होंने भारतीय चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया, जिसके सम्मान में वर्ष 1991 से प्रत्येक 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह दिवस मानव सेवा में निरंतर समर्पित चिकित्सकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता, प्रशंसा और आभार व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है। साथ ही समाज को यह प्रेरणा भी देता है कि चिकित्सकों की निस्वार्थ सेवा और योगदान का सदैव सम्मान किया जाए।

ऐप से यात्रियों को मिलेगी बसों का लाइव लोकेशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में सरकारी बसों से यात्रा करने वाले लोग अब ऑनलाइन माध्यम से भी इनका टिकट कटा सकेंगे। साथ ही एक खास तरह के ऐप की मदद से वे अपने बसों का ऑनलाइन लोकेशन भी देख सकेंगे। इस नई तकनीक की मदद से लोगों को अलग तरह से यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा। परिवहन विभाग अपनी तकनीक आधारित क्षमताओं को अधिक सुदृढ़ बनाते हुए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) की ओर से संचालित सभी बसों की लाइव लोकेशन ट्रैकिंग की सुविधा देने जा रहा है। निगम ने इसके लिए 'वेयर इज माय बस ऐप' विकसित किया है। फिलहाल इस ऐप की टेस्टिंग की जा रही है। इसके बाद इसे आने वाले दो से तीन महीने में लॉच कर दिया जाएगा। इसकी मदद से यात्रियों को राज्य के किसी रूट की किसी बस की टिकट बुकिंग करने के साथ ही बसों की लाइव लोकेशन देखने का मौका भी मिलेगा। वेयर इज माय बस ऐप में कई आधुनिक सुविधाएं शामिल की गई हैं। यात्री अब बसों में लगे जीपीएस सिस्टम के माध्यम से वाहनों की रियल-टाइम लोकेशन फोन पर देख सकेंगे। अन्य राज्यों से बिहार आने वाली बसों की जानकारी भी लाइव उपलब्ध होगी। खास बात यह है कि ऐप के लॉच होने के बाद बस यात्रियों को टिकट के लिए जहमत नहीं उठानी पड़ेगी। ऐप में पसंदीदा सीट चुनकर बुकिंग करने की सुविधा दी जाएगी। ऐप को यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस के साथ बनाया जा रहा है, ताकि आम आदमी भी आसानी से इसका इस्तेमाल कर सके। इसमें ऑनलाइन पेमेंट, रद्दीकरण और रिफंड की सुविधा जोड़ी गई है। परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 'वेयर इज माय बस ऐप' बिहार के परिवहन क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला है। ऐप बिहार के बस यात्रियों के साथ ही अंतरराज्यीय यात्रा करने वाले लोगों के लिए भी उपयोगी साबित होगा। इससे यात्री सहजता से टिकट बुकिंग और बसों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। लाइव ट्रैकिंग से यात्रा की सुरक्षा बढ़ेगी और पसंदीदा सीट बुकिंग से यात्रियों का अनुभव और बेहतर होगा। ऐप जल्द ही आम जनता के लिए लॉच कर दिया जाएगा।

दानापुर मंडल के सेवानिवृत्त 16 रेलकर्मियों का किया गया समापक भुगतान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जून-2026 में सेवानिवृत्त हुए 16 रेलकर्मियों के लिए दानापुर मंडल के सभागार में 'समापक भुगतान समारोह' आयोजित किया गया। इसमें रेल सेवा से सेवानिवृत्त 16 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर विनोद कुमार द्वारा अंगवस्त्र एवं समापक भुगतान दस्तावेजों को देकर सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अतुल कुमार द्वारा किया गया जिन्होंने आज के समापक भुगतान का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर ने अपने संबोधन में उपस्थित सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मचारियों के सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपने 'समापक भुगतान' की राशि को असुरक्षित

जगहों पर निवेश न करें एवं अपने स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखें। सेवानिवृत्त होने वाले रेलकर्मियों को एक्यूप्रेशर एवं आयुर्वेदिक डॉक्टरों द्वारा स्वस्थ तथा दीर्घायु जीवन जीने के तरीके को विस्तारपूर्वक बताया गया। इस मौके पर मंडल के सभी विभागों के अधिकारीगण एवं ईसीआरइयू, एआईओबीसीआरईए तथा एससी एवं एसटी एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बाबा हरिहरनाथ मंदिर में केवाइपी संचालकों ने किया रुद्राभिषेक

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य एवं केवाइपी की समृद्धि की कामना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वैशाली/पटना। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के तत्वावधान में बाबा हरिहरनाथ मंदिर, सोनपुर में भगवान शिव का वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भव्य रुद्राभिषेक पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर केवाईपी केंद्र संचालकों एवं उनके परिवारजनों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर राज्य के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, केवाईपी योजना की निरंतर प्रगति, सभी केंद्र संचालकों के कल्याण तथा प्रदेश में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना की तथा सामूहिक महाआरती में भाग लिया। इसके

उपरांत सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूरा मंदिर परिसर शिवभक्ति के जयघोष से गुंजायमान रहा। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से केवाईपी परिवार सदैव एकजुट रहे तथा कौशल विकास के माध्यम से बिहार के अधिकाधिक युवाओं को रोजगार एवं आत्मनिर्भरता के अवसर प्राप्त हों। इस अवसर पर इं. रवि कुमार, चंदन कुमार, मनीष कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, सुनील कुमार, प्रतीक कुमार, मिरेन्द्र प्रसाद, सुजीत कुमार सिंह, बृजेश कुमार सहित अनेक केवाईपी केंद्र संचालक, उनके परिवारजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक आरती, शिव वंदना एवं प्रसाद वितरण के साथ श्रद्धा एवं भक्तिभाव के वातावरण में संपन्न हुआ।

जमीन विवाद में गिरिडीह के सब-रजिस्ट्रार की हत्या, क्षेत्र में सनसनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। रामगढ़ जिले के मांडू थाना क्षेत्र के बालसगरा गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई हिंसक घटना में गिरिडीह के सब-रजिस्ट्रार बलेश्वर पटेल की हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार अवकाश के कारण बलेश्वर पटेल अपने पैतृक गांव बालसगरा आए हुए थे। मंगलवार सुबह वे जमीन से जुड़े विवाद के समाधान के लिए खेत पहुंचे थे। इसी दौरान विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि उन पर पत्थरों से हमला किया गया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर चोटों के कारण उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मांडू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में हत्या का कारण जमीन विवाद माना जा रहा है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है तथा आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस घटना से प्रशासनिक महकमे में शोक की लहर है, वहीं स्थानीय लोगों में भी आक्रोश व्याप्त है। पुलिस का कहना है कि मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

गांव-गांव अति पिछड़ा नेतृत्व को उभारेगी कांग्रेस, जनसंख्या के अनुपात में मिलेगी संगठन में भागीदारी : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में मंगलवार को कांग्रेस अति पिछड़ा प्रकोष्ठ का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में अति पिछड़ा वर्ग की राजनीतिक भागीदारी, संगठनात्मक सशक्तीकरण और नेतृत्व विकास को लेकर व्यापक चर्चा हुई। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश के गांव-गांव में अति पिछड़ा समाज के बीच नेतृत्व विकास का विशेष अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन में अति पिछड़ा वर्ग को उनकी जनसंख्या के अनुपात में उचित भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कांग्रेस सामाजिक न्याय, समान अवसर और सभी वर्गों की सम्मानजनक भागीदारी की पक्षधर रही है और आगे भी इसी दिशा में कार्य

करती रहेगी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि किसी भी समाज की अनदेखी करना सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से अपराध है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता का दायित्व है कि समाज के हर वर्ग को सम्मान, अवसर और संगठन में उचित प्रतिनिधित्व मिले। पूर्व विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति कर रही है जबकि कांग्रेस सभी वर्गों को साथ लेकर सामाजिक सद्भाव और समावेशी विकास की राजनीति में विश्वास रखती है। सम्मेलन को कांग्रेस सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद, विधायक मनोज विश्वास, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, इंजीनियर कमल कमलेश, बैद्यनाथ शर्मा, पंकज यादव, अनुराग चंदन, हीरा सिंह बग्गा, उदय शंकर पटेल, जितेंद्र नाथ पटेल, सुरेश मुखिया, नदीम अंसारी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भी संबोधित किया।

मुजफ्फरपुर में 14.74 करोड़ की लागत से लगेगी आधुनिक फर्नीचर निर्माण इकाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुजफ्फरपुर के डुमरिया औद्योगिक क्षेत्र में आधुनिक फर्नीचर एवं इंटीरियर उत्पाद निर्माण इकाई स्थापित करने की मंजूरी दी गई है। एम/एस सिटी एडवरटाइजिंग द्वारा करीब 14.74 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित होने वाली इस परियोजना से लगभग 50 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उद्योग विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह इकाई 0.46 एकड़ भूमि पर स्थापित होगी। यहां मॉड्यूलर फर्नीचर, स्टील आलमारी तथा घरेलू एवं कार्यालय उपयोग के विभिन्न इंटीरियर उत्पादों का निर्माण किया जाएगा। परियोजना को

बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) की परियोजना समाशोधन समिति (पीसीसी) की बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई। उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार सरकार राज्य को आधुनिक औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए विभिन्न विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी परियोजनाएं स्थानीय उद्योगों को मजबूती देने के साथ-साथ रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को नई गति देंगी। उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं आएडा कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार में निवेशकों को बेहतर आधारभूत संरचना, पारदर्शी प्रक्रियाएं और निवेशक-अनुकूल नीतियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि फर्नीचर एवं इंटीरियर उत्पाद निर्माण जैसे क्षेत्रों में हो रहा निवेश राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति देगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं उद्यमिता के नए अवसर उपलब्ध कराएगा।

विश्वामित्र सेना ने उठाई बक्सर कॉरिडोर निर्माण की मांग

अयोध्या और काशी की तर्ज पर विकसित हो बक्सर, धार्मिक पर्यटन को मिले नई पहचान : राजकुमार चौबे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना स्थित होटल चाणक्य में विश्वामित्र सेना द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार चौबे ने बक्सर को धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि बक्सर को अयोध्या और काशी की तर्ज पर विकसित करते हुए बक्सर कॉरिडोर का निर्माण किया जाना चाहिए, ताकि इसकी ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल सके। राजकुमार चौबे ने कहा

कि बक्सर महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि है और भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रसंगों का साक्षी रहा है। इसके बावजूद बक्सर को आज तक वह महत्व और आधारभूत सुविधाएं नहीं मिल सकी है जिसकी यह पवित्र भूमि हकदार है। उन्होंने कहा कि यदि बिहार में पर्यटन को नई दिशा देनी है और अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना है तो धार्मिक पर्यटन के विकास को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने कहा कि बक्सर कॉरिडोर के निर्माण से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

तीन वर्षों में राज्य की 2.72 हजार हेक्टेयर चौर भूमि मछली पालन से हुई समृद्ध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के प्रयासों से बीते तीन वर्षों में 2.72 हजार हेक्टेयर चौर भूमि पर नए तालाब बनाए गए हैं। इन तालाबों का निर्माण डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री चौर विकास योजना के तहत हुआ है। इस पहल से बेकार पड़ी भूमि अब मछली पालन से समृद्ध हो चुकी है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में इससे मछली पालक किसानों की आय में तेजी से बढ़ोतरी होगी। साथ ही इससे मछली उत्पादन और निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। कृषि रोड मैप के तहत मुख्यमंत्री चौर विकास योजना के माध्यम से उत्तर बिहार के चौर-बहुल जिलों में अवस्थित चौर भूमि पर मॉडल आधारित नए तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 से लेकर 2025-26 तक कुल 2,800 हेक्टेयर के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 2,721.73 हेक्टेयर चौर भूमि में आधुनिक तालाबों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। वहीं वित्तीय वर्ष 2008-09 से अब तक संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से कुल 7.99 हजार हेक्टेयर में नए जल क्षेत्र का सृजन किया जा चुका है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी सह सम्मान समारोह सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जन चेतना एवं जन शिक्षा पर केन्द्रित स्वयंसेवी संस्था नई दिशा परिवार के तत्वावधान में आज राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की पूर्व संध्या पर बिहार इण्डस्ट्रीज एसोसिएसन के सभागार में संगोष्ठी सह सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। ख्यातिनाम चिकित्सक पद्मश्री डॉ. गोपाल प्रसाद सिन्हा ने समारोह की अध्यक्षता की जबकि कार्यक्रम का संचालन सचिव राजेश राज ने किया और आगत अतिथियों का स्वागत संस्था के मुख्य संरक्षक राजेश बल्लभ ने किया। समारोह का उद्घाटन डॉ प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया और कहा कि चिकित्सक धरती के भगवान हैं। इनका सदा सम्मान किया जाना

चाहिए। इस अवसर पर चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हेल्थ एक्सलेंसी अवार्ड से पद्म श्री डॉ. गोपाल प्रसाद सिन्हा, डॉ. (प्रो.) एस.ए. कृष्णा, डॉ. दिवाकर तेजस्वी, डॉ. अवधेश शर्मा, डॉ. तर्जनी शंकर, डॉ. ज्योति प्रकाश, डॉ. पूजा, डॉ. सीतेश कुमार कर्ण, डॉ. कुमार अभिनव, डॉ राजीव कुमार, डॉ. त्रिलोकी गोलवारा, डॉ. अनिल कुमार (नवादा), डॉ. आर. पी. सिंह (होमियोपैथ चिकित्सक), डॉ. आर. के. गुप्ता, डॉ. कौशल कुमार, डॉ. अभिनव सिंह, डॉ. सुधीर शर्मा, डॉ. आनंद शंकर, डॉ. मयंक अस्मित, डॉ विकाश कुमार साथ ही साथ स्वास्थ्य जागरुकता में उल्लेखनीय योगदान के लिए हेल्थ अवेयरनेस अवार्ड अभिषेक कुमार, अमित कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव, कुमार पंकज सिन्हा, मनोज कुमार, मो. वासिम अंसारी, मुकेश कुमार वर्मा, मोहित कुमार, शैल सिंह, धीरेन्द्र गुप्ता, प्रेम कुमार मंचस्थ अतिथियों ने अंगवस्त्र, प्रतिक चिन्ह व सम्मानपत्र से सम्मानित किया गया।

पांच जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। यात्रियों की अत्यधिक भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा रेलवे द्वारा चलायी जा रही स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार करने निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 05557/05558 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल स्पेशल-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू के रास्ते रक्सौल और लोकमान्य तिलक के मध्य चलायी जा रही स्पेशल अब जुलाई के अंत तक चलायी जाएगी। गाड़ी सं. 05557 रक्सौल-लोकमान्य तिलक स्पेशल अब रक्सौल से 28.07.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को परिचालित की जायेगी। इसी तरह गाड़ी सं. 05558 लोकमान्य तिलक-रक्सौल स्पेशल अब लोकमान्य तिलक से 30.07.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार को परिचालित की जाएगी। गाड़ी संख्या 03253/03254/03255 पटना-चर्लपल्ली-पटना स्पेशल - गया-कोडरमा- गोमो-रांची-बिलासपुर-रायपुर-नागपुर-काजीपेट के रास्ते पटना और चर्लपल्ली के मध्य चलायी जा रही स्पेशल अब जुलाई के अंत तक चलायी जाएगी । गाड़ी सं. 03253 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल अब पटना से 29.07.26 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को परिचालित की जाएगी।

रोटरी क्लब ऑफ पटना ने किया टीम जोश का शुभारंभ

रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए 84 सेवा परियोजनाओं की घोषणा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित सामाजिक संगठन रोटरी क्लब ऑफ पटना ने रोटरी भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए अपनी नई कार्यकारिणी टीम जोश तथा वर्षभर की महत्वाकांक्षी सेवा योजनाओं की घोषणा की। लगभग 83 वर्षों से निरंतर समाज सेवा कर रहे इस क्लब ने अपने 84वें सेवा वर्ष के उपलक्ष्य में 84 जनहितकारी सेवा परियोजनाएं संचालित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। नई टीम में अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. रवि कुमार सिन्हा, उपाध्यक्ष रोटेरियन अनामिका नंदन, सचिव रोटेरियन डॉ. दयानिधि

कुमार, कोषाध्यक्ष रोटेरियन सरिता प्रसाद, प्रेसिडेंट-इलेक्ट रोटेरियन अरिजीत मित्रा, संयुक्त सचिव रोटेरियन सैकत सेन गुप्ता, इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन रश्मि कुमारी, सार्जेंट-एट-आर्म्स रोटेरियन डॉ. शिप्रा भारती, निदेशक रोटेरियन रमेश चन्द्र, रोटेरियन अनुज राज, रोटेरियन अनुप कुमार पालित, रोटेरियन हिमांशु रंजन एवं रोटेरियन कविता नाथ तथा संपादकीय टीम में रोटेरियन कमल किशोर वर्मा एवं रोटेरियन सुचित्रा कुमारी शामिल हैं। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार सिन्हा ने कहा कि इस वर्ष की थीम आओ थोड़ा मुस्कुरा लें केवल एक संदेश नहीं, बल्कि समाज में आशा, सकारात्मकता और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ाने का संकल्प है।

CMYK

संपादकीय

पुनरीक्षण पर सवाल, दस्तावेजों की कमी से क्या छिन गया मताधिकार?

विवाद का यह सिलसिला केवल बिहार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश होते हुए यह पश्चिम बंगाल तक पहुंच गया। बिहार में इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से लगभग पैंसठ लाख नाम हटाए गए।मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की कवायद को शुरू हुए एक साल पूरा हो गया है। वर्तमान में उन्नीस राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया जारी है। खबरों के मुताबिक, इसके जरिए अब तक करीब छह करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। ऐसे में यह सवाल अहम है कि क्या वास्तव में इतनी बड़ी संख्या में लोग मतदान करने के पात्र नहीं है? या फिर बहुत से लोग आधिकारिक दस्तावेज नहीं जुटा पाने की वजह से अपनी योग्यता साबित नहीं कर पाए? सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जिन लोगों के नाम सूची से बाहर किए गए हैं, उनका भविष्य क्या होगा।अगर वे मतदान के हकदार नहीं है, तो उनके दूसरे अधिकारों पर इसका क्या असर पड़ेगा? यह सवाल इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पश्चिम बंगाल और बिहार में पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों के बाद ऐसी खबरें आई हैं कि दोनों राज्यों में संशोधित मतदाता सूची के आंकड़ों को अब सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाएगा। इससे यह आशंका भी गहरा रही है कि मतदाता सूची से हटाए गए लोगों को अब सरकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर किया जा सकता है।सबसे पहले बिहार में पिछले वर्ष विधानसभा चुनावों से पूर्व एसआइआर की प्रक्रिया शुरू की गई थी। तब विपक्षी दलों ने इसके समय को लेकर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि मतदाता सूची में संशोधन के लिए निर्वाचन आयोग के पास पहले पर्याप्त समय था, इसके बावजूद चुनावों से ठीक पहले इस प्रक्रिया को शुरू करना उचित नहीं है। इसके बाद नागरिकता के प्रमाण को लेकर भी यह प्रक्रिया विवादों में रही।विवाद का यह सिलसिला केवल बिहार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश होते हुए यह पश्चिम बंगाल तक पहुंच गया। बिहार में इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से लगभग पैंसठ लाख नाम हटाए गए। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा में करीब 10.2 फीसद मतदाताओं को सूची से बाहर किया गया। सवाल यह भी है कि क्या इन लोगों को अपनी पात्रता साबित करने के लिए आगे कोई मौका दिया जाएगा, या फिर वे हमेशा के लिए मताधिकार से वंचित हो गए हैं।इसमें कोई संदेह नहीं है कि मतदाता सूची का समय-समय पर संशोधन जरूरी है, ताकि जिनकी मृत्यु हो गई है या जिन्होंने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अपना पंजीकरण कराया है, उनके नाम सूची से हटा दिए जाएं। मगर यह चिंताजनक है कि अभी कुछ राज्यों में ही एसआइआर की प्रक्रिया पूरी हुई है और करीब छह करोड़ लोग मताधिकार से वंचित हो गए हैं, तो देश भर में ऐसे लोगों की संख्या कितनी हो जाएगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।सूची से बाहर किए गए लोगों को अब अपनी नागरिकता की चिंता भी सताने लगी है, क्योंकि उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर होने का खतरा है। ऐसे में उनका भविष्य संकट में पड़ सकता है। यह सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है कि कोई पात्र व्यक्ति किसी तकनीकी कारण या समय पर दस्तावेज न जुटा पाने की वजह से मताधिकार से वंचित न रह जाए। याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र सही मायने में तभी जिंदा रहता है, जब पात्र नागरिकों के मतदान का अधिकार सुरक्षित रहे और चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हों।

रात के एक या दो बजे का समय है। पूरे घर में अंधेरा पसरा है, सिवाय एक बेडरूम के दरवाजे के नीचे से छनकर आती मोबाइल की उस धुंधली नीली रोशनी के। आधी रात को माँ की आँख खुलती है। वह पानी पीने के लिए उठती है और सहज भाव से अपने बच्चे के कमरे में झांकती है। वहाँ वो बिस्तर पे बैठा हैं-हाथ में मोबाइल है और कानों में हेडफोन मजबूती से जड़े हैं। स्क्रीन पर कुछ न कुछ चल रहा है; कोई गेम पूरे जोर से चल रहा है। वक्त का होश तो जैसे पूरी तरह खो चुका है।

स्मार्टफोन की चमकीली दुनिया और बेबस होते माता-पिता

(डॉ. नितिन कुलकर्णी)

जब हम बच्चे थे, तो गर्मियों की छुट्टियों की एक अलग ही जादुई दुनिया हुआ करती थी। हम खुले आसमान के नीचे छत पर सोते थे, टिमटिमाते तारों को निहारते हुए परिवार से बतियाते थे। हम सूरज उगने से पहले उठ जाते थे, जहाँ पक्षियों की चहचहाहट और भोर की ताजी हवा एक नए उत्साह के साथ हमारा स्वागत करती थी।

रात के एक या दो बजे का समय है। पूरे घर में अंधेरा पसरा है, सिवाय एक बेडरूम के दरवाजे के नीचे से छनकर आती मोबाइल की उस धुंधली नीली रोशनी के। आधी रात को माँ की आँख खुलती है। वह पानी पीने के लिए उठती है और सहज भाव से अपने बच्चे के कमरे में झांकती है।

वहाँ वो बिस्तर पे बैठा हैं-हाथ में मोबाइल है और कानों में हेडफोन मजबूती से जड़े हैं। स्क्रीन पर कुछ न कुछ चल रहा है; कोई गेम पूरे जोर से चल रहा है। वक्त का होश तो जैसे पूरी तरह खो चुका है।तुम अभी तक सोए नहीं? स्वाभाविक रूप से एक थका हुआ, चिंतित सवाल हवा में तैरता है।बस मम्मा, थोड़ा सा बाकी है। अगले पाँच-दस मिनट में पक्का सो रहा हूँ, उधर से रटा-रटाया जवाब आता है।

वे दस मिनट कब दो घंटों में बदल जाते हैं, कोई नहीं जानता। आखिरकार नींद आ ही जाती है, पर कब? इसका सटीक हिसाब किसी के पास नहीं होता। आज देश-दुनिया के अधिकांश घरों में हर रात यही कहानी दोहराई जा रही है।

अगले दिन फिर वही चक्र चलता है- दिन के ग्यारह या बारह बजे तक सोए रहना, और कई बार टोकने के बाद ही बिस्तर छोड़ना। जब वे आखिरकार उठते हैं, तो एक हाथ में फोन और दूसरे हाथ में कॉफी का कप होता है। शरीर तो जाग जाता है, लेकिन दिन की जो एक प्राकृतिक लय होती है, वह पूरी तरह दम तोड़ चुकी होती है। रात भर जागना, दोपहर में आँखें खोलना, और भोर होने तक लैपटॉप या मोबाइल की स्क्रीन को टकटकी लगाकर ताकते रहना ही अब नया नॉर्मल बन गया है।

समय बदलता है, तकनीक आगे बढ़ती है और जीवनशैली उसके अनुसार ढल जाती है। यहाँ तक तो सब ठीक है। लेकिन मानव शरीर की बुनियादी जरूरतें नहीं बदलतीं। मानवीय जिस्म को शारीरिक आराम की दरकार होती है। मन को गहरी, सुकून भरी नींद मिलनी चाहिए। आँखों को अंधेरे की और दिमाग को खुद को दोबारा तरोताजा व व्यवस्थित करने के लिए शांत समय की आवश्यकता होती है।

मगर आज की पीढ़ी मानो अपने ही बायोलॉजी से युद्ध लड़ रही है। उन्हें शायद यह मुगालता हो गया है कि ढेर सारी तकनीक और डेटा के दम पर वे इंसानी शरीर के नियमों को मात दे सकते हैं और अपनी जैविक घड़ी (बायो-रिदम) को ठेंगा दिखा सकते हैं।

जब हम बच्चे थे, तो गर्मियों की छुट्टियों की एक अलग ही जादुई दुनिया हुआ करती थी। हम खुले आसमान के नीचे छत पर सोते थे, टिमटिमाते तारों को निहारते हुए परिवार से बतियाते थे। हम सूरज उगने से पहले उठ जाते थे, जहाँ पक्षियों की चहचहाहट और भोर की ताजी हवा एक नए उत्साह के साथ हमारा स्वागत करती थी। हमारे दिन खेलने, किताबें पढ़ने, गलियों में घूमने और आपस में बातें करने में बीतते थे।

आज, कई बच्चे भूल चुके हैं कि सूर्योदय असल में कैसा दिखता है। वे सुबह की उस शांत लहर और चिड़ियों के चहकने के सीधे गवाह ही नहीं बन पाते।

इस बदलाव का दुख सिर्फ पुरानी यादों का रोना नहीं है; बल्कि यह उनके स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आने वाले कल को लेकर एक सच्ची और गहरी चिंता है।

आज के किशोरों ने वक्त के पहिये को ही उलट दिया है-रात को दिन और दिन को रात बना डाला है। माता-पिता होने के नाते, हम मूकदर्शक बनकर यह सब देखते हैं। शुरुआत में हम टोकते हैं। प्यार से समझाते हैं। फिर, हम इसके बुरे नतीजों से आगाह करने की कोशिश करते हैं। अपनी बातें बार-बार दोहराते हैं। कभी गुस्सा फूटता है, तो कभी हम मिन्नतें करने लगते हैं। लेकिन आज के बच्चों के पास

पलटवार करने के लिए पहले से रिकॉर्डेड जवाबों का एक पूरा तरकश तैयार रहता है-

हमें सब पता है।

आप फालतू में चिंता मत करो।

आजकल सब लोग ऐसा ही करते हैं।

हमारी पीढ़ी की जिंदगी आपसे अलग है।

इन दुत्कार भरे जवाबों को रोज-रोज सुनकर माता-पिता आखिरकार घुटने टेक देते हैं और चुप हो जाते हैं। मगर उनका मन शांत नहीं होता। वे अपने तजुर्बे से जानते हैं कि अगर आप अपने शरीर के साथ खिलवाड़ करेंगे, तो देर-सबेर आपको इसकी भारी कीमत चुकानी ही पड़ेगी। बीस या पच्चीस साल की उम्र में इंसान खुद को अजेय समझता है, लगता है कुछ नहीं होगा। लेकिन नींद की यह लगातार कमी, बेपटरी हो चुकी दिनचर्या, शारीरिक मेहनत से दूरी और स्क्रीन के सामने घंटों गुजारने के ये छोटे-छोटे बीज जो चुपचाप बोए जा रहे हैं; वक्त के साथ, वे पनपते हैं और एक गंभीर शक्ल अख्तियार कर लेते हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन घर कर जाता है। एकाग्रता टूटने लगती है। जीवन का उत्साह और ऊर्जा फीकी पड़ जाती है। अपनों से बातचीत का दायरा सिमटने लगता है, आत्मविश्वास डगमगा जाता है, और सबसे दुखद बात यह है कि जिंदगी की छोटी-छोटी मासूम खुशियाँ काफूर होने लगती हैं।

फिर भी, माता-पिता के लिए सबसे बड़ी त्रासदी इन नतीजों को देखना नहीं है; बल्कि यह जानलेवा अहसास है कि वे अब चाहकर भी अपने बच्चों के दिल तक नहीं पहुँच पा रहे हैं, उनसे संवाद के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं।

हर पीढ़ी को लगता है कि उनके माता-पिता उन्हें समझ नहीं पाते। लेकिन सच तो यह है कि माता-पिता अपनी पूरी जिंदगी ही बच्चों को समझने के नाम कर देते हैं। वे एक अबोध बच्चे के रोने की वजह पहचान लेते हैं। वे स्कूल के दिनों की अनकही उलझनों और घबराहट को भांप लेते हैं। वे बच्चे की पहली नाकामी का दर्द खुद महसूस करते हैं और उनके पहले प्यार की धड़कन को पहचानते हैं। यहाँ तक कि जब बच्चे पूरी तरह खामोश होते हैं, तब भी माता-पिता सिर्फ उनका चेहरा देखकर उनके भीतर का हाल पढ़ लेते हैं।

फिर एक दिन ऐसा आता है जब वही बच्चे बड़े हो जाते हैं, और सीधे आँखों में आँखें डालकर कह देते हैं, आप कुछ नहीं समझते !

यह एक जुमला माता-पिता के कलेजे को सबसे गहरा घाव देता है। माता-पिता अपने बच्चों के दुश्मन नहीं होते; वे तो उनके सपनों के सबसे सच्चे और पहले गवाह होते हैं। वे उनकी कामयाबी के लिए सबसे पहले दुआ मांगते हैं और जब बच्चा नाकाम होता है, तो अंदर से टूटने वाले भी वही पहले शख्स होते हैं। वे बच्चों की बीमारी में रात-रात भर जागते हैं और बच्चों की छोटी सी जीत का जश्न खुद की किसी भी कामयाबी से बढ़कर मनाते हैं।

जब कोई माँ या पिता बच्चे को रात भर जागने से मना करते हैं, तो यह उन्हें अपनी उंगलियों पर नचाने या नियंत्रित करने की चाहत नहीं होती। यह विशुद्ध प्यार से जनम लेता है। यह उनके तजुर्बे, फिक्र और एक बेहद निस्वार्थ डर से पैदा होता है किः जो परेशानियां मैंने देखीं, मेरा बच्चा उनसे न जूझे।

लेकिन जब तमाम कोशिशों और अंतहीन बातचीत के बाद भी कुछ नहीं बदलता, तो माता-पिता धीरे-धीरे अपनी एक खामोश दुनिया में सिमट जाते हैं। बच्चे अक्सर इस चुप्पी को उनकी बेरुखी या लापरवाही मान लेते हैं, उन्हें लगता है कि अब मम्मी-पापा को कोई फर्क नहीं पड़ता। मगर हकीकत इसके उलट होती है; वे फिक्र से मरे जा रहे होते हैं। बस, वे इस कड़वे सच को स्वीकार कर चुके होते हैं कि अब शब्दों की ताकत जवाब दे चुकी है, और अब जिंदगी की ठोकरें ही खुद उनकी संतान को सबक सिखाएंगी।

यह चुप्पी कोई हार नहीं है; यह एक बेहद दुखद और लाचार स्वीकारोक्ति है। एक भारी बेबसी। जिस दिन माता-पिता बहस करना बंद कर देते हैं, उस दिन से उनकी चिंताएं कम नहीं होतीं- बल्कि वे और ज्यादा बढ़ जाती हैं। क्योंकि माता-पिता होना एक ऐसी उम्रकैद है, जहाँ बच्चे भले ही पचास साल के हो जाएं, उनके लिए फिक्र कभी खत्म नहीं होती। उम्र के साथ बस डर का स्वरूप बदल जाता है, पर वह दिल से कभी विदा नहीं लेता।

यह बिल्कुल जरूरी नहीं है कि आप अपने माता-पिता की हर बात को पत्थर की लकीर मानें। आप उनकी हर राय से पूरी तरह सहमत हों, यह भी आवश्यक नहीं है। आपके अपने विचार होने चाहिए, अपने फैसले खुद लीजिए और अपनी जिंदगी को अपने तरीके से ही जिएं।

लेकिन कभी-कभी, उनकी उस चिड़चिड़ाहट और टोकने की आदत के पीछे छिपे बेइंतहा प्यार को भी महसूस करने की कोशिश कीजिए। क्योंकि जिंदगी के सफर में आगे चलकर एक ऐसा मोड़ जरूर आएगा, जब आपको अचानक उन सभी बातों की अहमियत और वजह समझ में आएगी, जो वे आज कह रहे हैं। और यकीन मानिए, जब वो दिन आएगा, तब आप इस भारी पछतावे के बोझ को नहीं सहना चाहेंगे किः काश ! मैंने उस वक्त उनकी बात मान ली होती, तो कितना अच्छा होता।

आज रात भी, एक माँ आधी रात को उठेगी और अपने बच्चे के कमरे की बत्ती के नीचे से झांकेगी। एक पिता सुबह देर तक सोते हुए अपने नौजवान बेटे या बेटी को निहारेगा और बिना एक शब्द बोले चुपचाप अपने काम पर निकल जाएगा। वे अब न तो कोई बहस करेंगे और न ही गुस्सा जताएंगे। लेकिन उनके अंतर्मन में एक खामोश प्रार्थना लगातार गूंजती रहेगीः

हे ईश्वर, मेरे बच्चों को सलामत रखना, उन्हें अच्छी सेहत और सद्बुद्धि देना। उन्हें खुश रखना। और जो बातें हम उन्हें अपने शब्दों से नहीं समझा पाए, जिंदगी उन्हें वह सबक बड़ी नरमी से और वक्त रहते सिखा दे।

अगर इस कायनात में कोई सचमुच निस्वार्थ और पवित्र प्यार है, तो वह केवल माता-पिता का है। कभी-कभी यह किसी उबाऊ भाषण जैसा लग सकता है। कभी-कभी यह बेजा चिंता या तीखी बहस का रूप ले लेता है। लेकिन कभी-कभी, यही प्यार पूरी शिद्दत के साथ एक मुकम्मल खामोशी के जरिए खुद को बयां करता है। यह ताउम्र रहने वाली फिक्र ही उनके प्यार की सबसे सच्ची जुबान है, और हमेशा रहेगी। (लेखक अपर मुख्य सचिव, राज्यपाल, झारखंड (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चीन देखता रह गया, हिंद महासागर में भारत ने बना ली मजबूत घेराबंदी

(नीरज कुमार दुबे)

मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच नौ महत्वपूर्ण समझौते हुए। इनमें प्रत्यर्पण संधि सबसे अधिक सामरिक महत्व रखती है। हिंद महासागर क्षेत्र लंबे समय से समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और अंतरराष्ट्रीय अपराधों की चुनौती से जूझता रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेशेल्स यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में केवल एक सहभागी शक्ति नहीं, बल्कि स्थिरता, सुरक्षा और विकास का सबसे भरोसेमंद केंद्र बन चुका है। सेशेल्स की स्वतंत्रता की पचासवीं वर्षगांठ और दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के पचास वर्ष पूरे होने के अवसर पर हुई यह यात्रा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स की संसद को संबोधित करते हुए जिस प्रकार हिंद महासागर को अवसरों का महासागर बनाने की बात कही, वह भारत की दूरदर्शी समुद्री नीति का स्पष्ट संकेत है। भारत ने यह संदेश दिया कि हिंद महासागर केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन, आर्थिक समृद्धि और वैश्विक शक्ति संरचना का केंद्र बनने जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में मोदी सरकार की विदेश नीति का आत्मविश्वास और परिपक्वता साफ दिखाई दी। सेशेल्स को भारत ने जिस सम्मान और साझेदारी का भरोसा दिया, उसने यह साबित किया कि नई दिल्ली छोटे देशों को भी बराबरी और सम्मान के साथ साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच नौ महत्वपूर्ण समझौते हुए। इनमें प्रत्यर्पण संधि सबसे अधिक सामरिक महत्व रखती है। हिंद महासागर क्षेत्र लंबे समय से समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और अंतरराष्ट्रीय अपराधों की चुनौती से जूझता रहा है। ऐसे में प्रत्यर्पण समझौता और समुद्री सुरक्षा सहयोग भारत की सुरक्षा नीति को मजबूत करने वाला कदम है। इससे भारत को पश्चिमी हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक उपस्थिति और निगरानी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा कि भारत और सेशेल्स की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है। यही कारण है कि भारत ने सेशेल्स को तेज गश्ती पोत, नौकाएं, एंबुलेंस और अन्य उपयोगी वाहन भेंट किए। भारतीय नौसेना के युद्धपोत और सर्वेक्षण पोत का सेशेल्स पहुंचना हिंद महासागर में भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रदर्शन भी था।

साथ ही भारत ने सेशेल्स के लिए एक सौ पचहत्तर मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा कर यह भी दिखाया कि उसकी विदेश नीति केवल रणनीतिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास आधारित साझेदारी पर आधारित है। सामाजिक आवास, शिक्षा, परिवहन, खाद्य सुरक्षा, कौशल विकास और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भारत का सहयोग यह दर्शाता है कि नई दिल्ली अपने साझेदार देशों के विकास को अपनी प्राथमिकता मानती है। मोदी सरकार की यही नीति भारत को अन्य वैश्विक शक्तियों से अलग पहचान देती है।

इस यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष डिजिटल और आर्थिक सहयोग भी रहा। भारत और सेशेल्स के बीच स्थानीय मुद्रा में व्यापार, प्रत्यक्ष नौवहन संपर्क और डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लेकर हुए समझौते भविष्य की आर्थिक संरचना को बदलने वाले कदम हैं। भारत की डिजिटल सार्वजनिक संरचना को सेशेल्स में लागू करने की पहल यह साबित करती है कि भारत अब तकनीकी समाधान देने वाली वैश्विक शक्ति के रूप में उभर चुका है। यह मोदी सरकार की उस नीति का परिणाम है जिसमें तकनीक को जनकल्याण और वैश्विक साझेदारी का आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जलवायु परिवर्तन और छोटे द्वीपीय देशों की चुनौतियों को जिस मजबूती से उठाया, वह भी भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने साफ कहा कि जिन देशों ने जलवायु संकट पैदा नहीं किया, उन्हें उसका सबसे बड़ा बोझ नहीं उठाना चाहिए। यह बयान विकसित देशों की दोहरी नीतियों पर सीधा प्रहार भी था। भारत ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी आधारभूत ढांचा गठबंधन और हरित ऊर्जा अभियानों के माध्यम से पहले ही विश्व मंच पर अपनी अलग पहचान बना ली है। सेशेल्स द्वारा भारत की पहल में शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि विकासशील देशों के बीच भारत की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को सेशेल्स द्वारा दिया गया ब्लू होराइजन के संरक्षक सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यह सम्मान पहली बार किसी नेता को दिया गया और इससे यह संदेश गया कि हिंद महासागर क्षेत्र भारत को एक जिम्मेदार और भरोसेमंद शक्ति के रूप में देखता है। पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और समुद्री संसाधनों के संतुलित उपयोग को लेकर भारत की प्रतिबद्धता ने छोटे द्वीपीय देशों में विश्वास पैदा किया है।

सामरिक दृष्टि से देखें तो यह यात्रा चीन की बढ़ती समुद्री सक्रियता के बीच भारत की मजबूत जवाबी रणनीति का हिस्सा भी है। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन लगातार बंदरगाह, आधारभूत ढांचे और कर्ज आधारित परियोजनाओं के जरिए प्रभाव बढ़ाने में लगा है। इसके मुकाबले भारत ने सहयोग, विश्वास और साझा विकास का मॉडल प्रस्तुत किया है। यही कारण है कि सेशेल्स जैसे देश भारत को केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि दीर्घकालिक साझेदार मानते हैं। मोदी सरकार की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की स्थिति को अभूतपूर्व मजबूती दी है।

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है।

नशे से बर्बाद होते जीवन को बचाना होगा

(ललित गर्ग)

नशीली दवाओं का दुरुपयोग मानव शरीर की लगभग प्रत्येक प्रणाली को प्रभावित करता है। हृदय, यकृत, फेफड़े, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। दीर्घकालिक सेवन व्यक्ति को अवसाद, मानसिक असंतुलन, आत्महत्या की प्रवृत्ति, स्मृति ह्रास और व्यक्तित्व विघटन की ओर ले जाता है।

नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को संकल्प संख्या 42/112 के माध्यम से इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त अंतर्राष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक सहयोग और कार्रवाई को मजबूत करना है। इस दिवस के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नशीली दवाओं की समस्या का समाधान केवल दंडात्मक उपायों से नहीं, बल्कि जनजागृति, सामाजिक-पारिवारिक रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग से संभव है।

संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम निर्धारित की है- ''विश्वव्यापी नशीली दवाओं की समस्याः स्थायी मुद्दे, नई चुनौतियां, अभिनव समाधान''। यह थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को अपराधी नहीं, बल्कि सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। समाज, परिवार, सरकार और स्वास्थ्य संस्थाओं के समन्वित प्रयास ही उसे पुनः सामान्य जीवन की ओर लौटा सकते हैं। विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के उपयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अनुमानतः विश्वभर में 30 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। इनमें से करोड़ों लोग नशे की लत के कारण गंभीर शारीरिक एवं मानसिक रोगों से पीड़ित हैं, लेकिन उपचार सुविधाओं तक उनकी पहुंच अत्यंत सीमित है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से पीड़ित प्रत्येक आठ व्यक्तियों में से केवल एक को ही उपचार प्राप्त हो पाता है। यह स्थिति विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर चुनौती को उजागर करती है।

बीते कुछ दशकों में वैश्विक मादक पदार्थ बाजार का स्वरूप तेजी से बदला है। परंपरागत नशीले पदार्थों-अफीम, हेरोइन, गांजा, चरस और कोकीन के साथ-साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स, फेंटानिल, मेथामफेटामाइन और विभिन्न रासायनिक नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। कृत्रिम नशीले पदार्थों के उत्पादन में कम लागत, तस्करी में कम जोखिम और अत्यधिक मुनाफे ने अवैध मादक पदार्थ उद्योग को और अधिक संगठित तथा खतरनाक बना दिया है। आज मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह आधुनिक तकनीक, डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर नए उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं और किशोरों, को अपना लक्ष्य बना रहे हैं। ऑनलाइन नेटवर्क और गुप्त डिजिटल लेन-देन ने नशीली दवाओं की उपलब्धता को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आसान बना दिया है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों का यह गठजोड़ विश्व शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है।

भारत भी इस वैश्विक संकट से अछूता नहीं है। भौगोलिक स्थिति, सीमावर्ती चुनौतियां, बढ़ती शहरीकरण प्रक्रिया और युवाओं में बदलती जीवनशैली के कारण देश में नशीली दवाओं का दुरुपयोग चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा महानगरों में यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। भारत की पश्चिमी सीमा के निकट स्थित तथाकथित 'गोल्डन क्रिसेंट'- अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान विश्व के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है, जिसके कारण सीमावर्ती राज्यों में तस्करी की समस्या अधिक जटिल हो गई है। पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से जूझ रहा है। सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कमजोर और सामाजिक संरचना को क्षतिग्रस्त करना है। यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है। जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। सामाजिकविज्ञान

भारत सरकार ने नशे के विरुद्ध अनेक पहलें शुरू की हैं। 'नशा मुक्त भारत अभियान' देश के 272 से अधिक संवेदनशील जिलों में व्यापक जनजागरण, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से भी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। फिर भी यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, मीडिया और नागरिक समाज को भी इस अभियान का सक्रिय भागीदार बनना होगा। बच्चों और किशोरों में जीवन मूल्यों, आत्मविश्वास, नैतिक शिक्षा और तनाव प्रबंधन की संस्कृति विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। खेल, योग, ध्यान, सांस्कृतिक गतिविधियां और सकारात्मक सामाजिक वातावरण युवाओं को नशे की ओर बढ़ने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

महान दार्शनिकों और आध्यात्मिक चिंतकों ने सदैव संयम को स्वस्थ जीवन का आधार माना है। भारतीय संस्कृति का मूल संदेश भी आत्मसंयम, जागरूकता और सदाचार पर आधारित रहा है। यदि समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित किया जाए तो नशे जैसी अनेक सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के शिकार व्यक्तियों के प्रति घृणा या बहिष्कार का दृष्टिकोण छोड़कर उन्हें सहानुभूति, उपचार और पुनर्वास के अवसर प्रदान किए जाएं। नशे की जंजीरों को तोड़ने के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, परिवारों और समुदायों को एक साझा मोर्चा बनाना होगा। नशीली दवाओं के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानव जीवन अनमोल है और उसे नशे के अंधकार में खोने नहीं दिया जा सकता। यदि हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं, तो नशे के विरुद्ध संघर्ष को जनांदोलन का स्वरूप देना होगा। यही इस दिवस का मूल संदेश है और यही मानवता के उज्ज्वल भविष्य की अनिवार्य शर्त भी। लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है।

राजगीर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मरण पक्ष पर छात्र-छात्रा सम्मेलन

राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल बोले— देशविरोधी साजिशों से सतर्क रहें युवा, राष्ट्र निर्माण में निभाएं सक्रिय भूमिका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। भारतीय जनता युवा मोर्चा, नालंदा एवं भाजपा महिला मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को राजगीर स्थित संस्कार सेवा सदन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मरण पक्ष के अवसर पर छात्र-छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल तथा भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विकास कुमार ने किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रसेवा और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं से विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैलाए जा रहे देशविरोधी दुष्प्रचार से सतर्क रहने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का दायित्व है कि वे ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान करें। भ्रष्टाचार और अपराध के विरुद्ध समाज को संगठित होकर कार्य करना होगा। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने "एक देश, एक संविधान और एक निशान" के संकल्प के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। वहीं बिहारशरीफ के विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि भाजपा राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ कार्य करने वाली पार्टी है तथा केंद्र सरकार अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष सरोज, प्रदेश मंत्री आनंद प्रकाश, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रुचि श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में रुचि श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

चिंटू यादव की मौत के बाद पीड़ित परिवार से मिले पप्पू यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के जहांगीरपुर गांव निवासी चिंटू यादव की मौत के मामले को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर राज्य सरकार और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। जानकारी के अनुसार 21 जून को चिंटू यादव के साथ मारपीट हुई थी। गंभीर रूप से घायल चिंटू को 22 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 23 जून की सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।घटना के कई दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पप्पू यादव ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि नालंदा में हत्या, बलात्कार और अन्य अपराधों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं तथा कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपराधियों की कोई जाति नहीं होती और कानून सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए।सांसद ने मामले में हत्या की धारा के तहत कड़ी कार्रवाई, स्पीडी ट्रायल, आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो न्याय के लिए आंदोलन को और तेज किया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

द्वितीय अपील की सुनवाई, तीन मामलों का ऑन द-स्पॉट निवारण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपील की सुनवाई की। आज द्वितीय अपील के तहत कुल चार परिवादी उपस्थित हुए, जिनमें से तीन मामलों का ऑन-द-स्पॉट निवारण कर दिया गया।

प्रस्तुत द्वितीय अपील वादों में सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह द्वारा सेवांत लाभ (सामान्य भविष्य निधि) के भुगतान के उपरांत विलंब अवधि के ब्याज का भुगतान करने के संबंध में, शीतल प्रसाद द्वारा बिहार सरकार की भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के संबंध में तथा विक्की कुमार द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध रूप से होटल खोलने से संबंधित मामलों में ऑनलाइन द्वितीय अपील दायर की गई थी। संबंधित पदाधिकारियों द्वारा जांच प्रतिवेदन भेजे जाने के उपरांत आज शिकायतों की सुनवाई की गई। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत किसी भी मामले की सुनवाई कर दो माह के भीतर उसका निवारण किया जाता है। प्रखंड स्तर पर पंचायतों से संबंधित विवादों एवं समस्याओं के समाधान हेतु अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय, नवादा सदर एवं रजौली में कोई भी व्यक्ति अपील कर सकता है। वहीं, जिला स्तरीय समस्याओं एवं परिवादों के निवारण के लिए जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, नवादा का कार्यालय समाहरणालय के मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिनी ओर स्थित लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम भवन में संचालित है। विवादों की सुनवाई एवं निवारण दोनों पक्षों को बुलाकर किया जाता है तथा इसके लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। शिकायत दर्ज कराने एवं उसके निवारण की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध है तथा आदेश से असंतुष्ट होने पर निःशुल्क अपील भी दायर की जा सकती है। अब शिकायतों का निवारण और भी आसान हो गया है तथा नागरिक ऑनलाइन भी शिकायत एवं अपील दर्ज कर सकते हैं।

नीतीश मेरे नेता नहीं, बड़े भाई हैं : आनंद मोहन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जिले के मोरा तालाब में सोमवार की रात पूर्व सांसद आनंद मोहन के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उन्होंने बिहार की मौजूदा राजनीति, सत्ता परिवर्तन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ अपने संबंध, विभागों के बंटवारे और एनकाउंटर संस्कृति सहित कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी।आनंद मोहन ने कहा कि नीतीश कुमार उनके नेता नहीं, बल्कि बड़े भाई हैं। उन्होंने कहा कि दोनों जेपी आंदोलन की उपज हैं और उनके बीच भाईचारे का रिश्ता है। सत्ता परिवर्तन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जब एनडीए ने चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने का वादा किया था और सरकार सुचारू रूप से चल रही थी, तो फिर उन्हें पद से हटाने की नौबत क्यों आई। उन्होंने इसे जनादेश और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ मजाक बताया।पूर्व सांसद ने बिना किसी का नाम लिए सत्ता के शीर्ष पर बैठे कुछ लोगों पर पद के दुरुपयोग और आर्थिक साम्राज्य खड़ा करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि वर्षों तक पार्टी के लिए संघर्ष करने वाले कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की गई है। परिवारवाद के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि यदि उन्हें केवल परिवार की चिंता होती तो वे सक्रिय राजनीति में संघर्ष नहीं करते।उन्होंने सरकार में विभागों के बंटवारे पर भी नाराजगी जताई और कहा कि उनके समाज के नेताओं को हमेशा सीमित विभाग ही दिए जाते हैं। आरा के भरत तिवारी एनकाउंटर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे न बुलडोजर संस्कृति के पक्षधर हैं और न ही एनकाउंटर संस्कृति के। उनका कहना था कि अपराधियों को सजा देने का अधिकार केवल न्यायपालिका को है, पुलिस का नहीं। कार्यक्रम में अविनाश सिंह, अंकित सिंह, अजय सिंह, विक्की सिंह, सुरेंद्र सिंह, राजन सिंह, बिट्टू सिंह, मुनचुन सिंह, राजवीर सिंह, चंदन सिंह, शुभम सिंह, नीतीश कुमार उर्फ पिंटु अजीत सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रजौली में जनगणना के द्वितीय चरण का ट्रायल शुरू, मोबाइल ऐप से होगी निगरानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के तहत रजौली प्रखंड में बुधवार से जनसंख्या परिगणना का पूर्व परीक्षण शुरू हो रहा है। यह अभियान 1 जुलाई से 20 जुलाई तक चलेगा। पूर्व परीक्षण से पहले मंगलवार को चार्ज अधिकारी सह बीडीओ संजीव झा ने मध्य विद्यालय रजौली में बनाए गए प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान जनगणना के सहायक निदेशक अंगद सिंह, एसआई-1 संदीप कुमार, एसआई-2 प्रताप सिन्हा, प्रधानाध्यापिका ममता रानी एवं सहायक शिक्षिका कविता झा मौजूद रहीं।

तीन बैच में 96 प्रगणकों का प्रशिक्षण :-
बीडीओ संजीव झा ने बताया कि रजौली प्रखंड में जनसंख्या परिगणना हेतु 96 प्रगणक एवं 17 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। सभी का प्रशिक्षण मध्य विद्यालय रजौली में जनगणना सहायक निदेशक के द्वारा तीन बैच में 1 जुलाई से 3 जुलाई तक कराया जाएगा।

मोबाइल ऐप से होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग :-
बीडीओ ने कहा कि पूर्व परीक्षण के दौरान प्रगणक घर-घर जाकर डाटा संग्रह करेंगे। डाटा संग्रहण के बाद अंतिम दो दिनों में रिवीजनल राउंड होगा। इस बार की खास बात यह है कि पहली बार मोबाइल ऐप के माध्यम से सीएमएमएस पोर्टल पर रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी, जिससे काम में पारदर्शिता आएगी।

बिहार के दो जगह हो रहा पायलट प्रोजेक्ट :-
जनगणना निदेशालय के अनुसार बिहार में नवादा जिले के रजौली प्रखंड एवं सारण जिले के सोनपुर नगर परिषद को जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के पूर्व परीक्षण के लिए चुना गया है। इसका मकसद मुख्य जनगणना से पहले फील्ड की दिक्कतों को समझना और सिस्टम को दुरुस्त करना है।

दो स्थानों पर छापेमारी, दो बाइक व मोबाइल जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। शराब तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रजौली पुलिस ने मंगलवार को अंधरवारी और चरघरवा गांव में छापेमारी कर कुल 168 लीटर अवैध शराब बरामद की। पुलिस ने 162 लीटर देसी महुआ शराब, 6 लीटर अंग्रेजी शराब, तस्करी में प्रयुक्त दो बाइक और एक मोबाइल फोन जब्त किया। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही तस्कर जंगल के रास्ते फरार हो गए। थानाध्यक्ष रणजीत कुमार ने बताया कि फरार आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने लोगों से अवैध शराब की सूचना पुलिस को देने की अपील की।

पुलिस ने अवैध खनन में संलिप्त आरोपित को किया गिरफ्तार, भेजा गया जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली के सवैयाटांड़ सुरक्षित वन क्षेत्र में विस्फोटक लगाकर अवैध अभ्रक उत्खनन के दौरान एक युवक की मौत के मामले में डेढ़ वर्षों से फरार चल रहे एक नामजद आरोपी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आलोक में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिमरातरी गांव निवासी स्व। कार्तिक तुरिया के पुत्र महेंद्र तुरिया के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि बीते वर्ष 2024 के दिसंबर माह में वन विभाग द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। दर्ज प्राथमिकी में वनरक्षी विकास कुमार ने बताया था कि सवैयाटांड़ सुरक्षित वन में वन माफिया विस्फोटक लगाकर पहाड़ उड़ाकर अवैध अभ्रक निकालने की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची थी। जैसे ही टीम जंगल में घुसी, तेज विस्फोट की आवाज सुनाई दी। कड़रूआ के पास 60-70 लोगों की भीड़ जमा थी। वन टीम को देखते ही सभी जंगल की ओर भाग निकले,जिसका पीछा करने पर भी कोई हाथ नहीं लगा। घटनास्थल पर विस्फोटक से ब्लास्ट के स्पष्ट साक्ष्य मिले थे एवं जांच में पता चला कि विस्फोट के दौरान गिरगी गांव निवासी वासुदेव भुइयां की मौत हो गई थी। वन विभाग ने 13 नामजद व अज्ञात माफियाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था,जिसे गुप्त सूचना के आलोक में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को मेडिकल जांच के बाद मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अपहरण कांड का खुलासा, चार दिन बाद सकुशल बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। छबिलापुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव से 8 माह के मासूम के अपहरण मामले का सफल उद्भेदन करते हुए बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार 26 जून की रात करीब एक बजे कंचनपुर निवासी महेश मांझी अपने आठ माह के पुत्र जनसुराज मांझी के साथ घर के बाहर सो रहे थे। रात में नींद खुलने पर उन्होंने देखा कि उनका पुत्र बगल में नहीं है। काफी खोजबीन के बाद भी बच्चे का कोई पता नहीं चलने पर महेश मांझी के लिखित आवेदन के आधार पर छबिलापुर थाना में कांड संख्या-109ध्26 दर्ज किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, राजगीर के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए अपहृत मासूम जनसुराज मांझी को सकुशल बरामद कर लिया।पुलिस ने मामले में कंचनपुर निवासी धर्मेन्द्र कुमार पिता रविन्द्र प्रसाद तथा मिन्टु देवी, पति अशोक कुमार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस के अनुसार धर्मेन्द्र कुमार की निशानदेही पर अपहृत बच्चे की बरामदगी हुई।

बी एड प्रथम वर्ष 2025-27 तथा फाइनल वर्ष 2024-26 की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संचालित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। मगध विश्वविद्यालय बोधगया द्वारा नवादा जिला के सभी बी एड कॉलेज का परीक्षा केंद्र टी।एस।कॉलेज हिसुआ में बनाया गया है। प्राचार्य सह केन्द्राधीक्षक प्रो पवन कुमार शर्मा ने बताया कि पथम सीटिंग में 947 तथा द्वितीय सीटिंग में 942 छात्र छात्राओं का कुल 1889 छात्र छात्राओं का परीक्षा शांतिपूर्ण तथा कदाचार मुक्त ढंग से संचालित हो रहा है, परीक्षा दिनांक 25/06/2026 से 07/07/2026 तक चलेगी । मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि परीक्षा कार्य में परीक्षा नियंत्रक डॉ संजय कुमार चौहान, सहायक परीक्षा नियंत्रक सिन्धुकांत अनिल कुमार , शैलेंद्र कुमार,अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में परीक्षा संचालित हो रहा है। गनौर राम कली कॉलेज नवादा, मॉडर्न कॉलेज ऑफ एडुकेशन नवादा,मॉडर्न इंस्टीट्यूट ऑफ हाइयर एडुकेशन नवादा, आर पी कॉलेज मटुक बिगहा हिसुआ, रविकान्त पूनम बी एड कॉलेज दोसूत, त्रिवेणी कॉलेज ऑफ एडुकेशन नवादा, के छात्र छात्राओं का परीक्षा केंद्र बनाया गया है आयोजित स्नातक सेम बनाया गया है महाविद्यालय के 12 कमरा में परीक्षा लिया जा रहा है । परीक्षा कार्य में,डॉ पूनम भारती,डॉ।अमरदीप मोहन अमहोरे , डॉ मुकेश कुमार, डॉ पूनम कुमारी,डॉ संजय कुमार, डॉ पीयूष मणि त्रिपाठी, रंजय कुमार, कुसुम कुमारी,डॉ अंजली कुमारी, डॉ दिव्या पाण्डेय, डॉ प्रतिभा सिंह, डॉ मांडवी रानी, डॉ धनंजय कुमार,डॉ पप्पू कुमार,उपेन्द्र कुमार मिश्रा,डॉ।उत्तम कुमार, डॉ सुधीर कुमार, राजेश कुमार, मुकेश कुमार सहित शिक्षक एवं कर्मचारी लगे हुए हैं।

भूमि विवाद में मारपीट, किशोर घायल

रजौली/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के चितरकोली गांव में मंगलवार को जमीन बंटवारे के विवाद को लेकर दो भाइयों के परिवारों के बीच मारपीट हो गई। घटना में 14 वर्षीय किशोर विकास कुमार घायल हो गया। उसे परिजनों द्वारा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर आवश्यक दवा और इंजेक्शन दिया। घायल की पहचान चंदेश्वर प्रसाद यादव के पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है। घायल की मां उर्मिला देवी ने बताया कि परिवार में पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। उनका आरोप है कि मंगलवार को बंटवारे को लेकर बातचीत के दौरान उनके छोटे देवर राजेश यादव ने विवाद के बीच उनके बेटे विकास के पेट में लात मार दी, जिससे वह दर्द से कराहने लगा। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना डायल-112 पुलिस को दी गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराया। उर्मिला देवी ने बताया कि वह शिकायत लेकर थाने पहुंची थीं, जहां पहले घायल का इलाज कराने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि इलाज के बाद दोषियों के विरुद्ध लिखित आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की मांग करेंगी। थानाध्यक्ष रणजीत कुमार ने बताया कि आवेदन मिलने पर मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चार घंटे में लूटकांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार लूटे गए मोबाइल और नकदी बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा। थाना क्षेत्र में पंजाब नेशनल बैंक के पास हुई लूट की घटना का पुलिस ने महज चार घंटे के भीतर सफल उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से लूटे गए दोनों मोबाइल फोन और नकदी का एक हिस्सा भी बरामद किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।पुलिस के अनुसार 29 जून को नगरनौसा थाना को सूचना मिली कि ग्राम सदुविगहा निवासी विकास कुमार पिता सुभाष पासवान और उनके मित्र के साथ पटना से घर लौटने के दौरान पंजाब नेशनल बैंक के पास मारपीट कर मोबाइल और नगदी लूट ली गई। पीडित विकास कुमार के लिखित आवेदन के आधार पर नगरनौसा थाना कांड संख्या 153/26 दर्ज की गई।घटना के खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थानाध्यक्ष नगरनौसा के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने नगरनौसा थाना क्षेत्र के रवि कुमार पिता रघुनाथ प्रसाद उर्फ सुखाड़ी यादव तथा पेठियापर निवासी सूरज उर्फ बाबा पिता राकेश पाण्डेय को हिरासत में लेकर पूछताछ की।पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने अपने साथी बॉबी यादव (पिता रंजीत यादव), निवासी ढिवरापर मुशहरी, थाना नगरनौसा के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से पीडितों से लूटे गए दोनों मोबाइल फोन तथा लूटी गई राशि में से 1,700 रुपये बरामद कर लिए हैं। फरार आरोपी बॉबी यादव की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले का अनुसंधान जारी है।

एक नजर

लूटपाट का खुलासा, तीन गिरफ्तार

बिहारशरीफ। करायपरसुराय थाना क्षेत्र के असियापर मोड़ के पास आठ जून की रात बदमाशों ने आंगनबाड़ी सेविका से लूटपाट की थी। पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया है। दो लुटेरों समेत तीन को गिरफ्तार किया गया है। तीसरे पर चोरी का जेवर खरीदने का आरोप लगाया गया है। लुटेरों के पास से मोबाइल फोन, सोने की कनबाली व घटना में इस्तेमाल की गयी बाइक बरामद की गयी है। थानाध्यक्ष सुशील कुमार पासवान ने बताया कि बाइक सवार तीन बदमाशों ने सोने की चेन, कनबाली, 45 हजार रुपये, कपड़े व मोबाइल लूट लिये थे। छानबीन के बाद पटना जिला के फतुहा थाना क्षेत्र के हाजीपुर-डुमरी गांव के ओमप्रकाश साव, सुपनचक के रंजीत कुमार को पकड़ा गया। लूटे गये अन्य जेवर खरीदने के आरोप में पचखरिया थाना क्षेत्र के सुदीहा गांव निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया गया। लूटे गये अन्य सामानों को बरामद करने के लिए छापेमारी चल रही है।

संदिग्ध हालात में युवक का शव बरामद

इसलामपुर। इसलामपुर थाना क्षेत्र के दहौर विगहा गांव स्थित हनुमानगढ़ी खंधा के पास मंगलवार सुबह एक 35 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान दहौर विगहा निवासी नगीना दास के पुत्र कांग्रेस कुमार के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलते ही हिलसा-2 के डीएसपी कुमार ऋषिराज और इसलामपुर थानाध्यक्ष रणविजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बिहारशरीफ भेज दिया।डीएसपी कुमार ऋषिराज ने बताया कि मंगलवार सुबह पुलिस को हनुमानगढ़ी खंधा में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर बोरिंग के पास युवक का शव बरामद किया गया। प्रथम दृष्टया मामला करंट लगने से मौत का प्रतीत होता है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

मुख्य आरोपित ने किया सरेंडर

राजगीर। राजगीर थाना कांड संख्या 411/26 एवं 412/26 में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले के मुख्य आरोपी दीनानाथ शरण ने मंगलवार को बढ़ते पुलिस दबाव के बीच नालंदा व्यवहार न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष अनुसंधान दल द्वारा वायरल वीडियो,सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान कर लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही थी। इसी दबाव के कारण मुख्य आरोपी दीनानाथ शरण, पिता गुरु भगवती शरण, चेला भगवत शरण, निवासी पुरानी दशरथ किला झुनकिया बाबा मंदिर, रेलवे स्टेशन राजगीर ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया।पुलिस ने बताया कि आरोपी को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। इस मामले में अब तक सत्यापित सभी आरोपितों की गिरफ्तारी अथवा आत्मसमर्पण सुनिश्चित कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार कांड का अनुसंधान अंतिम चरण में है और शीघ्र ही न्यायालय में आरोप-पत्र दाखिल किया जाएगा। इसके बाद मामले के त्वरित निष्पादन के लिए स्पीडी ट्रायल चलाने का अनुरोध न्यायालय से किया जाएगा, ताकि दोषियों को जल्द से जल्द कानून के अनुसार सजा दिलाई जा सके।

सब्जी व्यवसायी पर जानलेवा हमला

बिहारशरीफ। दीपनगर थाना क्षेत्र के सूर्य मंदिर तालाब स्थित तकिया के पास एक सब्जी व्यवसायी पर जानलेवा हमला कर करीब 1.25 लाख रुपये और मोबाइल फोन लूट लेने का मामला सामने आया है। घायल के फर्दबयान पर दीपनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार कमरुद्दीनगंज निवासी 48 वर्षीय संजय कुमार, पिता रामप्रीत प्रसाद, सब्जी व्यवसायी हैं। उन्होंने बताया कि वह विभिन्न स्थानों से रुपये की वसूली कर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। सूर्य मंदिर तालाब के पास चार युवकों ने उन्हें रुकने का इशारा किया। जैसे ही उन्होंने बाइक धीमी की, एक युवक ने उनके सिर पर हमला कर दिया। हेलमेट पहने होने के कारण उनकी जान बच गई, हालांकि हेलमेट टूट गया और वह सड़क पर गिर पड़े। संजय कुमार का आरोप है कि गिरने के बाद चारों युवकों ने उनकी बेरहमी से पिटाई की, जिससे वह बेहोश हो गए। होश आने पर उनकी जेब से करीब सवा लाख रुपये और मोबाइल फोन गायब था। उन्होंने तकिया निवासी सत्येंद्र पासवान और डील्टू पासवान को नामजद करते हुए पुरानी रंजिश में घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है तथा आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है। साक्ष्य मिलने पर सभी आरोपितों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व कर्मचारी के गायब रहने से प्रमाण पत्र बनाने में हो रही भारी परेशानी

कौआकोल। कौआकोल अंचल कार्यालय में कार्यरत राजस्व कर्मचारियों की मनमानी और मुख्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने के कारण इन दिनों विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र बनवाने सहित अन्य कार्यों में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार तत्काल प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया में अब राजस्व अधिकारी द्वारा राजस्व कर्मचारी से सत्यापन करवाने को अनिवार्य कर दिया गया है। लेकिन संबंधित राजस्व कर्मचारी के मुख्यालय में उपस्थित नहीं रहने से यह प्रक्रिया बाधित हो रही है। इसका सीधा असर आम लोगों,खासकर छात्र-छात्राओं पर पड़ रहा है,जिन्हें स्कूल, कॉलेज, छात्रवृत्ति एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिए समय पर प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कर्मचारियों की लापरवाही के कारण दिनों-दिन परेशानी बढ़ती जा रही है। इसको लेकर लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्था में सुधार लाने और नियमित रूप से कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की मांग की है।

पीएमश्री योजना के तहत मध्य विद्यालय फुलडीह का बापू इंटर विद्यालय में संविलयन

कौआकोल। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएमश्री योजना के तहत जिले के चयनित विद्यालयों के साथ आसपास के मध्य विद्यालयों का चरणबद्ध संविलयन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को कौआकोल प्रखंड के मध्य विद्यालय फुलडीह के कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का विधिवत संविलयन बापू इंटर विद्यालय, पांडेयगंगौट में किया गया। प्राप्त आदेश के अनुसार जिले में चयनित 21 पीएमश्री विद्यालयों के साथ निकटवर्ती विद्यालयों को जोड़ा जा रहा है। कौआकोल प्रखंड में बापू इंटर विद्यालय, पांडेयगंगौट एवं इंटर विद्यालय, ओखरिया का चयन पीएमश्री विद्यालय के रूप में किया गया है। इसके तहत मध्य विद्यालय फुलडीह के कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों तथा दो शिक्षकों—रौनक नाज एवं श्वेता कुमार—का संविलयन बापू इंटर विद्यालय में किया गया। वहीं मध्य विद्यालय बड़राजी के कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का संविलयन इंटर विद्यालय, ओखरिया में किया जाएगा। बापू इंटर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार ने बताया कि संविलयन की प्रक्रिया मध्य विद्यालय फुलडीह के प्रधानाध्यापक अंबेद कुमार की उपस्थिति में निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न कराई गई। उन्होंने कहा कि पीएमश्री योजना का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर उन्हें मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करना है।

पंचायतों में स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ा रही बदहाल व्यवस्था

कौआकोल। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गांवों को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान की स्थिति कौआकोल प्रखंड क्षेत्र में पूरी तरह बदहाल नजर आ रही है। प्रखंड के कई पंचायतों में कचरा उठाव की व्यवस्था लंबे समय से ठप पड़ी हुई है, जिसके कारण गांवों और सार्वजनिक स्थलों पर जगह-जगह कचरे का अंबार लगा हुआ है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ताजा मामला प्रखंड के खड़सारी एवं पाली पंचायत की सीमा से सामने आया है,जहां पाली पंचायत के मुख्य पइन (नाला) में बड़े पैमाने पर कचरा फेंक दिया गया है। नाले में कचरा जमा होने के कारण गंदगी फैल रही है और आसपास के इलाकों में तेज दुर्गंध से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में यह स्थिति और गंभीर हो सकती है, क्योंकि नाला जाम होने से जलनिकासी बाधित होगी और जलजमाव की समस्या पैदा हो सकती है। जानकारी के अनुसार कौआकोल प्रखंड के लगभग सभी पंचायतों में कचड़ा डंपिंग की व्यवस्था ठप है। घर-घर से कचड़ा उठाव के लिए लगाए गए संसाधन या तो बंद पड़े हैं या उनका संचालन नियमित रूप से नहीं हो रहा है। इसके कारण लोग मजबूरी में सड़कों के किनारे, खाली जगहों और नालों में कचरा फेंकने को विवश हैं। इससे गांवों की साफ-सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

पीएफसी और आरईसी के विलय को हरी झंडी: बनेगी देश की सबसे बड़ी पावर फाइनेंस कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा केंद्रीय बजट 2026 में सरकारी बिजली वित्त कंपनियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए घोषित योजना अब जमीन पर उतरती दिख रही है। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) और आरईसी के निदेशक मंडलों ने दोनों कंपनियों के विलय प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आरईसी के पीएफसी में विलय से एक ऐसी वित्तीय कंपनी बनेगी, जिसका कुल कर्ज खाता 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा, जो इसे भारत की सबसे बड़ी पावर सेक्टर फाइनेंसिंग कंपनी बना देगा। यह विलय कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत हो रहा है। विलय के बाद भी सरकार का बहुमत नियंत्रण बरकरार रहेगा।

निवेशक क्या करें - बाजार विशेषज्ञ लोकेश सेठिया ने कहा, निवेशकों को जल्दबाजी में विलय की खबर देखकर भारी निवेश नहीं करना चाहिए, बल्कि अपनी मौजूदा होल्डिंग को बनाए रखना चाहिए। अगर नजरिया एक से तीन साल का है, तो संयुक्त कंपनी बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती है। इसमें 20 फीसदी सीएजीआर रिटर्न मिलने की संभावना बन सकती है।

ऐसे होगा शेयरों का बंटवारा

प्रस्तावित विलय के लिए शेयर विनिमय अनुपात के तहत आरईसी के शेयरधारकों को 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक चुकता 100 शेयरों के बदले पीएफसी के 10 रुपये अंकित मूल्य के 88 शेयर जारी किए जाएंगे। जिन लोगों के पास रिकॉर्ड डेट पर दोनों कंपनियों के शेयर होंगे, वे इसके लिए पात्र होंगे। दशमलव शेयरों के मामले में कंपनी के पास दो रास्ते हैं।

दूध के दाम में फिर बढ़ोतरी के संकेत, डेयरी कंपनियां बढ़ा सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के संगठित डेयरी क्षेत्र के राजस्व में चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 13 से 15 फीसदी की तेजी का अनुमान है, लेकिन यह चमक आम उपभोक्ताओं की जेब ढीली करके आएगी। क्रिसिल रेटिंग्स के देश की 37 बड़ी डेयरियों (जिनकी बाजार में 60 फीसदी हिस्सेदारी है) के विश्लेषण के मुताबिक, मांग में किसी भी तरह की कमी नहीं है, लेकिन लागत खर्च में हो रही लगातार बढ़ोतरी कंपनियों के मुनाफे को दबा रही है। अपनी परिचालन लाभप्रदता को 4 फीसदी के दायरे में बनाए रखने के लिए डेयरी कंपनियों के पास खुदरा कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है।

दूध और डेयरी उत्पाद क्यों होंगे महंगे?

इस साल दूध की कीमतों में उबाल आने के पीछे मुख्य रूप से तीन बड़ी वजहें जिम्मेदार हैं- क्रिसिल रेटिंग्स के डायरेक्टर शौनक चक्रवर्ती के मुताबिक, अल नीनो की स्थिति के चलते इस साल पड़ी भीषण गर्मी और सामान्य से कम मानसून का सीधा असर मवेशियों की दूध देने की क्षमता पर

भारत बनेगा ट्रांसशिपमेंट हब: अदाणी पोर्ट में 1.4 अरब डॉलर का विदेशी निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी पोर्ट्स ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने एमएससी ग्रुप के साथ एक निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एमएससी की कंटेनर टर्मिनल संचालन और निवेश कंपनी टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (टीआईएल), अदाणी विझिंजम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (एवीपीपीएल) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए करीब 1.4 अरब डॉलर का निवेश करेगी।

यह समझौता कितना अहम है? - यह समझौता भारत के बंदरगाह क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निजी निवेश माना जा रहा है। इसके साथ ही विझिंजम पोर्ट हिंद महासागर क्षेत्र में एक प्रमुख ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा। इस सौदे के तहत टीआईएल विझिंजम पोर्ट में करीब 1.397 अरब डॉलर का निवेश करेगी, जो विझिंजम पोर्ट के कुल 2.85 अरब डॉलर के मूल्यांकन में उसकी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है।

- **इसकी क्षमता दिसंबर 2028 तक कितनी होगी?** - कंपनी ने बताया कि बंदरगाह का विस्तार कार्य जारी है, जिसके बाद दिसंबर 2028 तक इसकी क्षमता 3.5 गुना बढ़कर 57 लाख टीईयू हो जाएगी। विझिंजम पोर्ट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी रणनीतिक लोकेशन है। यह यूरोप, फारस की खाड़ी और सुदूर पूर्व को जोड़ने वाले प्रमुख ईस्ट-वेस्ट शिपिंग रूट से केवल 10 नॉटिकल मील की दूरी पर स्थित है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान विझिंजम पोर्ट ने 13 लाख टीईयू कार्गो और 615 जहाजों का संचालन किया। अपने पहले ही वर्ष में 10 लाख टीईयू का आंकड़ा पार करने वाला यह भारत का सबसे तेज बंदरगाह भी बन गया।

क्या है टीआईएल? - टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (टीआईएल) दुनिया की सबसे बड़ी कंटेनर टर्मिनल ऑपरेटिंग कंपनियों में से एक है। यह एमएससी ग्रुप का हिस्सा है और इसके पास पांच महाद्वीपों में 100 से अधिक कंटेनर टर्मिनलों का नेटवर्क है। साथ ही, कंपनी हर साल 7 करोड़ टीईयू से अधिक कार्गो का संचालन करती है। दिसंबर 2024 में शुरू हुआ विझिंजम पोर्ट भारत का पहला डीप-ड्राफ्ट मेगा ट्रांसशिपमेंट पोर्ट है, जिसकी मौजूदा क्षमता 16 लाख टीईयू है।

विझिंजम पोर्ट ने 18 महीनों के भीतर क्या हासिल किया?

एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अश्विनी गुप्ता ने कहा कि विझिंजम पोर्ट बहुत कम समय में एक प्रमुख ट्रांसशिपमेंट हब बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, सिर्फ 18 महीनों के भीतर विझिंजम पोर्ट ने 20 लाख टीईयू (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट) कार्गो हैंडलिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला यह भारत का पहला बंदरगाह बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि एमएससी के साथ एपीएसईजेड की लंबे समय से चली आ रही साझेदारी अब विझिंजम पोर्ट तक पहुंचने से उन्हें काफी खुशी है। उनका विश्वास है कि यह सहयोग वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन को अधिक कुशल बनाएगा और भारत की प्रमुख विकसित तथा उभरते वैश्विक बाजारों तक पहुंच को और मजबूत करेगा। कंपनी ने बताया कि यह सौदा नियामकीय मंजूरियों सहित अन्य आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बाद पूरा होगा। एपीएसईजेड के अनुसार, एमएससी ग्रुप के साथ यह रणनीतिक साझेदारी कई बड़े फायदे लेकर आएगी। इससे अतिरिक्त कार्गो मिलने के कारण बंदरगाह की क्षमता तेजी से बढ़ेगी और तय समय से पहले परिचालन विस्तार संभव होगा। इसके अलावा, बांग्लादेश से आने वाले कार्गो की हिस्सेदारी बढ़ेगी, जो फिलहाल दक्षिण-पूर्व एशिया के अन्य ट्रांसशिपमेंट हब पर निर्भर है। साथ ही पूर्वी अफ्रीका के व्यापार मार्गों पर कंपनी की मौजूदगी मजबूत होगी और रिले कार्गो की मात्रा में भी बढ़ोतरी होगी।

धड़ाधड़ पैसा छाप रहा एथर एनर्जी का शेयर

1 लाख के बना दिए 3.40 लाख रुपये, कहां से मिली रफ्तार?

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में इस समय बेशक गिरावट बनी हुई हो, लेकिन कुछ शेयरों की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। इन्हीं में एक शेयर एथर एनर्जी लिमिटेड का है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली इस कंपनी के शेयर इस समय पैसा छापने की मशीन बने हुए हैं। पिछले एक साल में इसने एक लाख रुपये को करीब साढ़े तीन लाख रुपये में बदल दिया है। सोमवार को यह शेयर 1,082.50 रुपये पर बंद हुआ था। मंगलवार को यह तेजी के साथ 1,100.95 रुपये पर खुला। खुलने के बाद इसमें तेजी आती गई।

- **6 महीने में 50 फीसदी रिटर्न** - इस शेयर में पिछले काफी समय से तेजी बनी हुई है। पिछले एक महीने में यह शेयर 20 फीसदी से ज्यादा उछल गया है। वहीं 6 महीने में इसने करीब 50 फीसदी रिटर्न दिया है। यानी इन 6 महीने में ही इसने एक लाख रुपये के निवेश को डेढ़ लाख रुपये में बदल दिया है।
- **1 साल में पैसों की बारिश** - बात अगर एक साल के रिटर्न की करें तो इसने निवेशकों पर पैसों की बारिश कर दी है। एक साल पहले यह शेयर करीब 332 रुपये पर था। यानी यह शेयर एक साथ में करीब 240 फीसदी उछल गया है। अगर आपने एक साल पहले इस शेयर में एक लाख रुपये निवेश किए होते तो वह रकम बढ़कर आज 3.40 लाख रुपये यानी करीब साढ़े तीन लाख रुपये हो चुकी होती।

लगातार 11वें दिन अपर सर्किट में फंसा अनिल अग्रवाल का शेयर

» 15 जून को लिस्ट हुई थी कंपनी

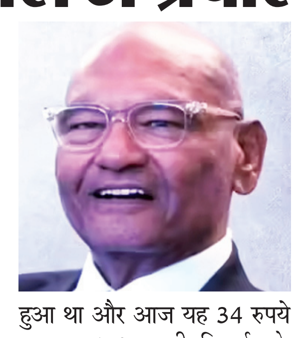

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता आयरन एंड स्टील के शेयरों में आज लगातार 11वें दिन तेजी रही। कंपनी का शेयर का शेयर मंगलवार को बाजार खुलते ही 10 प्रतिशत के अपर सर्किट में फंस गया। वेदांता ग्रुप के डीमर्जर के बाद कंपनी 15 जून, 2026 को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हुई थी। इसकी शुरुआत 20 प्रति शेयर के भाव पर हुई थी और आज इसका भाव 35.65 पहुंच गया। पिछले 11 सत्र में वेदांता आयरन एंड स्टील के शेयरों की कीमत में 70 फीसदी तेजी आई है। इस दौरान कंपनी का मार्केट कैप 7,821 करोड़ से बढ़कर 13,941 करोड़ पहुंच गया। पिछले सत्र में कंपनी का शेयर 32.45 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह 34 रुपये पर खुला। आज ही डिमर्जर के बाद बनी वेदांता ग्रुप की कंपनियों के सर्किट में बदलाव हुआ है। वेदांता आयरन एंड स्टील की अपर सर्किट 5 प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत हो गया है।

कंपनी का बिजनेस - यह कंपनी भारत और अफ्रीका में काम करती है। इसका बिज़नेस आयरन ओर की खोज, माइनिंग और प्रोसेसिंग तक फैला हुआ है। इसके पोर्टफोलियो में स्टील, वायर रॉड, टीएमटी बार, पिग आयरन, डक्टाइल आयरन पाइप, फेरो-सिलिकॉन, सीमेंट और मेटालर्जिकल कोक शामिल हैं।

क्यों उछल रहा है शेयर

कंपनी के शेयरों में तेज उछाल की वजह मजबूत इंस्टीट्यूशनल खरीदारी और वेदांता ग्रुप के डीमर्जर को लेकर निवेशकों का पॉज़िटिव नजरिया है। मार्केट पार्टिसिपेंट्स अलग स्टील बिजनेस से वैल्यू अनलॉक होने की उम्मीद कर रहे हैं। लगातार खरीदारी के कारण कंपनी का स्टॉक मजबूती से अपर सर्किट में बना हुआ है। लिस्टिंग के तुरंत बाद अजीम प्रेमजी के निवेश वाली प्रेमजी इनवेस्ट की वेदांता आयरन एंड स्टील में 102 करोड़ के शेयर खरीदे। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा। कंपनी ने एक महत्वाकांक्षी ग्रोथ स्ट्रैटेजी बनाई है।

10 अरब के मार्केट पर नजर! यूरोप की गर्मी भारत के लिए बन सकती है वरदान

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोप में इस बार भीषण गर्मी पड़ रही है जो भारतीय कंपनियों के लिए वरदान बन सकती है। रेकॉर्ड गर्मी और ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते असर के कारण यूरोप में कूलिंग अप्लायंसेज की मांग बढ़ रही है। ऐसे में एसी बनाने वाली भारतीय कंपनियों को एक्सपोर्ट का एक बड़ा मौका दिख रहा है। हालांकि इसके लिए उन्हें चीन और दक्षिण कोरिया की कंपनियों से मुकाबला करना होगा। यूरोप के बाजार में अभी इन दोनों देशों की कंपनियों पर दबदबा है। इसकी बड़ी वजह यह है कि उनकी प्रोडक्शन कॉस्ट भारतीय कंपनियों के मुकाबले 15-18 प्रतिशत कम है। यूरोप का एसी मार्केट सालाना करीब 10 अरब डॉलर का है। लेकिन भारतीय कंपनियां 2027 से ही यूरोप में एसी की बिक्री शुरू कर पाएंगी। इसकी वजह यह है कि उन्हें एक्सपोर्ट शुरू करने से पहले यूरोप के सख्त सर्टिफिकेशन और प्रोडक्ट स्टैंडर्ड्स को पूरा करना होगा। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप में अप्लायंसेज बिजनेस के हेड कमल नंदी ने कहा, हम पिछले साल से ही यूरोप में संभावनाओं पर विचार कर रहे थे, लेकिन इस साल की गर्मी ने हमारी आंखें खोल दी हैं।

यूरोप के नियम - उन्होंने कहा कि यूरोप में सर्टिफिकेशन के नियम बड़े सख्त हैं। इसलिए वहां तुरंत बिक्री शुरू करना मुमकिन नहीं है लेकिन कंपनी अगली गर्मियों तक वहां अपने प्रोडक्ट लॉन्च करने की योजना बना रही है। यूरोप में कूलिंग इक्विपमेंट की बिक्री और इनके बारे में इनक्वायरी दो से तीन गुना बढ़ गई है। सरकार भी इस मौके को हाथोंहाथ लेना चाहती है। एसी कैटगरी को स्मार्टफोन की तरह ही हाई-वैल्यू मैन्युफैक्चरिंग माना जा रहा है। केंद्रीय मंत्रियों पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव ने एसी बनाने वाली कंपनियों से एक्सपोर्ट बढ़ाने को कहा था। हालांकि अब तक उनका एक्सपोर्ट धीमा रहा है। घरेलू बाजार में भी उनकी पहुंच सिर्फ 10-11 प्रतिशत ही है।

क्या है चुनौती - नोएडा की कंपनी हैवल्स डिस्ट्रीब्यूटर्स के जरिए यूरोप में एसी और पंखों का एक्सपोर्ट शुरू करने की योजना बना रही है। इसी तरह एम्बर एंटरप्राइजेज भी यूरोप में एक्सपोर्ट की संभावनाएं तलाश रही है। यह कंपनी एलजी, डाइकिन, सैमसंग और ब्लू स्टार जैसी कंपनियों को सप्लाई करती हैं।

डिजाइन में बदलाव

लेकिन कंपनियों का कहना है कि कुछ प्रोडक्ट्स के डिजाइन में यूरोप के मुताबिक बदलाव करने होंगे। इसकी वजह यह है कि वहां प्रोफेशनल इंस्टॉलेशन का खर्च बहुत ज्यादा है। इसके साथ ही यूरोप की कई इमारतें पारंपरिक एसी यूनिट्स के हिसाब से नहीं बनी हैं। पुरानी इमारतों के लिए कड़े नियम हैं। इनमें आउटडोर स्प्लिट यूनिट्स नहीं लगाई जा सकतीं। कॉन्ट्रैक्ट पर एसी बनाने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी एम्बर एंटरप्राइजेज के चीफ एग्जीक्यूटिव जसबीर सिंह ने कहा, यह इतना आसान नहीं है। सबसे पहले, हमें उन देशों के लिए प्रोडक्ट तैयार करना होगा और उनके एनर्जी-एफिशिएंसी नियमों को पूरा करना होगा।

93 बार फेल, धोखा, फिर 2.5 लाख से बना डाली 7 करोड़ के टर्नओवर वाली कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी से पढ़े दो दोस्तों ने कमाल कर दिया है। इनके नाम प्रदीप कुमार मणि और बालाजी नंदकुमार हैं। दोनों ने सिर्फ 2.5 लाख रुपये की पूंजी से करोड़ों के टर्नओवर वाली कंपनी खड़ी कर दी है। उनके स्टार्टअप का नाम हाई लैब्स है। अपनी खास पेटेंटेड तकनीक और कड़ी मेहनत के दम पर आज यह ब्रांड हर महीने 25,000 से अधिक इनरवियर बेच रहा है। इस तकनीक को विकसित करने में उन्हें 93 बार फेलियर देखना पड़ा। आइए, यहां प्रदीप कुमार मणि और बालाजी नंदकुमार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

यूनिवर्सिटी में हुई मुलाकात - प्रदीप और बालाजी की मुलाकात अन्ना यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान हुई थी। यूनिवर्सिटी में ही वे रूममेट्स और पक्के दोस्त बने। साल 2011 में लेदर टेक्नोलॉजी में इंजीनियरिंग करने के बाद दोनों के रास्ते अलग हो गए। प्रदीप आगे की पढ़ाई के लिए कनाडा चले गए। फैशन मैनेजमेंट में मास्टर्स करके करीब 10 साल तक फैशन बायर के रूप में काम किया। वहां उन्हें पसीना सोखने वाले प्रीमियम फैब्रिक (लेंजिंग माइक्रोमॉडल) की समझ मिली। दूसरी तरफ बालाजी ने तमिलनाडु की एक लेदर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में प्रोडक्शन हेड के तौर पर काम किया।

यूनिट में काम करते हुए पूरी सप्लाई चेन और क्वालिटी कंट्रोल का व्यावहारिक अनुभव हासिल किया। दोनों हमेशा से साथ में कोई बिजनेस करना चाहते थे। बस वे सही मौके की तलाश में थे।

दौड़ गया बिजनेस - तमाम दिक्कतों को पार कर जब प्रदीप और बालाजी को एक भरोसेमंद मैन्युफैक्चरर मिला तो ब्रांड ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

आसान नहीं था सफर

स्टार्टअप का शुरुआती सफर आसान नहीं था। साल 2020 की शुरुआत में 2.5 लाख रुपये लगाकर तैयार किया गया पहला टेस्ट बैच तो आसानी से बिक गया। लेकिन, इसके बाद उन्हें गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। साल 2021 में एक नए मैन्युफैक्चरर ने खराब क्वालिटी का माल तैयार किया। इसे ग्राहकों को बेचने के बजाय दोनों ने भारी नुकसान सहते हुए दोस्तों और परिवार में बांट दिया।

स्टार्टअप का आइडिया

दोनों दोस्तों को स्टार्टअप की प्रेरणा साल 2019 में अपने निजी अनुभवों से मिली। प्रदीप जिम जाते थे। बालाजी फुटबॉल खेलते थे। दोनों ने महसूस किया कि चेन्नई के उमस भरे मौसम में 12 से 16 घंटे तक आरामदायक रहने वाला कोई भी मेंस इनरवियर बाजार में मौजूद नहीं है। उन्होंने महसूस किया कि इस असहजता का सबसे बड़ा कारण फ्रिक्शन है। इस इंजीनियरिंग बैकग्राउंड वाली जोड़ी ने फैशन के बजाय समस्या को सुलझाने पर फोकस किया। छह महीनों में करीब 93 सैंपल टेस्ट करने के बाद उन्होंने कूलिज्म ट्रंक तैयार किया। इसमें पेटेंटेड पाउच तकनीक का इस्तेमाल किया गया। यह तकनीक घर्षण और गर्मी को पूरी तरह से रोकती है।

69000 न्यूनतम सैलरी की मांग पर फिरेगा पानी जानें 8वें वेतन आयोग में कितना मिल सकता है फिटमेंट फैक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। 8वें वेतन आयोग का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर है। 8वां केंद्रीय वेतन आयोग फिटमेंट फैक्टर को 2.57 के आसपास रखने की सिफारिश कर सकता है, जो कि 7वें वेतन आयोग के समान ही है। सरकार उच्च वेतन और पेंशन के वित्तीय प्रभाव का आकलन कर रही है, जिसके चलते यह कदम उठाया जा सकता है। फिटमेंट फैक्टर का उपयोग संशोधित मूल वेतन और पेंशन की गणना के लिए किया जाता है। यह हर वेतन आयोग का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है क्योंकि इसी से तय होता है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन और पेंशन में कितनी बढ़ोतरी होगी।

सरकार बरत सकती है सावधानी - शुरुआती चर्चाओं से संकेत मिलते हैं कि केंद्र और राज्य सरकारों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को देखते हुए आयोग बेहद सतर्क रुख अपना रहा है। चर्चाओं से वाकिफ एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि फिलहाल यह कसरत फिटमेंट फैक्टर की संभावित सीमा, राज्य सरकारों के साथ परामर्श और संशोधित वेतन व पेंशन संरचनाओं के वित्तीय प्रभाव के आकलन पर केंद्रित हो रही है। केंद्र और राज्यों पर पड़ने वाला वित्तीय प्रभाव आयोग की अंतिम सिफारिशों में एक अहम भूमिका निभा सकता है। वहीं अगर सरकार कर्मचारियों की मांग को नहीं मानती है और फिटमेंट फैक्टर को 2.57 के आसपास रखती है न्यूनतम 69000 रुपये की बेसिक सैलरी का सपना टूट सकता है।

फीडबैक की समीक्षा करेगा आयोग - आयोग इन ज्ञापनों के साथ-साथ राज्य सरकारों से मिलने वाली फीडबैक का अध्ययन करेगा। परामर्श का अगला दौर उत्तर प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के साथ शुरू होगा। इससे पहले देशव्यापी परामर्श प्रक्रिया के तहत दिल्ली, लद्दाख, जम्मू और कश्मीर, तेलंगाना, महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। सभी परामर्श पूरे होने के बाद, आयोग अपनी अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगा, जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए संशोधित वेतन और पेंशन संरचना तय करेगी।

हूल दिवस पर फॉरवर्ड ब्लॉक का पहला प्रखंड सम्मेलन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऐतिहासिक हूल दिवस के अवसर पर ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक की गांडेय इकाई ने मंगलवार को दासडीह पंचायत भवन में अपना पहला प्रखंड सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में जल जंगल जमीन की रक्षा, जनता के हक-अधिकारों की लड़ाई को तेज करने तथा जनसरोकार के मुद्दों पर संघर्ष का संकल्प लिया गया। साथ ही 19 सदस्यीय प्रखंड कमेटी का गठन किया गया, जिसमें भाकपा (माले) छोड़कर फॉरवर्ड ब्लॉक में शामिल हुए मेहताब अली मिर्जा को सर्वसम्मति से प्रखंड अध्यक्ष चुना गया सम्मेलन की अध्यक्षता जीवन हेंब्रम, रामकिशोर सिंह और गुलटेन पंडित ने संयुक्त रूप से की, जबकि संचालन रामलाल मंडल ने किया।
कार्यक्रम की शुरूआत हूल दिवस के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर एवं दो मिनट का मौन रखकर की गई। इसके बाद वक्ताओं ने हूल आंदोलन की ऐतिहासिक विरासत और वर्तमान समय में उसकी

प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। सम्मेलन में सर्वसम्मति से गठित कमेटी में राजू पासवान को उपाध्यक्ष, मनोज यादव को महासचिव, नकुल सिंह को सचिव तथा जितेंद्र यादव को कोषाध्यक्ष बनाया गया। नवनिर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष मेहताब अली मिर्जा ने कहा कि उनकी पूरी टीम जनता की समस्याओं को लेकर मुखर आंदोलन चलाएगी और लोगों को उनके अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि गांडेय में जनहित के मुद्दों पर संगठित आंदोलन की आवश्यकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं पार्टी के जिला संयोजक राजेश यादव ने कहा कि गांडेय प्रखंड भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं से जूझ रहा है।
उन्होंने हूल दिवस के अवसर पर जल जंगल जमीन की रक्षा और आम लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। साथ ही मेहताब अली मिर्जा का पार्टी में स्वागत करते हुए नवगठित कमेटी को शुभकामनाएं दीं और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।सम्मेलन में मेहताब अली मिर्जा, राजू पासवान, मनोज यादव, नकुल सिंह, उमेश दास, जितेंद्र यादव, मुर्तजा अंसारी, राजकुमार भोगता, संतोष दास, अर्जुन कोल, योगो हेंब्रम, रोहित यादव, धुरन दास, देवंती देवी, यशोदा देवी, प्रसाद रवानी, टेकलाल दास, सावित्री देवी, सारो देवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित थे। अतिथि के रूप में शिवनंदन यादव, मनोज कुमार, संजय चौधरी, महेंद्र साव, राजेंद्र सिंह, रियाज अंसारी और सुखदेव गोस्वामी समेत कई लोग मौजूद रहे।

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू को जिला प्रशासन ने दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। हूल दिवस के अवसर पर गिरिडीह जिला प्रशासन ने अमर वीर शहीद सिदो कान्हू सहित हूल विद्रोह के सभी महानायकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उपायुक्त रामनिवास यादव ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके साहस, त्याग और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को नमन किया इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, एसडीओ धीरेंद्र कुमार, उत्पाद अधीक्षक डॉ. शिव कुमार साहू, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अंजना भारती सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।उपायुक्त ने कहा कि हूल विद्रोह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का गौरवशाली अध्याय है। सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो का संघर्ष आज भी अन्याय के विरुद्ध लड़ने और सामाजिक न्याय, समानता व जनकल्याण के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए सुशासन और समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

डीआइजी किशोर कौशल ने किया मेराल थाना का निरीक्षण

अभिलेख संधारण का किया अवलोकन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) किशोर कौशल ने गढ़वा जिले के मेराल थाना का निरीक्षण कर थाना की कार्यप्रणाली, विधि-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने थाना के अभिलेखों, अपराध नियंत्रण, अनुसंधान की प्रगति, वारंट एवं कुर्की-जब्ती की कार्रवाई, थाना परिसर की साफ-सफाई तथा अभिलेख संधारण का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने तथा अनुसंधान की गुणवत्ता बनाए रखने का निर्देश दिया।

किशोर कौशल ने पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि थाना आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए उसका निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने अपराध नियंत्रण, नियमित गश्ती, विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।
डीआईजी ने कहा कि पुलिस की कार्यशैली पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनोन्मुखी होनी चाहिए। उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए तथा पुलिस कर्मियों को अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान गढ़वा जिले के एसडीपीओ दिलु लोहरा, पुलिस निरीक्षक गढ़वा पुङ्गनिङ्ग संतोष कुमार , थाना प्रभारी, मेराल पुअनि विष्णुकांत कुमार एवं अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

समाहरणालय में वोटर हेल्पलाइन एवं मतदाता सहायता केंद्र का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के प्रभावी संचालन और मतदाताओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समाहरणालय परिसर में मंगलवार को वोटर हेल्पलाइन एवं मतदाता सहायता केंद्र' का शुभारंभ किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार एवं उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि यह केंद्र लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।
उन्होंने बताया कि यहां मतदाताओं को

विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारी, मार्गदर्शन और सहायता एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन, विलोपन, स्थानांतरण, गणना प्रपत्र भरने तथा आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित जानकारी भी प्राप्त की जा सकेगी उपायुक्त ने जिले के सभी पात्र मतदाताओं से 30 जून से प्रारंभ विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक मतदाता सूची को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाने में प्रशासन का सहयोग करें। उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता और समावेशिता लोकतंत्र की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। इसी उद्देश्य से हेल्पलाइन एवं मतदाता सहायता केंद्र को पूरी तरह सक्रिय किया गया है। कार्यक्रम में सदर अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी पायल राज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अंजना भारती, जिला नजारत उप समाहर्ता आशुतोष ठाकुर, सोशल मीडिया पब्लिसिटी ऑफिसर आशुतोष तिवारी सहित निर्वाचन शाखा के अधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गहन विशेष पुनरीक्षण अभियान शुरू

उपायुक्त ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत मंगलवार से गणना चरण (एन्यूमरेशन फेज) की शुरूआत हो गई। इसके तहत 30 जून से 29 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण एवं संग्रहण करेंगे।अभियान के प्रथम दिन मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने पलामू क्लब, मदरसा अलहेदाया कुंड मोहल्ला एवं मेदिनीनगर नगर निगम के पुराने भवन में अवस्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान आयोजित चुनाव पाठशालाओं में शामिल होकर उन्होंने मतदाताओं एवं संबंधित कर्मियों से संवाद भी किया। चुनाव पाठशालाओं में बीएलओ, बीएलए-2, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं मतदाताओं को विशेष पुनरीक्षण अभियान, नए मतदाताओं के पंजीकरण तथा मतदाता सूची के अद्यतन से संबंधित जानकारी दी गई।
उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संचालित की जा रही है।उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे बीएलओ को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा एन्यूमरेशन फॉर्म सही तरीके से भरकर समय पर जमा करें, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक एवं अद्यतन बनाया जा सके।इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित रहे।

निजी अस्पतालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी जामताड़ा क्षेत्र के विधायक हैं। जामताड़ा क्षेत्र में अवैध निजी अस्पतलों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए बड़ा भंडाफोड़ किया है।
सदर अस्पताल कार्यालय से प्राप्त क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट के पंजीकरण दस्तावेज के अनुसार पूरे जामताड़ा जिले में केवल 21 निजी अस्पताल ही सरकार से विधिवत पंजीकृत हैं। इसके अलावा जिले में संचालित होने वाले अन्य निजी अस्पताल, नर्सिंग होम या उपचार केंद्र अवैध माने जाएंगे और इन सभी अस्पतालों को सालभर की प्रोबेशनरी मान्यता है।
स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से अपील की है कि वे इलाज के लिए केवल इन्हीं पंजीकृत अस्पतालों का चयन करें, ताकि सुरक्षित एवं मानक चिकित्सा सुविधा मिल सके। सदर अस्पताल कार्यालय से उपलब्ध सूची में जामताड़ा, नारायणपुर, मिहिजाम और नाला क्षेत्र के कुल 21 निजी अस्पतालों के नाम दर्ज हैं।
इन अस्पतालों का क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत निबंधन कराया गया है और इन्हें मरीजों के उपचार के लिए मान्यता प्राप्त है। सीएस डा. शिव प्रसाद मिश्रा का कहना है कि सूची से बाहर संचालित किसी भी अस्पताल या नर्सिंग होम का संचालन नियमों के विरुद्ध माना जाएगा।
उन्होंने स्पष्ट कहा कि विभाग के रिकार्ड में यही 21 निजी अस्पताल पंजीकृत हैं और मरीजों के उपचार के लिए अधिकृत हैं। यदि इनके अलावा कोई भी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र संचालित होने की सूचना मिलती है अथवा शिकायत प्राप्त होती है तो उसकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिना क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट निबंधन के किसी भी अस्पताल का संचालन पूरी तरह अवैध है।
डा. मिश्रा ने लोगों से अपील की कि इलाज कराने से पहले संबंधित अस्पताल का पंजीकरण अवश्य सुनिश्चित करें। इससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी और अवैध संस्थानों के शिकार होने से बचाव होगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग लगातार ऐसे संस्थानों पर निगरानी रख रहा है जो नियमों का उल्लंघन कर मरीजों का इलाज कर रहे हैं।
सिविल सर्जन डा. शिव प्रसाद मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी मेडिकल स्टोर की आड़ में डाक्टर ओपीडी चला रहे हैं और संबंधित संस्थान का क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट के तहत निबंधन नहीं कराया गया है, तो वह भी अवैध माना जाएगा।

करोड़ों रुपये के अवैध लॉटरी कारोबार का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के मकतपुर चौक स्थित दंगायच मेडिकल के सामने मुन्ना कबाड़ी गली में बड़े पैमाने पर अवैध लॉटरी कारोबार संचालित होने का आरोप सामने आया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार यहां प्रतिदिन लाखों रुपये का लेन-देन होता है और इस अवैध कारोबार का दायरा करोड़ों रुपये तक पहुंचने की बात कही जा रही है।सूत्रों के मुताबिक इस कथित अवैध कारोबार के संचालन में मकतपुर निवासी अमित जायसवाल पिताझ्र विजय जायसवाल के अलावा संदीप राम, ब्ल्यू साव, प्रमोद यादव, अकरम अंसारी तथा परमानंद

सफेदपोश संरक्षण की भी चर्चा

कपिस्वय उर्फ बबलू के नाम सामने आ रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से यह कारोबार खुलेआम चल रहा है, लेकिन अब तक इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।
वहीं कई सूत्रों का यह भी दावा है कि इस पूरे नेटवर्क को कुछ प्रभावशाली सफेदपोश लोगों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण कारोबार निर्बाध रूप से संचालित हो रहा है। इस दावे की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है क्षेत्र के लोगों ने जिला प्रशासन और पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध लॉटरी कारोबार पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो इससे जुड़े सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग उठ रही है।

एस आई आर -2026: कोई भी पात्र मतदाता न छूटे : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर -2026) अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने गांडेय विधानसभा क्षेत्र के महेशलुंडी स्थित मतदान केंद्र संख्या-79 का निरीक्षण कर गणना प्रपत्र भरने की प्रगति और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के कार्यों की समीक्षा की।
उन्होंने अभियान को पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ संचालित करते हुए प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए वहीं उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र के एच.ई. हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्र संख्या-38 एवं 39 का निरीक्षण कर गणना प्रपत्र, अभिलेख संधारण और मतदाताओं को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी पात्र मतदाता निर्धारित समय के भीतर अपना ऐनुमैरेशन फॉर्म अवश्य भरें और मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने में सहयोग दें।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करना तथा अपात्र प्रविष्टियों को नियमानुसार हटाना है। साथ ही लोगों से अपने परिवार और आसपास के पात्र मतदाताओं को भी इस अभियान से जोड़ने की अपील करते हुए कहा कि ₹कोई भी पात्र मतदाता छूटेगा नहीं।

संगठन विस्तार में गांव की होगी अहम भूमिका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ का संगठन विस्तार में गांवों की भूमिका अहम होगी। ये बातें गया जिला के टिकारी प्रखंड अंतर्गत बेनीपुर गांव में आयोजित महासंघ की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय ने कही। उन्होंने कहा कि महासंघ का उद्देश्य समाज के कमजोर लोगों का स्कील डेवलप कर उन्हें मजबूत बनाना है जिसके लिए हमलोग काम कर रहे हैं। प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार मिश्र ने कहा कि बिहार के सभी जिलों के सभी पंचायत में कार्यकारिणी का गठन करने की समय सीमा तय की गई है और उम्मीद है कि हम इसे ससमय पूरा कर लेंगे। महासंघ के संरक्षक विवेकानंद मिश्र ने कहा कि किसी भी आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति को यदि हम एकबार आर्थिक मदद दें तो यह स्थाई नहीं हो सकता, लेकिन यदि हम उन्हें सशक्त बनाने के लिए उनका स्कील डेवलप कर सकें तो यह सही मायनों में उनका सशक्तिकरण होगा। प्रदेश सचिव डॉ रघुवंश मिश्र ने कहा कि आज देश में ब्राम्हणों की अवहेलना हो रही है। अनपढ आदमी भी ज्ञानी से ज्ञानी ब्राम्हण की आलोचना करने में बाज नहीं आ रहा है। जब तक हम सशक्त नहीं बनेंगे तबतक ऐसा ही होता रहेगा। जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र ने महासंघ विस्तार को लेकर अपनी बात कही। इससे पहले बैठक की शुरूआत भगवान भास्कर के चित्र की पूजा और माल्यार्पण के साथ किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष और बैठक के मेजबान शिवबल्लभ मिश्र ने की। बैठक के दौरान नारायण मिश्र को प्रदेश मीडिया प्रभारी और राजीव कुमार मिश्र को जिला संगठन महामंत्री की जिम्मेवारी दी गई। बैठक में गोविन्द पाठक, त्रिपुरारी शर्मा, कमलेश च्रद्र पाठक, शंभुदत्त पाठक,गौतम मिश्र, उपेन्द्र मिश्र, अनिल मिश्र, वीरेन्द्र मिश्र, रमाशंकर मिश्र, गुड्डू मिश्र अंशु कुमार मिश्र, योगेंद्र वैध, विनय कुमार मिश्र, धर्मेंद्र वैध, संजय मिश्र,प्रीतम मिश्र, आशुतोष मिश्र सहित दर्जनों विप्रजन मौजूद थे।

स्व. मिश्रीलाल जायसवाल को श्रद्धासुमन अर्पित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बहुमुखी प्रतिभा के धनी, प्रखर समाजसेवी, साहित्यकार, पत्रकार, विश्व साइकिल पर्यटक, स्वतंत्रता सेनानी एवं चास-बोकारो जायसवाल समाज के संस्थापक अध्यक्ष स्व मिश्रीलाल जायसवाल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व भारतीय समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, समाजसेवा तथा महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, दया, क्षमा और मानवता के संदेश के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित कर दिया। जायसवाल समाज (सर्ववर्गीय) बोकारो के अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल ने जन्म दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय मिश्रीलाल जायसवाल का जन्म 1 जुलाई 1922 को उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जनपद में हुआ। बाल्यावस्था में ही पिता का साया उठ जाने के बाद उनकी प्रारंभिक शिक्षा ननिहाल, महाराजगंज (वाराणसी) में हुई। युवावस्था में वे स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े और अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष में सक्रिय भूमिका निभाई। उनकी पुस्तक अंग्रेजों भारत छोड़ो को तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने जब्त कर लिया था, जो बाद में उन्हें सम्मानपूर्वक वापस की गई।
स्वतंत्रता के उपरांत उन्हें बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह द्वारा शिक्षा विभाग में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। राष्ट्रभाषा हिंदी के

प्रति उनके समर्पण के परिणामस्वरूप उन्होंने लगभग 302 हिंदी विद्यालयों की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
सरकारी सेवा का त्याग कर उन्होंने 4 अप्रैल 1952 को महात्मा गांधी के सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार के लिए अपनी ऐतिहासिक विश्व साइकिल यात्रा प्रारंभ की। लगभग 16 वर्षों तक चले इस अभियान में उन्होंने 167 देशों का भ्रमण कर विश्व पटल पर भारत की संस्कृति, गांधीवादी विचारधारा और मानवता का संदेश पहुँचाया। उन्होंने 121 देशों में लगभग 1,78,000 मील साइकिल से तथा 78,000 मील जल एवं वायु मार्ग से यात्रा कर एक अनूठा इतिहास रचा।
1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान उन्होंने अपने 13 स्वर्ण पदक तथा लगभग 1,26,000 रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा राष्ट्र रक्षा हेतु समर्पित कर अद्वितीय देशभक्ति का परिचय दिया।
वे जाति, धर्म, ऊँच-नीच, अमीरी-गरीबी के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता की सेवा में विश्वास रखते थे। उनका संपूर्ण जीवन त्याग, सादगी, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण रहा।
11 मई 1998, बुद्ध पूर्णिमा के पावन दिवस पर इस महान विभूति का महाप्रयाण हुआ, किंतु उनके आदर्श, विचार और सेवाएँ आज भी समाज को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं।
चास-बोकारो जायसवाल समाज उनकी 104वीं जयंती के पावन अवसर पर अपने संस्थापक अध्यक्ष, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं विश्व साइकिल पर्यटक स्वर्गीय मिश्रीलाल जायसवाल को भावभीनी श्रद्धांजलि एवं शत-शत नमन अर्पित करता है तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराता है।

प्रश्नपत्र लीक मामले में मास्टरमाइंड की पत्नी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। देशव्यापी परीक्षा माफिया और महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) प्रश्नपत्र लीक मामले में जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार देर रात बिहार एसटीएफ के सहयोग से महाराष्ट्र की ठाणे पुलिस ने पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र स्थित गांधी नगर से मास्टरमाइंड बिजेंद्र गुप्ता की पत्नी सुमन गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए।
मंगलवार को ठाणे पुलिस सुमन गुप्ता को ट्रांजिट रिमांड पर महाराष्ट्र ले गई। कोर्ट में पेशी के बाद उसे पहले से गिरफ्तार पटना के राजीव शाह, आकाश कुमार और हरियाणा के धीरज सिंह के साथ छह जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।
इस अंतरराज्यीय परीक्षा माफिया रैकेट में सुमन की गिरफ्तारी चौथी बड़ी सफलता मानी जा रही है। जांच में सामने आया कि महाराष्ट्र में गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी शुरू होने के बाद सुमन ने बिजेंद्र गुप्ता को फोन कर पटना नहीं आने की सलाह दी थी। हालांकि पुलिस ने सर्विलांस और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सुमन को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पहले गिरफ्तार आरोपितों ने भी बिजेंद्र गुप्ता को पूरे रैकेट का सरगना बताया था। बिजेंद्र गुप्ता मूल रूप से समस्तीपुर के शेरपुर गांव का रहने वाला है और वर्तमान में परिवार के साथ पटना में रह रहा था।
एक जुलाई को उसकी छोटी बेटी का जन्मदिन था, जिसके लिए घर के बाहर टेंट और सामियाना लगाया गया था। परिजनों के अनुसार, फरार बिजेंद्र ने भी इस मौके पर किसी तरह पटना आने का वादा किया था। लेकिन सोमवार रात पुलिस की कार्रवाई के बाद पूरा कार्यक्रम रद्द हो गया और मंगलवार सुबह टेंट-सामियाना हटाना पड़ा। पुलिस के अनुसार सुमन गुप्ता को बिजेंद्र के कथित पेपर लीक नेटवर्क और आर्थिक लेन-देन की जानकारी थी। जांच एजेंसियों को संदेह है कि करोड़ों रुपये के अवैध ट्रांजैक्शन का हिसाब-किताब वही संभालती थी।

CMYK

विश्व कप से बाहर होने के बाद जर्मनी में गहरी निराशा

कोच बोले-'बिल्ड-अप प्ले बहुत धीमा था'

फॉक्सबोरो । जर्मनी के मुख्य कोच जूलियन नागेल्समैन ने फीफा विश्व कप 2026 से टीम के बाहर होने के बाद कहा कि 'धीमी बिल्ड-अप प्ले' ने चार बार की विश्व चैंपियन टीम से राउंड ऑफ 16 में पहुंचने का मौका छीन लिया है। बोस्टन स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए राउंड ऑफ 32 मुकाबले में जर्मनी का अभियान नाटकीय अंदाज में समाप्त हो गया। नियमित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट

में पराग्वे ने जर्मनी को 4-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। फीफा विश्व कप के इतिहास में जर्मनी इससे पहले कभी भी पेनल्टी शूटआउट में नहीं हारा था। लगभग मुकाबले से बाहर हो चुकी जर्मन टीम को मैनुअल नोयर ने बराबरी दिलाकर वापस मुकाबले में ला दिया, लेकिन आखिरकार पराग्वे ने अपनी तीसरी सफल स्पॉट-किक के दम पर अंतिम 16 में जगह पक्की कर ली।
नागेल्समैन ने कहा, 'ड्रेसिंग रूम में गहरी निराशा का माहौल है। दुर्भाग्य से फुटबॉल कभी-कभी ऐसा ही होता है। कुछ टीमें बेहद साधारण तरीकों से भी जीत हासिल कर लेती हैं और आपको उन तरीकों का लगातार बचाव करना पड़ता है। हमने अपने प्रतिद्वंद्वी को दौड़ाने और उस पर दबाव बनाने में बहुत ज्यादा समय लगा दिया। हम गेंद को बॉक्स में कहीं अधिक बार डाल सकते थे। हमें मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट तक जाने से पहले ही कर देना चाहिए था।

विंबलडन के पहले दौर में वू की कड़ी चुनौती

जोकोविच ने जीता मुकाबला

लंदन । सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने अपने 21वें विंबलडन अभियान की रोमांचक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां चीन के यिबिंग वू को 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 से हराकर जीत दर्ज की। सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने अच्छी सर्विस की और खराब प्रदर्शन भी नहीं किया, लेकिन वह वू को सेंटर कोर्ट के माहौल का आनंद लेने से रोक नहीं सके। पहले सेट में दुनिया के 102वें रैंक वाले चीनी खिलाड़ी ने 15 विनर्स लगाए, हालांकि उतनी ही संख्या में अनफोर्स्ड गलतियां भी कीं। दूसरे सेट की शुरुआत में ही निर्णायक मोड़ आ गया। अगर जोकोविच अपने शुरुआती ब्रेक अवसरों में से एक

को भुना लेते, तो वह आसानी से नियंत्रित और अपेक्षाकृत सरल जीत की ओर बढ़ सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, और वू का आत्मविश्वास लगातार बढ़ता गया, जबकि दर्शक जोर-शोर से उनका नाम पुकारते रहे।
तीसरे सेट की शुरुआत में छत बंद होने के बाद सर्बियाई खिलाड़ी को लगातार चुनौती का सामना करना पड़ा। कंधे की चोट के कारण इस साल केवल पांच टूर्नामेंट खेलने वाले जोकोविच ने तीसरे सेट के अंत में पूरी ताकत झोंककर वू की सर्विस ब्रेक की।
जोकोविच ने संघर्ष करते हुए तीसरा सेट अपने नाम किया और फिर चौथे सेट में अहम मौकों पर पूरी तरह नियंत्रण बनाकर विंबलडन के पहले दौर में अपना रिकॉर्ड 21-0 कर लिया। उन्होंने चौथे सेट में छह ब्रेक प्वाइंट बचाए, जिनमें 2-3 के स्कोर पर 0/40 से जुड़े तीन मौके भी शामिल थे। आखिरकार उन्होंने तीन घंटे और 11 मिनट में जीत हासिल की।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का

सबसे बड़ा उलटफेर

चार बार की चैंपियन जर्मनी वर्ल्ड कप से हुई बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार (30 जून) को बोस्टन स्टेडियम में फीफा वर्ल्ड कप 2026 का सबसे बड़ा उलटफेर देखने को मिला. जब राउंड ऑफ 32 में पैराग्वे ने पेनल्टी में चार बार की चैंपियन जर्मनी को हराकर टूर्नामेंट से ही बाहर कर दिया. इससे पहले जर्मनी फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में कभी भी पेनल्टी शूटआउट में नहीं हारा था। रेगुलर टाइम में दोनों टीमों के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा. पहले हाफ के आखिर में जूलियो एनसिसो ने हेडर से गोल करके पैराग्वे को बढ़त दिलाई, लेकिन 52वें मिनट में काई हावर्ट्ज ने जर्मनी के लिए बराबरी का गोल किया।उसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में जनॉथन तह ने गोल कर दिया. उन्होंने 102वें मिनट में नथानिएल ब्राउन की कॉर्नर किक पर हेडर से गोल किया, लेकिन वीडियो रिव्यू के बाद अधिकारियों ने पाया की उस शॉट से पहले वाल्डेमार एंटन ने गिल को धक्का देकर गिरा दिया था, इसलिए गोल को अमान्य कर दिया गया. इसके बाद कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी जिससे मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया। पैराग्वे ने रोमांचक पेनल्टी शूटआउट (4-3) से अपने नाम किया. इसके साथ पैराग्वे राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह पक्की कर ली. इसके साथ साथ पैराग्वे वर्ल्ड कप में पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को हराने वाली पहली टीम बन गई. जर्मन टीम छह में से तीन पेनल्टी मौके चूक गई।बता दें कि इन दोनों टीमों के बीच हुए पिछले एकमात्र वर्ल्ड कप मैच में, जर्मनी ने 2002 के टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 में पैराग्वे को 1-0 से हराया था. लगभग 24 साल बाद, पैराग्वे ने इसका बदला ले लिया। यह जर्मनी की एक और चौंकाने वाली हार थी, क्यों कि चार बार की चैंपियन टीम 2014 में आखिरी बार ट्रॉफी जीतने के बाद से वर्ल्ड कप में संघर्ष कर रही है। इस मैच में उतरने से पहले पैराग्वे फीफा रैंकिंग में 41वें नंबर पर मौजूद थी, जबकि जर्मनी दुनिया की 10वें नंबर की टीम के तौर पर इस टूर्नामेंट में उतरी थी।अब पैराग्वे की टीम शनिवार को फिलाडेल्फिया में राउंड ऑफ 16 में फ्रांस और स्वीडन के बीच मंगलवार को होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी।

मैच के आखिरी मिनट में दागा गोल

ब्राजील की जापान पर रोमांचक जीत

ह्यूस्टन (एजेंसी)। ह्यूस्टन स्टेडियम में फीफा वर्ल्ड कप के एक रोमांचक मैच में पांच बार की चैंपियन ब्राजील ने जापान को 2-1 से हराया. गैब्रियल मार्टिनेली ने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में विजयी गोल किया, जिससे ब्राजील ने शानदार वापसी करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। राउंड ऑफ 32 का यह मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम की ओर बढ़ता दिख रहा था क्योंकि रेगुलर टाइम और छह मिनट के एक्स्ट्रा टाइम की शुरुआत तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं. लेकिन मार्टिनेली के इरादे कुछ और ही थे. उन्होंने मैच के आखिरी मिनट में शानदार गोल किया और टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम ब्राजील को अगले दौर में पहुंचा दिया।

मैच में काइशु सानो ने 29वें मिनट में जापान को बढ़त दिलाई, जिसके बाद 56वें ??मिनट में कैसिमिरो ने ब्राजील के लिए बराबरी का गोल किया. इसके बाद मार्टिनेली ने अपना जादू दिखाया और जीत पक्की कर दी। ब्राजील के पास गेंद पर 55 प्रतिशत पजेशन था और उन्होंने गोल पर 19 शॉट लगाए, जबकि जापान ने केवल पांच शॉट लगाए. उनके सात शॉट टारगेट पर थे, जबकि प्रतिद्वंद्वी टीम के केवल दो शॉट टारगेट पर थे. उन्होंने उस टीम के खिलाफ शानदार डिफेंस किया जिसने पूरी ताकत लगा दी थी और पहले हाफ में दबदबा बनाए रखा था। हाफ-टाइम तक जापान जीत का सपना देख रहा था, जिसकी वजह काइशु सानो का शानदार गोल था.

उन्होंने एक कमजोर पास का फायदा उठाया, ब्राजीलियाई डिफेंस की खाली जगह में तेजी से आगे बढ़े और दाहिने पैर से शॉट मारकर जापान के लिए अपना पहला गोल किया। ह्यूस्टन स्टेडियम, जो ज्यादातर पीले रंग में रंगा हुआ था, बराबरी के गोल का इंतजार कर रहा था. दो करीबी मौकों के बाद तीसरे शानदार हेडर ने ब्राजील को बराबरी दिलाई. गैब्रियल मैगलहेस के सटीक पास पर कासेमिरो ने यह गोल किया।

मोरक्को ने नीदरलैंड्स को हराकर टूर्नामेंट से किया बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड्स और मोरक्को ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन दिखाय लेकिन फुल टाइम तक मैच 1-1 से ड्रॉ रहा. जिसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम और फिर पेनल्टी तक गया, जहां मोरक्को ने जीत हासिल कर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में प्रवेश कर लिया। मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत दर्ज की और नीदरलैंड्स पहली बार टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 में पहुंचने में असफल रहा. नीदरलैंड्स के लिए ट्यून कूपमीनर्स और वाउट वेघोर्स्ट ने पेनल्टी पर गोल किए, जबकि मोरक्को के लिए सूफियान रहीमी, चेम्सदीन तालबी और इस्माइल सैबारी ने गोल करके टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

- **मोरक्को ने नीदरलैंड्स को हराकर टूर्नामेंट से किया बाहर-** नीदरलैंड्स इससे पहले 11 वर्ल्ड कप में कम से कम राउंड ऑफ 16 तक पहुंचा था, जिसमें चार साल पहले कतर में क्वार्टर फाइनल में पहुंचना भी शामिल है. वहीं मोरक्को पिछले वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक का शानदार सफर तय किया था। रेगुलेशन टाइम में कोडी गैकपो ने नीदरलैंड्स के लिए 72वें मिनट में गोल किया. जबकि मोरक्को के इस्सा डियोप ने 91वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया.

न्यूजीलैंड-इंग्लैंड

लैथम ने रचा इतिहास, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतकर एलीट कप्तानों की लिस्ट में शामिल

लंदन (एजेंसी)। टॉम लैथम की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे और अंतिम टेस्ट में 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। बेन स्टोक्स की टीम को 373 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन अंतिम दिन पूरी टीम 212 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ ने 60 रन बनाए, लेकिन वह हार नहीं टाल सके। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया। टीम ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए सीरीज जीती। साथ ही 1999 के बाद इंग्लैंड में तीन या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा भी किया।

टॉम लैथम एलीट कप्तानों की सूची में शामिल- इस ऐतिहासिक जीत के साथ टॉम लैथम ने कप्तानी में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसे सिर्फ छठे कप्तान बने हैं, जिन्होंने भारत और इंग्लैंड दोनों देशों में जाकर टेस्ट सीरीज जीती है।

भारत के बाद इंग्लैंड में भी बजा जीत का डंका

इंग्लैंड में मिली यह जीत लैथम की 2024 में भारत में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद आई है। तब न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं पर भारत को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब किसी विदेशी टीम ने भारत को उसके घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। अब इंग्लैंड में सीरीज जीतकर लैथम ने लगातार दुनिया की दो सबसे कठिन विदेशी चुनौतियों को जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

ओलंपिक में क्रिकेट

आईओसी ने जारी किया क्वालिफिकेशन क्राइटेरिया

जानें किस टीम को मिलेग लॉस एंजेलिस में खेलने का मौका?

- *महिला टीम ने ओलंपिक 2028 में जगह पक्की की*
- *पुरुष टीम को एशिया की टॉप-रैंक वाली टी20 टीम बननी होगी।*

नईदिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया. इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी (आईओसी) ने लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक (एल28) में पुरुषों और महिलाओं के टूर्नामेंट के लिए अलग-अलग क्वालिफिकेशन क्राइटेरिया जारी कर दिया है।

जिसके तहत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीमों में से एक बन गई है, जबकि पुरुष टीम को सीधे क्वालिफिकेशन पाने के लिए 2026 के आखिर तक आईसीसी टी-20 रैंकिंग में एशिया की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम बनना होगा। **महिलाओं के लिए-** इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ओआईसी) ने सोमवार को पुष्टि की कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन (इंग्लैंड) और दक्षिण अफ्रीका ने ओलंपिक में

महिला टी20 प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की कर ली है। ये टीमें इंग्लैंड में चल रहे आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में क्रमशः एशिया, ओशिनिया, यूरोप और अफ्रीका से सबसे ऊंची रैंकिंग वाली योग्य टीमें बनकर उभरी हैंष

महिलाओं की प्रतियोगिता में पहले चार क्वालीफायर तय करने के लिए आईसीसी रैंकिंग का इस्तेमाल नहीं किया है. इसके बजाय, उन्होंने चल रहा महिला ञ20 वर्ल्ड कप मुख्य क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट है, जिसमें चारों महाद्वीपों में से सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली योग्य टीम को ओलंपिक में जगह मिल जाएगी।

पुरुषों के लिए

पुरुषों के क्वालिफिकेशन का रास्ता अलग है। आईसीसी पुरुष टी-20 रैंकिंग के जरिए ओलंपिक में सीधे चार स्थान दिए जाएंगे, जिसमें अफ्रीका, एशिया, यूरोप और ओशिनिया से सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी. जो टीमें 31 दिसंबर, 2026 तक टॉप पर होंगी. इसका मतलब है कि लॉस एंजिल्स का सीधा टिकट पाने के लिए भारत को एशिया की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली योग्य टीम बननी होगी। लॉस एंजेलिस गेम्स के मेजबान के तौर पर अमेरिका को जगह पक्की मिलेगी, बशर्ते वे क्वालिफिकेशन अवधि के दौरान किसी भी समय आईसीसी मेन्स टी-20 रैंकिंग में टॉप 15 में रहने की आईसीसी की न्यूनतम योग्यता शर्त को पूरा करें. अगर वे शर्त को पूरा नहीं कर पाते हैं, तो यह जगह अगली सबसे ऊंची रैंकिंग वाली योग्य टीम को दी जाएगी. पुरुषों की प्रतियोगिता में छठी और आखिरी जगह का फैसला भी 2027 में होने वाले आईसीसी ओलंपिक क्वालिफायर के जरिए किया जाएगा।

बीसीसीआई ने एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम का किया ऐलान

हरमनप्रीत कौर कप्तान

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक खेले जाएंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशियाई खेलों के लिए महिला टीम का ऐलान कर दिया है. जिसमें कुल 15 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। चयन समिति ने उसी टीम पर भरोसा जताया है जो महिला टी-20 विश्व कप 2026 में खेली थी. बस एक बदलाव किया गया है. यास्तिका भाटिया की जगह बाएं हाथ की बल्लेबाज और विकेटकीपर जी. कामलिनी को टीम में शामिल किया गया है।

इसके अलावा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह नहीं बनाने के बावजूद हरमनप्रीत कौर पह बोर्ड ने एक बार फिर भरोसा जताया है और टीम के कप्तान के रूप में बरकरार रखा. उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स बल्लेबाजी की कमान संभालेंगी। स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा मध्य क्रम को मजबूती देंगी, जबकि ऋचा घोष विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगी और कामलिनी बैकअप विकेटकीपर होंगी।

तेज गेंदबाजी की कमान स्विंग स्पेशलिस्ट रेणुका सिंह ठाकुर और अनुभवी अरुंधति रेड्डी संभालेंगी। वहीं, स्पिन विभाग में बाएं हाथ की ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज राधा यादव और ऑफ-स्पिनर श्रेयंका पाटिल अपनी विशेषज्ञता दिखाएंगी. हालांकि, बीसीसीआई ने कहा है कि श्रेयंका का अंतिम टीम में शामिल होना उनकी फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा, क्योंकि हाल ही में उन्हें चोट लगी थी. टखने में चोट के कारण यह ऑलराउंडर टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थीं।

बता दें कि इस साल एशियाई खेल जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक खेले जाएंगे. भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में मौजूदा चैंपियन के रूप में प्रवेश करेगी. उसने 2023 में चीन के हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला टीम

- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा, नितीश रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में चलती कार की छत पर स्टंट, पुलिस ने दर्ज किया केस- वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर रील और वीडियो बनाने के चक्कर में यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों के खिलाफ गुरुग्राम पुलिस ने अब पूरी तरह सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर चलती कार की छत पर बैठकर सफर करने और स्टंट करने का एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इसका तुरंत संज्ञान लेते हुए सदर थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

कार की छत पर खतरनाक स्टंट- वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक युवक हाईवे पर चलती गाड़ी की छत पर बैठकर खतरनाक स्टंट कर रहा है, जिससे न सिर्फ उसकी जान को खतरा था, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों का जीवन भी गंभीर संकट में पड़ गया था।

आरोपी की हुई पहचान- पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए जांच के दौरान आरोपी की पहचान कर ली है और उसे नियमानुसार नोटिस जारी किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं- गुरुग्राम पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सार्वजनिक सड़कों पर चलते वाहन की छत पर बैठना, लापरवाही से गाड़ी चलाना, ओवरस्पीडिंग करना या दूसरों की जान-माल को खतरे में डालना गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

9 फीसदी की भारी बढ़ोतरी- इस बीच गुरुग्राम की चमचमाती और रफ्तार भरने वाली सड़कें अब जिंदगी के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती जा रही हैं। सड़क सुरक्षा समिति की रिपोर्ट के मुताबिक, शहर की सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं में पिछले वर्षों के मुकाबले नौ फीसदी की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बीते दो वर्ष के दौरान अलग-अलग हादसों में 952 लोगों की मौत हो चुकी है। शहर की चार सड़कों पर 20 फीसदी से अधिक सड़क हादसे रात के समय में हुए है।

जेब खाली मिली तो भड़क गए लुटेरे, दिल्ली में शख्स की चाकू से गोद कर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सागरपुर इलाके में रविवार सुबह हुई हत्या के मामले में सागरपुर थाना पुलिस ने दो नाबालिगों को दबोच लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अभी फरार है। पुलिस की पूछताछ में मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। आरोपियों ने युवक की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी क्योंकि उसके बाद लूट के लिए कुछ नहीं था। नाबालिगों ने उसे लूटने के इरादे से रोका। लेकिन तलाशी में उसके पास कुछ नहीं मिला, तो नाबालिगों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए।
राहगीरों से सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज कर दो नाबालिगों को गिरफ्तार कर लिया। मुख्य आरोपी की तलाश में छापेमारी चल रही है। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि मृतक 45 वर्षीय सुनील उर्फ पप्पी नसीरपुर इलाके रहता था और बेराजगार था। पुलिस को रविवार सुबह करीब 6-20 बजे नासिरपुर रोड पर एक व्यक्ति के अचेत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली।

दिल्ली में पेट्रोल-सीएनजी वाले दोपहिया और

ऑटो के नए रजिस्ट्रेशन पर लगाई गई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी में प्रदूषण कम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2026-2030 को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को बताया- नई नीति 1 जुलाई 2026 से लागू होने की संभावना है।

इस नीति के तहत 1 जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा का ही नया रजिस्ट्रेशन होगा, जबकि 1 अप्रैल 2028 से नए पेट्रोल और सीएनजी से चलने वाले दोपहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन बंद कर दिया जाएगा।

30000 से 50000 तक मिलेगी सब्सिडी- नई ईवी नीति के पहले साल में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए सरकार सब्सिडी भी देगी। अधिकारियों के मुताबिक, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने पर 30,000 रुपये और इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन

खरीदने पर 50,000 रुपये तक की सब्सिडी मिलेगी। हालांकि, हाइब्रिड वाहनों के लिए किसी तरह की सब्सिडी का प्रावधान नहीं किया गया है।

दिल्ली के प्रदूषण का 23 फीसदी हिस्सा वाहनों से आता

दिल्ली सरकार का कहना है कि नई ईवी नीति का मुख्य उद्देश्य राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाना और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में होने वाले कुल वायु प्रदूषण का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन के कारण होता है। ऐसे में सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। नई नीति में सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने पर ही जोर नहीं दिया गया है, बल्कि उनके उपयोग के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और पूरे ईवी इकोसिस्टम को मजबूत करने का भी रोडमैप तैयार किया गया है।

हरनंदीपुरम टाउनशिप की डीपीआर जल्द होगी तैयार, जीडीए ने फाइनल की कंसल्टेंट एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद में बनने वाली हरनंदीपुरम टाउनशिप की डीपीआर और लेआउट जल्द तैयार होगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने इसके लिए कंसल्टेंट एजेंसी तय कर ली है। अब एजेंसी को इसकी डीपीआर तैयार कर प्राधिकरण को देनी होगी। फिर प्राधिकरण के अधिकारी डीपीआर का अध्ययन करेंगे। यदि सब सही रहा तो फिर इसका लेआउट तैयार कराया जाएगा।

521 हेक्टेयर में बसेगी टाउनशिप

राजनगर एक्सटेंशन के पास यह नई टाउनशिप हरनंदीपुरम बसाई जाएगी। दो चरण में प्रस्तावित यह टाउनशिप कुल 521 हेक्टेयर में बसेगी, जिसमें आठ गांव की जमीन किसानों से खरीदी जाएगी। पहले चरण में पांच गांव की 350 हेक्टेयर जमीन पर टाउनशिप बसाई जाएगी। इस टाउनशिप को बसाने के लिए जीडीए किसानों से करीब 336 हेक्टेयर जमीन खरीद रहा है। इसमें से करीब 55 हेक्टेयर जमीन का प्राधिकरण ने बैनामा करा लिया है, जबकि 115 हेक्टेयर जमीन पर किसानों से आपसी सहमति बन चुकी है।

करीब दो महीने में तैयार हो सकती है डीपीआर

वहीं, प्राधिकरण ने योजना का पहला फेज लॉन्च करने की तैयारी शुरू कर दी है। पहले फेज की डीपीआर लेआउट तैयार करने को एजेंसी भी तय कर ली है। एजेंसी के प्रजेंटेशन से प्राधिकरण के अधिकारी भी संतुष्ट नजर आए। अब एजेंसी को इसकी डीपीआर तैयार करनी होगी। बताते हैं कि करीब एक से दो महीने में वह इसकी डीपीआर तैयार कर प्राधिकरण को सौंप देगी। इसके बाद प्राधिकरण के अधिकारी इसका अध्ययन करेंगे। यदि सब कुछ सही पाया गया तो एजेंसी से लेआउट तैयार कराया जाएगा। नहीं तो डीपीआर में संशोधन कराने के बाद लेआउट तैयार कराएंगे।

होटल के कमरे में नकली नोट छाप रहा था इंजीनियर

नेटवर्क खंगालने में जुटी फरीदाबाद पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच और सूरजकुंड थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक इंजीनियर को दबोचा है जो होटल के एक कमरे में नकली नोट छाप रहा था। आरोपी नोएडा की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता है। पुलिस ने होटल के कमरे से लैपटॉप, प्रिंटर, विशेष कागज और नकली नोट बरामद किया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसको 2 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। आरोपी की पहचान फरीदाबाद के सेक्टर-17 निवासी विनायक झा के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी इंजीनियर दो दिन से होटल में ठहरा था, लेकिन कमरा लॉक करके गायब हो गया। आरोपी पर शक होने के बाद होटल के कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने होटल के कमरे से एक लैपटॉप, एक प्रिंटर, नोट छापने में इस्तेमाल होने वाला कागज, 500 रुपये का नकली नोट और 100 रुपये के 10 नकली नोट बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही नकली नोट छापने से संबंधित अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। आरोपी विनायक झा ने वीआईटी, बेंगलुरु से स्नातक की पढ़ाई की है।

सूरजकुंड थाने में केस

आरोपी नोएडा स्थित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में आईटी क्षेत्र में काम कर रहा है। सोमवार को होटल के एक कमरे में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची लेकिन तब कमरे में कोई मौजूद नहीं था। तलाशी के दौरान पुलिस को नकली नोट और उनसे संबंधित अन्य सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने सभी सामान जब्त कर सूरजकुंड थाने में केस दर्ज कर लिया है।

विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ

पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी से विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इतनी अच्छी शिक्षा लेने के बावजूद आरोपी ऐसी आपराधिक गतिविधि में कैसे शामिल हो गया।

आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को मिल सकती है ये नई सुविधा

भीड़-जाम में आएगी कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के व्यस्त स्टेशनों में शामिल आनंद विहार टर्मिनल पर भीड़ कम करने के लिए यहां दूसरा प्रवेश द्वार बनाने पर विचार किया जा रहा है। अभी आनंद विहार टर्मिनल में केवल बस अड्डे की तरफ से ही प्रवेश की व्यवस्था है, जो प्लेटफॉर्म संख्या एक की तरफ है। रेलवे अधिकारी नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली और निजामुद्दीन स्टेशन की तरह यहां भी दूसरी दिशा में प्रवेश द्वार बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए दूसरी तरफ रेलवे को भूमि की आवश्यकता है। सूत्रों की मानें तो जल्द ही रेलवे यहां भूमि के लिए दिल्ली सरकार से अनुरोध कर सकती है।

स्टेशन पर बढ़ाई जा रही प्लेटफॉर्म की संख्या- आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर न केवल दिल्ली बल्कि नोएडा और गाजियाबाद से भी बड़ी संख्या में यात्री सफर करने पहुंचते हैं। यहां रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, मेट्रो स्टेशन, नमो भारत, ऑटो-टैक्सी आदि परिवहन के साधन उपलब्ध हो चुके हैं। इन सभी सेवाओं के बावजूद यहां अव्यवस्था देखने को मिलती है। रेलवे द्वारा आनंद विहार स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की संख्या को बढ़ाया जा रहा है। इसके साथ ही आने वाले दिनों में यहां ट्रेनों की संख्या को भी बढ़ाया जाना है।

जल्द दो नई लाइन पहुंचेंगी

टर्मिनल आने वाले समय में दिल्ली के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन में से एक होने वाला है। तिलक ब्रिज से आनंद विहार के बीच दो नई रेल लाइन बिछाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आनंद विहार स्टेशन पर दो प्लेटफॉर्म की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। नई दिल्ली स्टेशन से बीते दिनों कुछ गाड़ियों को आनंद विहार स्थानांतरित किया गया था, जबकि त्योहारों में कुछ गाड़ियों को स्थानांतरित करने की तैयारी है।

रेलवे, नमो भारत को जोड़ा जाएगा

बीते दिनों प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में हुई बैठक में जाम मुक्त टर्मिनल बनाने की योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन और नमी भारत को इस तरह से जोड़ा जाएगा ताकि सवारी को सड़क पर न उतरना पड़े।

बाइडन का ट्रंप पर निशाना कहा- लूजर, शान-शौकत को देते हैं ज्यादा अहमियत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने उत्तराधिकारी और मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक लूजर (असफल) व्यक्ति कहते हुए फिर से जुबानी हमला किया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, प्रक्रियाओं में विफलता और राष्टीय कामकाज से ज्यादा अपनी निजी शान-शौकत को अहमियत देने का आरोप लगाया। हेनोवर में मेरीलैंड डेमोक्रेटिक पार्टी के एक फंडरेजिंग कार्यक्रम में बाइडन ने वाशिंगटन में जारी कई निर्माण व नवीनीकरण प्रोजेक्टों की निंदा भी की। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में संरचनात्मक बदलावों पर निशाना साधा। उन्होंने व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग में बदलाव, ट्रायम्फल आर्च (विजय स्मारक) के प्रस्तावित ढांचे और लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल के बड़े पैमाने पर किए गए बदलावों की साफतौर पर निंदा की।

डोनाल्ड ट्रंप के दावे को ईरान ने किया खारिज, अमेरिका के साथ दोहा वार्ता अभी टली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ईरान पीस वार्ता को लेकर एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है जिसमें ईरान ने अमेरिका के साथ होने वाली बैठक को सिरे से नकार दिया है। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में घोषणा की थी कि दोनों देशों के अधिकारी कतर की राजधानी दोहा में मुलाकात करेंगे। लेकिन ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस बात को पूरी तरह से गलत बताया है। यह बयान ट्रंप की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद आया है जिससे नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगले कुछ दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत का कोई कार्यक्रम निर्धारित नहीं है। हालांकि उनका एक प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह कतर की यात्रा जरूर करेगा लेकिन इसका अमेरिका से कोई लेना-देना नहीं है। इस बयान ने होर्मुज में जहाजों के गुजरने और नाजुक शांति समझौते को लेकर चल रही बातचीत पर पानी फेर दिया है। यह घटनाक्रम कूटनीतिक संबंधों के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

स्विट्जरलैंड शांति समझौते पर संकट: कुछ ही दिन पहले दोनों देशों के बीच स्विट्जरलैंड में सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण डील हुई थी। ऐसा लग रहा था कि मिडिल ईस्ट में चल रही महाजंग अब खत्म होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। लेकिन होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर दोनों देशों के बीच फिर से गहरे मतभेद पैदा हो गए। इसके बाद ईरान के नए बयान ने शांति समझौते की लाइफलाइन को काफी कमजोर कर दिया है।

बमबारी और तनाव का नया दौर: ईरान द्वारा उठाए गए कुछ सख्त कदमों के जवाब में अमेरिका ने ईरान के कई शहरों में जमकर बमबारी की थी। इससे दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया था। परस्पर विरोधी बयानों ने दोनों मुल्कों के बीच कूटनीति के भविष्य को लेकर दुनिया भर में एक नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। यह स्थिति वैश्विक शांति और व्यापार के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बनती जा रही है।

14-सूत्रीय समझौते का क्या होगा: अमेरिका और ईरान पिछले चार महीने तक चले भयंकर संघर्ष को खत्म करने के प्रयास में जुटे हुए थे। दोनों देश एक 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन को बनाए रखने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने सैन्य संघर्ष को रोकने और व्यापार के लिए होर्मुज को फिर से खोलने पर सहमति जताई थी। बातचीत रुकने से इन सभी अहम फैसलों के लागू होने पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा: अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट करके पूरी दुनिया को चौंका दिया था। उन्होंने दावा किया था कि तेहरान ने खुद अमेरिका के साथ इस शांति बातचीत की गुजारिश की थी। बाद में व्हाइट हाउस ने भी इस अहम बैठक की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया था।

पुतिन के मिसाइल हमलों से दहला यूक्रेन, 12 की मौत; रूस ने औद्योगिक शहरों को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है, जहां युद्ध की आग केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गई है। हाल के हुए हमलों में ऊर्जा और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने से न केवल यूक्रेन में बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है, बल्कि रूस के भीतर भी ईंधन संकट पैदा हो गया है।

यूक्रेन में रूसी मिसाइलों का तांडव

रूस की ओर से सोमवार को किए गए भीषण हवाई हमलों ने यूक्रेन के कई शहरों को दहला दिया। ये हमले उस समय हुए जब लोग अपने घरों से बाहर खुले स्थानों पर मौजूद थे, जिसके कारण हताहतों की संख्या काफी अधिक रही है। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि मलबे और गंभीर रूप से घायलों की स्थिति को देखते हुए मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

सबसे दर्दनाक मंजर यूक्रेन के निप्रो शहर में देखने को मिला, जहां एक रूसी मिसाइल सीधे एक मिनी बस से जा टकराई। इस हमले में 6 निर्दोष लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, यूक्रेन के नियंत्रण वाले जपोरीजिया क्षेत्र में भी रूसी हमलों ने 3 लोगों की जान ले ली, जबकि खार्कीव में एक युवती की मौत और 10 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है।

रूस के भीतर 'तेल का अकाल': यूक्रेन ने भी इस युद्ध में अपनी रणनीति बदलते हुए रूस के आर्थिक और ऊर्जा केंद्रों पर सीधा प्रहार किया है। यूक्रेनी सेना ने रूस की कई बड़ी रिफायनरियों, तेल-गैस गोदामों और प्रमुख पाइपलाइनों को निशाना बनाया है। इन सटीक हमलों का परिणाम यह हुआ है कि रूस की राजधानी मास्को सहित देश के दक्षिणी हिस्सों और रूसी नियंत्रण वाले क्रीमिया में पेट्रोलियम पदार्थों का गंभीर संकट पैदा हो गया है। रूसी अधिकारियों को मजबूरन इन क्षेत्रों में ईंधन की बिक्री को सीमित करना पड़ा है। यूक्रेन के इन हमलों ने न केवल रूस की घरेलू आपूर्ति व्यवस्था को हिला दिया है, बल्कि उसके अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस निर्यात को भी बुरी तरह प्रभावित किया है।

पुतिन की उच्चस्तरीय बैठक: यूक्रेन का आरोप है कि रूस जानबूझकर उसके प्रमुख औद्योगिक शहरों निप्रो, जपोरीजिया और खार्कीव को निशाना बना रहा है ताकि नागरिक सुविधाओं और अर्थव्यवस्था को ध्वस्त किया जा सके। रूस के इन हमलों से यूक्रेन को जान और माल दोनों का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। दूसरी ओर, रूस के भीतर बिगड़ती स्थिति को देखते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक आपातकालीन उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। बैठक के दौरान पुतिन ने स्वीकार किया कि तेल ठिकानों पर हमलों के बाद स्थिति काफी मुश्किलफ बनी हुई है। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि इस संकट पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया जाएगा और इसके लिए सरकार ने युद्धस्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं।

शी जिनपिंग को बगावत का डर या करप्शन पर एक्शन? टॉप अफसरों को हटाने के मायने

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेशनल पीपल्स कांग्रेस से 6 सीनियर सैन्य अधिकारियों सहित कुल 13 सदस्यों को हटा दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब चीन की सेना पीपल्स लिबरेशन आर्मी में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। एनपीसी की स्थायी समिति की ओर से जारी नोटिफिकेशन में हटाए गए अधिकारियों के खिलाफ विस्तृत कारण नहीं बताए गए, लेकिन माना जा रहा है कि यह कदम शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है।

हटाए गए सैन्य अधिकारियों में जनरल शू श्वेचियांग, जनरल ली फेंगबियाओ, जनरल गुओ पुशियाओ, वांग कांगपिंग, झांग मिंगहुआ और यिन होंगशिंग शामिल हैं। इनमें से कई अधिकारी पीएलए के विभिन्न थिएटर कमांड, साइबर स्पेस फोर्स और उपकरण विकास विभाग जैसे अहम पदों पर रह चुके हैं। जानकारों का कहना है कि इन अधिकारियों में से कुछ लंबे समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों से गायब थे या उनकी गतिविधियों पर पहले से ही सवाल उठ रहे थे, जिससे उनके खिलाफ जांच की अटकलें लगाई जा रही थीं।

भ्रष्टाचार के आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया: सैन्य अधिकारियों के अलावा चीन के पूर्व वित्तीय नियामक प्रमुख ली युन्ज़े और पूर्व शिनजियांग पार्टी प्रमुख मा शिंगरुई को भी एनपीसी की सदस्यता से हटा दिया गया।

हूल दिवस पर डीसी-एसपी-डीडीसी ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि, किया नमन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीना, डीडीसी शताब्दी मजूमदार आदि ने चास आइटीआइ मोड़ स्थित अमर क्रांतिकारी सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी, नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने संथाल हूल के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे भारत के स्वतंत्रता संग्राम की महत्वपूर्ण आधारशिला बताया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्ष 1855 का संथाल हूल केवल आदिवासी इतिहास की घटना नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। यह जनविद्रोह 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तैयार करने वाला आंदोलन था, जिसने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध व्यापक जनजागरण और संगठित प्रतिरोध का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के विरुद्ध इस ऐतिहासिक संघर्ष का नेतृत्व एक ही परिवार के वीर क्रांतिकारियों - सिदो, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो और झानो ने किया। इन महान सेनानियों ने शोषण, अन्याय और ईस्ट इंडिया कंपनी की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध संथाल समाज को संगठित कर अदम्य साहस और बलिदान का परिचय दिया। उनका संघर्ष आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ स्वतंत्रता और न्याय के लिए पूरे देश को प्रेरित करने वाला था। उपायुक्त ने कहा कि संथाल हूल केवल एक क्षेत्रीय या आदिवासी आंदोलन नहीं था, बल्कि विदेशी शासन के विरुद्ध संगठित राष्ट्रीय प्रतिरोध का सशक्त स्वर था। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त हुआ और भारत का प्रशासन सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन चला गया। इस दृष्टि से 1857 भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ, जिसकी वैचारिक एवं संघर्षपूर्ण पृष्ठभूमि 1855 के संथाल हूल में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि नई पीढ़ी सिदो, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो और झानो जैसे महान क्रांतिकारियों के त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। हूल दिवस हमें अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, सामाजिक एकता और स्वतंत्रता के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश देता है। मौके पर जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

आदिवासी सेंगेल अभियान हूल दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आदिवासी सेंगेल अभियान की तरफ से चास प्रखंड के अन्तर्गत बरुआटांड़ में संताल विद्रोह के 171 वां हूल दिवस, संकल्प दिवस के रुप में मनाया गया। सभी ने महानायक वीर शहीद सिदो मुर्मू और कान्हू मुर्मू के चित्र पर पुष्प अर्पित किया एवं सेंगेल शपथ लिया गया। 30 जून 1855 को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ महान वीर शहीद सिदो मुर्मू के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक संताल हूल का 171 वां हूल दिवस मनाते हुए आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से आदिवासी समाज हित में भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से बोकारो जिला उपायुक्त के मार्फत निम्न मांगे प्रस्तुत करती है। भारत के लगभग 15 करोड़ आदिवासी जो अधिकांश आदिवासी हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आदि नहीं हैं, प्रकृति पूजक हैं। उनको स्वतंत्र धार्मिक मान्यता अर्थात 'सरना धर्म' कोड प्रदान किया जाए। आदिवासियों के महान धार्मिक स्थल झारखंड के गिरिडीह जिले में स्थित मरांग बुरु (पारसनाथ पहाड़), बोकारो जिले के लालपनिया में स्थित लुगुबुरु और पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में स्थित अजोदिया बुरु को अन्य धर्मों के अतिक्रमण से बचाया जाए। राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सबसे बड़ी आदिवासी भाषा संताली को आदिवासी बहुल प्रदेश झारखंड में प्रथम राजभाषा का दर्जा दिया जाए। इसके अलावा भी कई मांगे रखी गई है। हूल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोकारो जिला अध्यक्ष सह बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू, झारखंड प्रदेश संयोजक जयराम सोरेन, झारखंड प्रदेश संयोजक सह बोकारो जोनल परगना करमचंद हांसदा,सेंगेल युवा मोर्चा चास प्रखंड अध्यक्ष कालीचरण किस्कू, उपेन्द्र हेम्बरम,कृष्णा किस्कू, फूलचंद किस्कू,संजूल मुर्मू,बुटान बेसरा, साहिल हेम्बरम,बलबीर किस्कू आदि लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

विधायक ने दिव्यांगजनों के बीच ट्राईसाइकिल का किया वितरण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने अपने आवास पर छह दिव्यांगजनों के बीच ट्राई साइकिल का वितरण किया। इस पहल से लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कहा कि दिव्यांगजनों ने उन्हें ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने के लिए आवेदन दिया था। इसके बाद उन्होंने बीएसएल के डायरेक्टर इंचार्ज से इस संबंध में बातचीत की, जिसके पश्चात बीएसएल के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत छह दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। बोकारो विधायक स्वेता सिंह ने कहा कि दिव्यांग भाइयों ने आवेदन दिया था। हमने बीएसएल के डायरेक्टर इंचार्ज से बात की, जिसके बाद बीएसएल के सीएसआर के माध्यम से आज छह दिव्यांग भाइयों को ट्राई साइकिल दी गई। इससे उनके दैनिक जीवन और आवागमन में काफी सहूलियत होगी। ये सभी हमारे परिवार के सदस्य हैं और उनकी हर संभव मदद के लिए हम हमेशा प्रतिबद्ध रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि ट्राई साइकिल मिलने से दिव्यांगजनों का जीवन पहले की तुलना में अधिक सहज और आत्मनिर्भर बन सकेगा।

बारिश के बाद जल-जमाव से लोगों को हो रही परेशानी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बारिश होते ही बोकारो स्टील सिटी के नया मोड़ से माराफारी जाने वाले सीजेड गेट के पास स्थित रेलवे अंडरपास तालाब बन जाता है। वर्षों से चली आ रही इस समस्या का समाधान अब तक नहीं हो पाया है। बोकारो स्टील प्रबंधन इस सड़क को बनाने के लिए करोड़ों खर्च करती है, लेकिन पानी निकासी का इंतजाम नहीं होने से हालात जस के तस हैं। बारिश के बाद अंडरपास में 4 से 5 फीट तक पानी भर जाता है। गाड़ियां फंस जाती हैं और पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। इस रास्ते से रोजाना हजारों लोग गुजरते हैं। स्कूल-कॉलेज के बच्चे, ऑफिस जाने वाले लोग और प्लांट में काम करने वाले ठेका मजदूर फंस जाते है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल शिकायत के बाद भी बीएसएल प्रबंधन कोई ठोस पहल नहीं करता। सिर्फ सड़क बना दी जाती है, लेकिन ड्रेनेज सिस्टम पर ध्यान नहीं दिया जाता। नतीजा - हल्की बारिश में ही अंडरपास में पानी जम जाता है और लोगों का आना-जाना दूभर हो जाता है।

रोटरी क्लब चास के मुकेश अग्रवाल अध्यक्ष एवं विनोद चोपड़ा सचिव मनोनीत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी क्लब चास के आगामी सत्र के लिए मुकेश अग्रवाल को अध्यक्ष तथा विनोद चोपड़ा को सचिव पद के लिए मनोनीत किया गया है। नरेंद्र सिंह अगले कोषाध्यक्ष होंगे। मनोनीत पदाधिकारी 1 जुलाई 2026 से पदभार संभालेंगे। क्लब के सदस्यों ने पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में क्लब सामाजिक सेवा एवं जनहित के कार्यों को नई दिशा देगा। नवनियुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देगा। वहीं सचिव विनोद चोपड़ा ने सभी सदस्यों के सहयोग से क्लब की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने की बात कही। क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आगामी सत्र के सफल संचालन की शुभकामनाएं दीं।

हूल दिवस के अवसर पर जेएमएम कार्यकर्ताओं ने सिद्धो कान्हू को किया नमन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वर्ष1855 में अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल फूंकने वाले सिदो-कान्हू कोई याद करते हुए आज पूरे प्रदेश में हूल दिवस मनाया जा रहा है। चास के आईटीआई मोड़ स्थित सिदो-कान्हू के आदम प्रतिमा पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी समेत सभी नेताओं और कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया इस दौरान सभी ने सिदो-कान्हू फूलों झानो के वीरता को याद किया और कहा कि उनके बताए संदेश को हमें गांव-गांव तक पहुंचाने का काम करना चाहिए। हूल दिवस संथाल हूल क्रांति की याद का दिन। '30 जून वर्ष 1855 से शुरू हूल' संथाली भाषा का शब्द है जिसका मतलब विद्रोह होता है। पहला जन-विद्रोह 1857 की क्रांति से 2 साल पहले ही संथाल आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ जंग छेड़ दी थी। ये भारत का पहला संगठित विद्रोह माना जाता है।शोषण के खिलाफ लड़ाई अंग्रेज, जमींदार और महाजन मिलकर आदिवासियों की जमीन हड़प रहे थे। लगान वसूली में जुल्म, सूदखोरी, औरतों पर अत्याचार हो रहा था। इसी के खिलाफ सिदो-कान्हू ने विद्रोह का बिगुल फूंका।शहादत को नमन 30 जून 1855 को भागनाडीह में 10 हजार संथालों ने शपथ ली थी। इसके बाद हुई लड़ाई में 20 हजार से ज्यादा आदिवासी मारे गए। सिदो-कान्हू को फांसी हुई। उनकी शहादत को याद करने के लिए ये दिन मनाते हैं।

बोकारो में एसआईआर-2026 अभियान का शुभारंभ

डीसी ने स्वयं ट्रांसजेंडर मतदाता के घर पहुंचकर की अभियान की शुरूआत, प्रत्येक पात्र मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करने का दिया संदेश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान का शुभारंभ अपनी देखरेख में किया। अभियान की शुरूआत चास नगर निगम क्षेत्र के रामनगर कॉलोनी से हुई, जहां उन्होंने ट्रांसजेंडर मतदाता बबीता जी के आवास पहुंचकर उपस्थित ट्रांसजेंडर मतदाताओं को एसआईआर अभियान के उद्देश्य एवं प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर संबंधित क्षेत्र के बीएलओ ने ट्रांसजेंडर मतदाताओं को मौके पर ही एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया। यह पहल निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक समावेशी एवं सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे समाज के प्रत्येक पात्र नागरिक की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समान भागीदारी सुनिश्चित हो सके। मौके पर डीईओ सह डीसी ने बताया कि एसआईआर-2026 दो चरणों में संपन्न होगा। पहले चरण में मतदाता सूची में दर्ज सभी मौजूदा मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। जो मतदाता विधिवत हस्ताक्षर कर यह फॉर्म जमा करेंगे, उन्हें बिना किसी अतिरिक्त दस्तावेज की मांग किए प्रारूप मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। भारत के पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए दावा प्रस्तुत कर सकेंगे, वहीं अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाने के लिए प्रपत्र-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज की जा सकेगी। उन्होंने आमजनों को भी इसके प्रति जागरूक करने को कहा। डीईओ सह डीसी ने बताया कि स्वतंत्रता के बाद अब तक देश में नौ बार विशेष गहन पुनरीक्षण कराया जा चुका है तथा वर्ष 2025-26 का एसआईआर देश का दसवां विशेष गहन पुनरीक्षण है। यह प्रक्रिया विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की तरह ही पूरी तरह पारदर्शी, सहभागी एवं लोकतांत्रिक है, जिसमें मतदाताओं एवं राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, बोकारो विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) चास प्रांजल ढांडा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसी के साथ जिले के सभी प्रखंडों में भी बीएलओ द्वारा एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण प्रारंभ कर दिया गया है। सभी विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ सुपरवाइजर, बीएलओ एवं वोलेंटियर सक्रिय रूप से अभियान का संचालन कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे बीएलओ के सहयोग से निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय पर अपना एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करें, ताकि मतदाता सूची का अद्यतन कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके और कोई भी पात्र मतदाता लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित नहीं रहे।

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में आज दिनांक 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे 41 कर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (एम & एच एस) उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के साथ संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी एवं सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के परिजन भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए. समारोह के शुभारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के दीर्घकालिक योगदान एवं समर्पण की सराहना की. कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी का विशेष शुभकामना संदेश भी साझा किया गया, जिसमें उन्होंने सभी कर्मियों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की. मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (एम & एच एस) ने अपने संबोधन में कर्मियों के परिश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके अनुभवों ने संयंत्र को उत्कृष्टता के वर्तमान स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई उपहार भेंट किए और उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की मंगलकामना की. मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (एम & एच एस) ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं. उन्होंने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र एवं उपहार भी भेंट किए. जून 2026 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल 13 अधिशासी एवं 28 अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं. समारोह के दौरान सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-सेवाएँ) द्वारा प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मचारी के बायो-डाटा का प्रस्तुतिकरण किया गया. बोकारो स्टील प्लांट के सी & ए विभाग में कार्यरत मुख्य महाप्रबंधक (सी & ए) विजय कुमार के लिए आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशक सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे. सभी लोगों ने बोकारो स्टील प्लांट में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की तथा उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं. यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने अनुभवी मानव संसाधन के प्रति संवेदनशीलता और उनके योगदान के प्रति सम्मान को प्रदर्शित करता है. अनुभवी कर्मियों का विदाई समारोह न केवल उनके परिश्रम को मान्यता प्रदान करता है, बल्कि यह वर्तमान कार्यबल के मनोबल को बढ़ाने और संगठन में एक सकारात्मक कार्य-संस्कृति को सुदृढ़ करने में भी सहायक सिद्ध होता है.

लोक समिति के 49वें स्थापना दिवस पर सम्मेलन का आयोजन

युवाओं को सही मार्गदर्शन और झारखंड में शराबबंदी की उठी मांग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नव भारत जागृति केंद्र में आज लोकसमिति का 49वां स्थापना दिवस बेहद उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक विशेष सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड, बिहार और ओडिशा के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत लोकसमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरजा सतीश द्वारा झंडोत्तोलन और भारत रत्न जयप्रकाश नारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरजा सतीश ने देश की वर्तमान परिस्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज भारतीय युवाओं में असंतोष, बेरोजगारी, परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं और नशाखोरी तेजी से बढ़ रही है। सांप्रदायिक और जातिवादी भावनाओं के दुष्प्रभाव से युवाओं को बचाने के लिए उन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत है और लोकसमिति को इस दिशा में सक्रिय रूप से काम करना होगा। इसके साथ ही उन्होंने आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का लाभ सभी बीमारियों के लिए सुलभ कराने और प्राइवेट स्कूलों की सीबीएसई या राज्य बोर्ड से संबद्धता की शर्तों को आसान बनाने की मांग की। गिरजा सतीश ने बिहार की तर्ज पर झारखंड में भी पूर्ण शराबबंदी कानून लागू करने की वकालत की। इस दौरान झारखंड प्रदेश संयोजक शंकर राणा ने संगठन की मजबूती के लिए सदस्यता अभियान चलाने, युवाओं को जोड़ने और उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां सौंपने का प्रस्ताव रखा। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्रीनिवास ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने समाज में बढ़ते जातिवाद और धार्मिक आघात को आज की सबसे बड़ी चुनौती बताया। कार्यक्रम में लोकसमिति के कौशल गणेश आजाद, सदन सिंह, गौतम सागर, हसमत रब्बानी, पुतुल कुमारी, मथुरा सिंह, अंगूरा महतो, पुष्पा कुमारी, विनोद शर्मा, लालदेव चौधरी, राजीव रंजन, डॉ. किरण, मदन साव, कुंती बहन, मीणा देवी और वजीर अहमद सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शंकर राणा तथा शिवजी सिंह ने किया।

धनबाद के पीजी लॉज में कथित देह व्यापार का धंधा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के निरसा थाना क्षेत्र में पुराने थाना के समीप स्थित एक पीजी लॉज में कथित अनैतिक गतिविधियों की सूचना पर पुलिस ने सोमवार को छापेमारी की. कार्रवाई के दौरान पुलिस को लॉज से कई आपत्तिजनक सामान और महिलाओं के श्रृंगार से संबंधित सामग्री मिली. हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले वहां मौजूद दो युवक और दो युवतियां मौके से फरार हो गए. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है.

मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में 'हेरिटेज क्विज' प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल, बोकारो में आज इंटर हाउस 'हेरिटेज क्विज' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों - भारती सदन, वाचस्पति सदन, विद्यापति सदन एवं बिरसा सदन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कांटे के मुकाबले में भारती सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वाचस्पति सदन एवं विद्यापति सदन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि बिरसा सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कार्यक्रम को सफल बनाया। हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, इतिहास, कला, परंपरा एवं विरासत के सभी क्षेत्रों में ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित करना है। प्रश्न भारतीय धरोहर, स्मारकों, प्रसिद्ध व्यक्तित्वों, त्योहारों एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित थे। इस अवसर पर प्राचार्य अमर प्रसाद एवं उप-प्राचार्य देव दुलाल मित्रा ने संयुक्त रूप से सभी बच्चों को संबोधित किया।

एसआईआर-2026 की प्रगति की होगी प्रतिदिन समीक्षा : उपायुक्त

प्रतिदिन वीडियो संवाद के माध्यम से होगी कार्यों की मॉनिटरिंग, श्रेष्ठ कार्य करने वाले बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स होंगे सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अजय नाथ झा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान की मॉनिटरिंग को लेकर बैठक की। बैठक में जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला परियोजना पदाधिकारी (यूआईडी) शैलेन्द्र कुमार, फेलो रवि कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रतिदिन होगी अभियान की विस्तृत समीक्षा

बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि एसआईआर-2026 अभियान की प्रगति की प्रतिदिन अपराह्न 7:30 बजे वीडियो संवाद के माध्यम से समीक्षा की जाएगी। समीक्षा के दौरान गणना प्रपत्रों की प्राप्ति, जमा किए गए प्रपत्रों की संख्या, उनके डिजिटाइजेशन की स्थिति, ईआरओ एवं एईआरओ द्वारा किए गए बूथ भ्रमण, पर्यवेक्षकों द्वारा मतदान केंद्रों के निरीक्षण तथा प्राप्त फीडबैक की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

प्रखंड स्तर पर भी होगी नियमित मॉनिटरिंग

उन्होंने कहा कि सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में अभियान की प्रगति का प्रतिदिन मूल्यांकन करेंगे तथा नियमित प्रतिवेदन समर्पित करेंगे, ताकि अभियान के प्रत्येक चरण की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके।

मीडिया एवं सोशल मीडिया गतिविधियों का भी होगा आकलन

उपायुक्त ने मीडिया मॉनिटरिंग टीम को निर्देश दिया कि एसआईआर-2026 से संबंधित सोशल मीडिया एवं विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली नेगेटिव पोस्ट एवं भ्रामक खबरों पर सतत नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किए गए जागरूकता पोस्ट, जारी प्रेस विज्ञप्तियों तथा प्रचार-प्रसार गतिविधियों का भी नियमित मूल्यांकन किया जाएगा।

ईआरओ-एईआरओ करेंगे बीएलओ के कार्यों की समीक्षा

उन्होंने ईआरओ एवं एईआरओ को बीएलओ के कार्यों की नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि बूथ स्तर पर अभियान की प्रगति, भ्रमण, प्रपत्र संग्रहण एवं अन्य निर्वाचन संबंधी गतिविधियों की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

श्रेष्ठ कार्य करने वालों को मिलेगा प्रशंसा पत्र

उपायुक्त ने कहा कि एसआईआर-2026 के व्यापक प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स के कार्यों का भी आकलन किया जाएगा। सर्वाधिक एवं प्रभावी जागरूकता पोस्ट करने वाले सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स को प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाएगा। वहीं, उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों को भी सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए उनके कार्यों की नियमित समीक्षा कर निष्पादन के आधार पर मूल्यांकन सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com